



Aishwarya Rai Celebrates...

SHARE

सेंसेक्स : 78,516.49

निफ्टी : 24,378.10

SARAFI

सोना : 14,335

चांदी : 275.00

(नोट : सोना 22 कैरेट प्रति ग्राम)

BRIEF NEWS

तमिलनाडु व बंगाल में आज डाले जाएंगे वोट

CHENNAI : गुरुवार को तमिलनाडु व पश्चिम बंगाल के पहले चरण में होने वाले विधानसभा चुनाव के लिए सुरक्षा की व्यापक स्तर पर तैयारी की गई है। तमिलनाडु में 5.73 करोड़ मतदाता हिस्सा लेंगे। इस चुनाव में राजनीतिक दलों और निर्दलीयों सहित कुल 4,618 उम्मीदवार मैदान में हैं। प्रचार अभियान मंगलवार शाम 6 बजे समाप्त हुआ है। पूरे तमिलनाडु में लगभग 75,032 मतदान केंद्र बनाए गए हैं। इनमें से 3,022 स्थानों पर स्थित 5,938 मतदान केंद्रों को संवेदनशील घोषित किया गया है। इन केंद्रों पर किसी भी अग्रिम घटना को रोकने के लिए हथियारबंद अर्धसैनिक बलों और तमिलनाडु विशेष पुलिस बल की तैनाती की गई है। मतदान के दिन राज्य भर में पुलिस, अर्धसैनिक बल, अनिशमन विभाग, जेल विभाग, वन विभाग, होमगार्ड और सेवानिवृत्त सैनिकों सहित लगभग 1.47 लाख सुरक्षाकर्मी तैनात किए गए हैं। इसके अलावा, केंद्रीय सुरक्षा बलों की लगभग 295 कंपनियों से करीब 23,000 अर्धसैनिक जवान तमिलनाडु पहुंचे हैं। इसमें 26,203 इस्पेक्टर, सब-इस्पेक्टर, विशेष सब-इस्पेक्टर और 94,598 हेड कार्टेबल व पुलिसकर्मी शामिल हैं।

पहलगांम हमले का एक साल, सुरक्षा एजेंसियां अलर्ट

CHENNAI : बुधवार को पहलगांम आतंकी हमले का एक साल हो गया। इस मौके पर कश्मीर के सभी ट्रिस्ट स्पॉट्स पर सुरक्षा बढ़ा दी गई। सुरक्षा एजेंसियां अलर्ट पर हैं। घाटी में काम करने वाले हर पौनी, सर्विस प्रोवाइडर, लोकल गाइड के लिए व्यूआर कोड बेड स्पेशल चेकिंग सिस्टम बनाया गया है। इधर, आतंकी हमले को याद करते हुए पीएम मोदी ने लिखा है— पिछले साल 22 अप्रैल ही के दिन पहलगांम में हुए भयानक आतंकी हमले में जान गंवाने वाले निर्दोष लोगों को याद कर रहा हूँ। उन्हें कभी भुलाया नहीं जाएगा। एक राष्ट्र के तौर पर, हम दुःख और संकल्प में एकजुट हैं। भारत आतंकवाद के किसी भी रूप के आगे कभी नहीं झुकेगा।

अमेरिका-ईरान के बीच अनिश्चितकाल के लिए बढ़ा सीजफायर का टाइम

NEW DELHI @ PTI : बुधवार को अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने ईरान के साथ युद्धविराम को अनिश्चितकाल के लिए बढ़ा दिया है। ट्रंप ने कहा कि यह कदम तेहरान के आंतरिक मतभेदों से जुड़ा रहे नेतृत्व को सात सप्ताह से जारी युद्ध समाप्त करने के लिए एक प्रस्ताव तैयार करने का समय देने के उद्देश्य से उठाया गया है। यह घोषणा तब की गई है, जब आठ अप्रैल को घोषित दो सप्ताह का युद्धविराम कुछ ही घंटों में समाप्त होने वाला था। इसके साथ ही उपराष्ट्रपति जेडी वेंस के नेतृत्व वाले अमेरिकी प्रतिनिधिमंडल की इस्लामाबाद यात्रा भी प्रभावी रूप से टल गई, जहां ईरानी प्रतिनिधियों के साथ शांति वार्ता प्रस्तावित थी। ट्रंप ने स्पष्ट कर दिया है कि अमेरिका ईरान पर अपने हमलों को तब तक रोकेंगा, जब तक उसके नेता और प्रतिनिधि समझौते प्रस्ताव तैयार नहीं कर लेते। उन्होंने कहा कि ईरान के बंदरगाहों पर आर्थिक नाकेबंदी जारी रहेगी। इस पर ईरान ने कहा कि उसे ट्रंप की बात पर रतीं भर यकीन नहीं है। वहीं, ईरान के संयुक्त राष्ट्र में स्थायी प्रतिनिधि अमीर साईद इरावानी ने कहा है कि नाकेबंदी हटने के बाद ही अमेरिका से बातचीत हो सकती है।

ट्रंप ने कहा- युद्ध को समाप्त करने के लिए प्रस्ताव तैयार करने का दिया गया समय, जारी रहेगी नाकेबंदी ईरान बोला- अमेरिकी राष्ट्रपति की बात पर रतीं भर यकीन नहीं, नाकेबंदी हटने के बाद ही होगी बातचीत

इलाके में बढ़ रहा तनाव, सेना पूरी तरह सतर्क : आईआरजीसी

सीजफायर बढ़ाए जाने के बीच ईरान की इस्लामिक रिवायूशनरी गार्ड फोर्स (आईआरजीसी) ने सख्त बयान जारी किया है। आईआरजीसी ने कहा है कि इलाके में तनाव बढ़ रहा है, इसलिए उनकी सेना पूरी तरह सतर्क है। उन्होंने चेतावनी दी कि अगर कोई हमला हुआ, तो वे बहुत जोरदार जवाब देंगे। इसी बीच आईआरजीसी ने ओमान के तट के पास एक कंटेनर जहाज पर फायरिंग की। उसका दावा है कि जहाज ने चेतावनी को नजरअंदाज किया था।



नाकेबंदी से रोज 500 मिलियन डॉलर का नुकसान

ईरान के साथ एकतरफा सीजफायर बढ़ाने के बाद अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने समुद्र में अमेरिकी नाकेबंदी की तारीफ की है। उन्होंने बुधवार को सोशल मीडिया पर लिखा— ईरान आर्थिक रूप से टूट रहा है। उसके पास पैसों की कमी हो रही है, इसलिए तुरंत होमजुं स्टेट खोलना चाहता है। उन्होंने दावा किया कि नाकेबंदी की वजह से ईरान को रोज करीब 500 मिलियन डॉलर का नुकसान हो रहा है। ईरान की सेना और पुलिस को समय पर वेतन नहीं मिल रहा और देश के अंदर आर्थिक दबाव बढ़ रहा है।

होमजुं में आईआरजीसी ने जब्त किए दो जहाज, फायरिंग भी की

ईरान की रेवोल्यूशनरी गार्ड (आईआरजीसी) ने होमजुं स्टेट में दो जहाजों को जब्त कर लिया है। ईरान ने कहा है कि इस समुद्री रास्ते की सुरक्षा से कोई समझौता नहीं होगा। आईआरजीसी के मुताबिक, एमएससी फ्रांसोस्का और एपामिनोडेस नाम के जहाजों पर कार्रवाई की गई। इन पर बिना अनुमति संचालन करने और नेविगेशन सिस्टम से छेड़छाड़ कर समुद्री सुरक्षा को खतरों में डालने का आरोप है। एक जहाज ओमान के पास हमले में क्षतिग्रस्त हुआ, जबकि दूसरे को ईरान के पास निशाना बनाया गया। आईआरजीसी ने होमजुं स्टेट से भारत आ रहे एक जहाज को भी रोककर कब्जे में ले लिया। ईरान ने आरोप लगाया है कि जहाज बिना इजाजत होमजुं से गुजरने की कोशिश कर रहा था। लाइबेरिया के फ्लैग वाला एपामिनोडेस नाम का यह कंटेनर शिप गुजरात के मुंद्रा पोर्ट की ओर जा रहा था। होमजुं स्टेट में बुधवार को कम से कम 3 जहाजों पर गोलीबारी की गई। रॉयटर्स के मुताबिक यह जानकारी समुद्री सुरक्षा से जुड़े सूत्रों और यूनाइटेड किंगडम मैरिटाइम ट्रेड ऑपरेशंस ने दी।

भार्गव हत्याकांड का खुलासा : कांके डैम के पास शूटर का एनकाउंटर

जमीन कारोबारी के हत्यारे को पुलिस ने दोनों पैरों में मारी गोली

PHOTON NEWS RANCHI :

राजधानी रांची के पंडरा में जमीन कारोबारी भार्गव सिंह और धुवाँ के पूर्व पार्षद वेद प्रकाश की गोली मारकर हत्या करने वाले शूटर सत्यम पाठक के साथ बुधवार को पुलिस की मुठभेड़ हो गई। इस मुठभेड़ में सत्यम पाठक के दोनों पैरों में गोली लग गई। उसके हाथ में भी चोट लगी है। घायल अवस्था में उसे तुरंत रिम्स में भर्ती कराया गया है। सिटी एस्पसी के अनुसार, घटना को अंजाम देने बाद सत्यम पाठक रांची से बक्सर भागने के फिराक में था। इससे पहले पुलिस ने उसे नेवरी के पास से दबोच लिया। पूछताछ में सत्यम ने कबूल किया था कि उसने घटना में इस्तेमाल किए गए दो हथियार वहीं छिपा रखे हैं। इसके बाद पुलिस की टीम उसे हथियार बरामदगी के लिए कांके डैम के

वारदात को अंजाम देने के बाद रांची से बक्सर भागने की फिराक में था सत्यम पाठक

आरोपी ने कबूल किया- छिपाकर रखे हैं हत्या में इस्तेमाल किए गए दो हथियार बरामदगी के लिए ले गई पुलिस तो अचानक एक पुलिसकर्मी का छीन लिया हथियार फायरिंग करते हुए की भागने की कोशिश, पुलिस की कार्रवाई में हुआ जख्मी



विजय टेटे ने जमीन देने के नाम पर ली थी मोटी रकम

एसपी ने बताया कि विजय टेटे ने भार्गव सिंह से जमीन देने के नाम पर मोटी रकम ली थी। जैसे-जैसे बावजूद विजय भार्गव को जमीन नहीं दे पा रहा था। भार्गव विजय पर जमीन देने के लिए लगातार दबाव बना रहा था। इसी विवाद में विजय ने सत्यम को सुपारी देकर भार्गव की हत्या कर दी। सत्यम धुवाँ के पूर्व पार्षद और भाजपा नेता वेद प्रकाश सिंह की हत्या में भी शामिल रहा है। 17 जुलाई 2024 को तीन अपराधियों ने वेद प्रकाश सिंह पर ताबड़तोड़ फायरिंग की थी, जिसमें एक गोली उनकी गर्दन में लगी थी। गंभीर रूप से घायल वेद प्रकाश ने इलाज के दौरान दम तोड़ दिया था।

मंगलवार को हुई थी व्यवसायी की हत्या

मंगलवार को पंडरा के ओटीसी मैदान इलाके में जमीन कारोबार से जुड़े भार्गव सिंह की गोली मारकर हत्या कर दी गई थी। इस दुःसाहसिक वारदात के बाद पुलिस महकमे में हड़कंप मच गया था। एसएसपी के निदेश पर गाँव विशेष टीम ने तत्कालीन साहू और सीसीटीवी फुटेज के आधार पर सत्यम पाठक की पहचान की थी। भार्गव सिंह की हत्या के बाद पुलिस ने तेजी दिखाते हुए दो अपराधियों को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार अपराधियों के आधार पर सत्यम पाठक है। इस संसनीखेज वारदात को सत्यम पाठक ने अंजाम दिया था, जबकि इस पूरे घटनाक्रम का मास्टरमाइंड विजय टेटे है। इसकी जानकारी सिटी एसपी पारस राणा ने बुधवार को प्रेस कॉन्फ्रेंस कर दी।

कार्रवाई की। इस गोलीबारी में सत्यम पाठक घायल हो गया है। स्थिति को नियंत्रित करने के लिए पुलिस ने आत्मरक्षा में जवाबी

पास पहुंची थी। इसी दौरान उसने अचानक एक पुलिसकर्मी का

हथियार छीन लिया और फायरिंग करते हुए भागने की कोशिश की।

स्थिति को नियंत्रित करने के लिए पुलिस ने आत्मरक्षा में जवाबी

प्रचंड गर्मी की चपेट में राज्य, जनजीवन बुरी तरह हो रहा प्रभावित झारखंड के 4 जिलों में पारा 42 डिग्री के पार, कई इलाकों में लू का खतरा

PHOTON NEWS RANCHI :

झारखंड इन दिनों प्रचंड गर्मी की चपेट में है। राज्य के कई जिलों में तापमान लगातार बढ़ रहा है, जिससे जनजीवन बुरी तरह प्रभावित हो रहा है। हालात ऐसे हैं कि 4 जिलों में अधिकतम तापमान 42 डिग्री सेल्सियस के पार पहुंच गया है, जिससे लोगों के लिए दिन में बाहर निकलना मुश्किल हो गया है और लू का खतरा बढ़ गया है। सबसे अधिक तापमान चाईबासा में 43 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया

सबसे अधिक तापमान चाईबासा में 43 डिग्री सेल्सियस दर्ज



गया। इसके अलावा डाल्टनगंज में 42.8 डिग्री, जमशेदपुर में 42.2 डिग्री, बोकारो में 41.5 डिग्री और सरायकेला तापमान रिकॉर्ड किया

कल से बदलेगा मौसम

मौसम विभाग के अनुसार, 24 अप्रैल से मौसम में बदलाव के संकेत हैं। इस दिन देवर, धनबाद, दुमका, गिरिडीह, गोड्डा, जमशेदपुर, पाकुड़ और साहिबगंज में गर्जन, वज्रपात और 30 से 40 मिलीमीटर प्रति घंटा की रफ्तार से तेज हवा चलने की संभावना है।

28 को कैबिनेट बैठक राज्यकर्मियों को 2% डीए बढ़ोतरी की उम्मीद

RANCHI : 28 अप्रैल झारखंड कैबिनेट की मीटिंग होगी। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन की अध्यक्षता में यह बैठक झारखंड मंत्रालय (प्रोजेक्ट भवन) स्थित मंत्रिपरिषद कक्ष में अपराह्न 3:00 बजे से शुरू होगी। इसको लेकर मंत्रिमंडल सचिवालय एवं निगरानी विभाग (समन्वय) ने आधिकारिक आदेश जारी कर दिया है। बैठक में राज्यकर्मियों के लिए महंगाई भत्ता में 2 प्रतिशत बढ़ोतरी पर मुहर लगने की प्रबल संभावना है। यदि प्रस्ताव को मंजूरी मिलती है तो सातवें वेतनमान के तहत कार्यरत कर्मचारियों का डीए वर्तमान 58 प्रतिशत से बढ़कर 60 प्रतिशत हो जाएगा। यह बढ़ोतरी देकर सरकार के फैसले के अनुरूप मानी जा रही है। सूत्रों के अनुसार, कैबिनेट बैठक में डीए वृद्धि के अलावा भी कई महत्वपूर्ण विषयों पर चर्चा की जा सकती है। इसमें प्रशासनिक, वित्तीय और विचार से जुड़े मुद्दों पर चर्चा होने की संभावना है।



खुले केदारनाथ धाम के कपाट, पीएम के नाम हुई पहली पूजा

चारधाम यात्रा के चौथे दिन बुधवार सुबह 8 बजे केदारनाथ धाम के कपाट विधिवत खोल दिए गए हैं। परंपरा के अनुसार पहले मंदिर के पूर्व द्वार को खोला गया और मुख्य पुजारी, रावल व हक-हकूकधारियों ने अंदर प्रवेश कर पूजा-अर्चना शुरू की। मुख्यमंत्री पृथ्वी सिंह धाली ने धाम में पहुंचकर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नाम की पहली पूजा कराई। सुबह से ही मंदिर परिसर में श्रद्धालुओं की भीड़ जुटनी शुरू हो गई थी।

सुरक्षा का सवाल बढ़ते तापमान ने उत्पन्न की विषम हालात की त्रासदी

धरती की छाती को छलनी कर रही ग्लोबल वार्मिंग के चेंज की निर्मम मार

PHOTON NEWS @ RESEARCH DESK :

हर वर्ष 22 अप्रैल को विश्व पृथ्वी दिवस मनाया जाता है। इसके पीछे का मूल उद्देश्य जीवनदायिनी धरती के जीवन की सुरक्षा है। पर्यावरण विशेषज्ञों के अनुसार, धरती का प्राकृतिक जीवन सुरक्षित रहे बिना किसी भी जीव का जीवन सुरक्षित नहीं रह सकता है। यही प्राकृतिक संतुलन का मूल मंत्र है। गौरतलब है कि पिछले दशकों की विकास गतिविधियों ने पर्यावरण के लिए ऐसी विषाक्त स्थिति पैदा कर दी है, जिससे पृथ्वी की सुरक्षा पर कई सवाल खड़े हो गए हैं। पृथ्वी के औसत तापमान में अस्वाभाविक वृद्धि के कारण मनुष्य के लिए सबसे कठिन संकट पैदा हो रहा है। इस स्थिति को पैदा करने में जंगलों की अंधाधुंध कटाई ने अहम भूमिका निभाई है। अब बलाढ्य चेंज यानी जलवायु परिवर्तन की स्थिति गंभीर हो गई है और इससे धरती की छाती छलनी हो रही है। लंबे समय तक किए गए अध्ययन के बाद हाल में वैज्ञानिकों ने चेतावनी दी है कि पृथ्वी को बचाने की तमाम कोशिशों के बावजूद अब इसका बढ़ता तापमान केवल मौसम की चरम घटनाओं तक सीमित नहीं रह गया है, बल्कि यह चुपचाप खेतों की मिट्टी से नमी छीनकर कृषि व्यवस्था की जड़ों को कमजोर कर रहा है।

क्रॉप प्रोडक्शन और फूड सप्लाई पर असर

फरवरी-मार्च के महीने में भी मिट्टी के जल की सूखने की प्रवृत्ति के कारण यूरोप, अमेरिका और भारत सहित दुनिया के कई प्रमुख कृषि क्षेत्रों में भीषण सूखे की आशंका बढ़ रही है। वैज्ञानिकों का स्पष्ट मानना है कि इस स्थिति का सीधा असर क्रॉप प्रोडक्शन यानी फसल उत्पादन और वर्ल्ड फूड सप्लाई यानी वैश्विक खाद्य आपूर्ति पर पड़ सकता है। सालाना बारिश के आंकड़े पहले जैसे या उससे अधिक बनने के बावजूद हालात विकट बनते जा रहे हैं।

अब सिर्फ मौसम की चरम घटनाओं तक सीमित नहीं रह गया है जलवायु परिवर्तन



तेजी से पानी का वाष्पित होना खतरनाक

जंगलों की अंधाधुंध कटाई ने संपूर्ण प्राकृतिक संतुलन को बिगाड़ने में निभाई अहम भूमिका

- खेतों की मिट्टी में घटती नमी से वैश्विक खाद्य आपूर्ति पर मंडराने लगा गंभीर खतरा
- इंटरनेशनल जर्नल 'गेवर जियोसाइंस' में एनालिसिस के साथ पहिलेश की गई है रिपोर्ट

ब्रिटेन की यूनिवर्सिटी ऑफ रीडिंग के वैज्ञानिकों की टीम ने की स्पेशल स्टडी

इस परिस्थिति की लंबे समय तक ब्रिटेन की यूनिवर्सिटी ऑफ रीडिंग के वैज्ञानिकों ने स्टडी की है। इंटरनेशनल जर्नल 'नेचर जियोसाइंस' में शोध के नतीजों को विस्तार से विश्लेषण के साथ पहिलेश किया गया है। वैज्ञानिकों ने बताया है कि जलवायु परिवर्तन का एक कम चर्चित, लेकिन गंभीर परिणाम यह है कि मिट्टी और पौधों से पानी कहीं तेजी से वाष्पित हो रहा है। यह अत्यंत खतरनाक है। अब सूखा केवल कम बारिश का परिणाम नहीं रह गया है।

झारखंड हाइकोर्ट का फैसला बरकरार

सजायाफ्ता के बेल केस में सुप्रीम कोर्ट में एनआईए की याचिका खारिज

PHOTON NEWS RANCHI :

बुधवार को सुप्रीम कोर्ट ने सजायाफ्ता प्रफुल्ल मालाकार को बेल दिए जाने के झारखंड हाइकोर्ट के फैसले को बरकरार रखा है। शीर्ष अदालत ने हाईकोर्ट द्वारा दी गई बेल के खिलाफ नेशनल इन्वेस्टिगेशन एजेंसी (एनआईए) की एस्प्लपी क्रिमिनल याचिका को खारिज कर दी। मामले की सुनवाई सुप्रीम कोर्ट के न्यायमूर्ति जेके माहेश्वरी की अध्यक्षता वाली पीठ में हुई। एनआईए ने सजायाफ्ता प्रफुल्ल मालाकार को झारखंड हाईकोर्ट द्वारा 16 सितंबर 2025 को दी गई जमानत का विरोध करते हुए उसे सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दी थी। उल्लेखनीय है कि प्रफुल्ल



मालाकार को पुलिस ने 24 अगस्त 2012 को दानापुर से गिरफ्तार किया था। उसे चार दिन तक अदालत में पेश नहीं किया था। चार दिनों के बाद प्रफुल्ल मालाकार को 29 अगस्त 2012 को अदालत में प्रस्तुत किया गया था और बताया गया था कि प्रफुल्ल मालाकार को सिलोदर जंगल से एम-16 अमेरिकी राइफल जो चिवतनाम युद्ध में इस्तेमाल हुआ है, के साथ पकड़ा था।

धनबाद में फिर धंसी जमीन एक दर्जन घर हुए क्षतिग्रस्त

इससे पूर्व 31 मार्च को भू-धंसान में तीन लोगों की हो गई थी मौत

PHOTON NEWS DHANBAD : धनबाद जिले के झरिया स्थित बाघमारा प्रखंड के सोनारडीह टंडावाड़ी में बुधवार की सुबह करीब छह बजे जोरदार आवाज के साथ एक बार जमीन धंस गई। इससे वहां भगदड़ मच गई। दहशत में लोग अपने घर से निकलकर सुरक्षित स्थानों की ओर भागने लगे। इस बार भी भू-धंसान के कारण सड़क में बड़ी दरार पड़ गई है। पीपल का एक पेड़ सहित चबूतरा करीब छह फीट नीचे धंस गया। आसपास के करीब एक दर्जन घर भी क्षतिग्रस्त हो गए हैं। कई घरों में दरारें आ गई हैं। वे घर अब रहने लायक नहीं बचे हैं, जिससे ग्रामीणों में भय का माहौल है। इससे पूर्व 31 मार्च को भू-धंसान की घटना में तीन लोगों की

अब भी खुले स्थान पर रह रहे 12 परिवार



जमीन पर पड़ी ट्रेलर

मौत हो गई थी। लोगों ने फोरलेन सड़क को जाम कर विरोध जताया था। अभी भी करीब 12 परिवार खुले आसमान के नीचे रह रहे हैं।

की अनदेखी प्रभावित परिवारों में आक्रोश भी देखा जा रहा है। स्थानीय लोगों ने बताया कि लगातार हो रही ऐसी घटनाओं के बावजूद बीसीसीएल प्रबंधन की ओर से अब तक पुनर्वास को लेकर कोई ठोस कदम नहीं उठाया गया है। ग्रामीण प्रशासन और बीसीसीएल प्रबंधन से शीघ्र सुरक्षित पुनर्वास की मांग कर रहे हैं, ताकि भविष्य में किसी बड़े हादसे से बचा जा सके। फायर एरिया में रहने वाले लोगों के पुनर्वास के लिए झरिया पुनर्वास एवं विकास प्राधिकरण (जेआरडीए) ने झरिया मास्टर प्लान के तहत योजना बनाई है, लेकिन जमीनी स्तर पर इसका सही ढंग से अनुपालन नहीं हो रहा है। इससे लोग परेशान हैं।

BRIEF NEWS

जहरीला पदार्थ खाने से अघेड़ की मौत

PALAMU : पलामू जिले के छतरपुर थाना क्षेत्र अंतर्गत सरसवा गांव निवासी रामलंगन यादव (45) की बीती रात जहरीला पदार्थ खाने से मौत हो गई। बताया जाता है कि वह घरेलू विवाद के कारण मानसिक तनाव में था। परिजनों के अनुसार, मंगलवार रात रामलंगन यादव काफी चिंतित और परेशान था। इसी दौरान उसने कोई जहरीला पदार्थ खा लिया। हालत बिगड़ने पर परिजन उसे तत्काल छतरपुर स्थित अनुमंडल अस्पताल ले गए, जहां प्राथमिक उपचार के बाद चिकित्सकों ने उसकी गंभीर स्थिति को देखते हुए मेदिनीराय मेडिकल कॉलेज-अस्पताल रेफर कर दिया। मेडिकल कॉलेज में इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई।

पुलिया के नीचे गिरा ट्रेलर, बच गया चालक



KHUNTI : खुंटी-सिमडेगा मुख्य मार्ग पर तोरपा थाना क्षेत्र के दिवाकिल के पास बुधवार तड़के करीब चार बजे लोहा लदा एक ट्रेलर दुर्घटनाग्रस्त होकर पुलिया के नीचे गिर गया। राहत की बात यह रही कि ट्रेलर चालक पूरी तरह सुरक्षित है। जानकारी के अनुसार ट्रेलर दुगापुर से लोहे का सामान लेकर थिलाई की ओर जा रहा था। उसी दौरान तड़के लगभग चार बजे विपरीत दिशा से तेज गति से आ रहे एक ट्रक को देखकर चालक उसे बचाने के प्रयास में संतुलन खो बैठा और ट्रेलर दुर्घटनाग्रस्त हो कर पुलिया के नीचे जा गिरा। घटना की जानकारी मिलते ही आसपास के ग्रामीण और तोरपा थाना की पुलिस घटनास्थल पर पहुंची और स्थिति का जायजा लिया। अच्छी बात रही कि इस दुर्घटना में किसी के हताहत होने की खबर नहीं है।

चोरों ने घर से उड़ाए लाखों के जेवर व रुपये

RAMGARH : रामगढ़ शहर में चोरी की एक बड़ी चारदात सामने आई है। गोलपार इलाके में कपड़ा फेरी व्यवसाय से जुड़े रामप्रवेश साव अपने परिवार के साथ बिहार में एक शादी समारोह में शामिल होने गए थे। इसी दौरान मंगलवार रात चोर ने घर का ताला तोड़कर अलमारी और बक्सों में रखे करीब 7 लाख रुपये के जेवरदार और लगभग 1.20 लाख रुपये चोरी कर लिए। इसके अलावा, बिक्री के लिए रखे कई नई और कीमती साड़ियां भी चोर ले गए। चोरी गए सामानों में सोने का मंगटीका, नथिया, चेन, झुमके के दो सेट, मंगलसूत्र, चांदी के जेवरदार शामिल हैं। घटना की गंभीरता इस बात से भी समझी जा सकती है कि चोरों ने घर में आराम से समय बिताया। घर की छत पर खाने-पीने के संकेत मिले हैं, वहीं सिगरेट के अवशेष भी बरामद किए गए हैं। इससे अंदाजा है कि चोर काफी देर तक घर में मौजूद रहे और बिना किसी डर के चारदात को अंजाम दिया। बुधवार सुबह जब घटना की जानकारी मिली, तो तुरंत पुलिस को सूचना दी गई। रामगढ़ थाना पुलिस मौके पर पहुंचकर मामले की जांच में जुट गई है। आसपास के सीसीटीवी फुटेज खंगाले जा रहे हैं और संदिग्धों की पहचान की कोशिश की जा रही है।

परंपरा एमएलए सुदीप गुड़िया ने कहा- आधुनिकता में जीएं, लेकिन अपनी संस्कृति को छोड़ें नहीं

आदिवासी कला को संरक्षित करने के लिए बांटे गए मांदर-ढोल

PHOTON NEWS KHUNTI : तोरपा के विधायक सुदीप गुड़िया ने झारखंड की कला-संस्कृति को बढ़ावा देने के उद्देश्य से बुधवार को तोरपा प्रखंड परिसर में पाहनों के बीच मुंडा मांदर, नागपुरिया मांदर ढोल, नगाड़ा, शहनाई, बांसुरी सहित अन्य वाद्ययंत्रों का वितरण किया। इस मौके पर विधायक ने कहा कि हेमंत सोरेन की सरकार झारखंड के लोगों की भावनाओं के अनुकूल काम कर रही है। सभी वर्गों को अवसर प्रदान किया जा रहा है। हमें अपनी आने वाली पीढ़ी को समृद्ध कला-संस्कृति का बोध कराना जरूरी है। उन्हें समझाएं, आधुनिकता में हम अपनी संस्कृति को खोएं नहीं। उन्होंने कहा कि किसी भी क्षेत्र में विकास में हमें पीछे नहीं रहना है। आधुनिकता में जीना है, पर



वाद्ययंत्रों के साथ स्थानीय आदिवासी व विधायक सुदीप गुड़िया

संस्कृति को छोड़ना नहीं है। हेमंत सरकार आदिवादीयों को संस्कृति के साथ जोड़कर विकास का काम कर रही है। हमें तोरपा को आदर्श विधानसभा क्षेत्र बनाना है।

सुदीप गुड़िया ने कहा कि राज्य में अबुआ सरकार है, जो सिर्फ बोलती नहीं, करती भी है। उन्होंने कहा कि वाद्ययंत्र का सिर्फ उपयोग नहीं करना है, बल्कि आने वाली पीढ़ी को

बताना एवं सिखाना भी है। गीत एवं संगीत हमारी संस्कृति छिपी है। आज के युवा को बताना है कि सिर्फ पर्व त्योहार में नहीं, बल्कि अन्य दिन भी बैटकर गीत संगीत सिखाना और

2026-27 की राजस्व वसूली का लक्ष्य तय, वित्त विभाग ने जारी किए विभागों को निर्देश

झारखंड के आठ विभाग जुटाएंगे 64300 करोड़ रुपये, खनन विभाग को बड़ी जिम्मेदारी

NIKHIL KUMAR @ RANCHI : मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन के नेतृत्व वाली सरकार ने वित्तीय वर्ष 2026-27 के लिए कुल 64,300 करोड़ रुपये का राजस्व जुटाने का लक्ष्य तय किया है। इस संबंध में वित्त विभाग की उप सचिव ज्योति कुमारी झा के हस्ताक्षर से विभागवार राजस्व प्राप्ति लक्ष्य तय करते हुए निर्देश जारी किया है। झारखंड विधानसभा बजट सत्र में भी इसे पारित कराया गया था। विभाग ने स्पष्ट कहा है कि सभी विभाग इस लक्ष्य की प्राप्ति के लिए समुचित कार्रवाई करें। वित्त विभाग के अधिकारियों ने बताया कि लक्ष्य प्राप्ति के लिए हर विभाग को ठोस रणनीति के साथ जमीन पर परिणाम देना होगा। राजस्व बढ़ाने के लिए चारंपरिक स्रोतों के साथ-साथ नए संसाधनों की तलाश और तकनीक के इस्तेमाल पर जोर दिया गया है।

खान और वाणिज्य कर विभाग का सबसे बड़ा हिस्सा

सरकार ने इस लक्ष्य को हासिल करने के लिए कुल 8 विभागों/प्रभागों को जिम्मेदारी सौंपी है, जिसमें सबसे बड़ा हिस्सा खान एवं भूतत्व और वाणिज्य कर विभाग के पास है। इन दोनों विभागों के प्रदर्शन पर ही कुल लक्ष्य की सफलता काफी हद तक निर्भर करेगी।

विभागवार राजस्व लक्ष्य (करोड़ रुपये में)

विभाग	लक्ष्य (करोड़ रुपये में)
वाणिज्य कर विभाग	24,000
खान एवं भूतत्व विभाग	27,000
उत्पाद एवं मद्य निषेध विभाग	4,500
परिवहन विभाग	2,700
निबंधन विभाग	1,800
राजस्व एवं भूमि सुधार प्रभाग	2,000
वन, पर्यावरण एवं जलवायु परिवर्तन विभाग	1,300
जल संसाधन विभाग	1,000

विकसित करने होंगे राजस्व के नए स्रोत

लक्ष्य हासिल करने के लिए विभागों को अपने-अपने क्षेत्र में राजस्व के नए स्रोत विकसित करने होंगे। वाणिज्य कर विभाग को टैक्स बेस बढ़ाने, जीएसटी संग्रह में लीकेज रोकने और डिजिटल मॉनिटरिंग मजबूत करने पर फोकस करना होगा। वहीं खान एवं भूतत्व विभाग को अवैध खनन पर रोक, खनिज परिवहन की ऑनलाइन ट्रैकिंग और नीलामी प्रक्रिया को पारदर्शी बनाने पर काम करना होगा। उत्पाद एवं मद्य निषेध विभाग से शराब बिक्री और लाइसेंसिंग में पारदर्शिता बढ़ाकर आय बढ़ाने की उम्मीद है, जबकि परिवहन विभाग को वाहन निबंधन, रोड टैक्स और जुर्माना वसूली में सुधार लाने को कहा गया है। निबंधन और भूमि सुधार से जुड़े प्रभागों को जमीन रजिस्ट्री में डिजिटल सिस्टम को और मजबूत कर राजस्व बढ़ाने की जिम्मेदारी दी गई है। वन, पर्यावरण एवं जलवायु परिवर्तन विभाग को वनों से मिलने वाले उत्पादों और पर्यावरणीय सेवाओं के जरिए आय बढ़ाने के विकल्प तलाशने होंगे, जबकि जल संसाधन विभाग को सिंचाई परियोजनाओं और जल उपयोग शुल्क के जरिए राजस्व बढ़ाने पर काम करना होगा। वित्त विभाग ने यह भी संकेत दिया है कि पूरे साल इन विभागों की मासिक और तिमाही समीक्षा की जाएगी।

लक्ष्य से पीछे रहने वाले विभाग पर सख्ती

लक्ष्य से पीछे रहने वाले विभागों से जवाब-तलब किया जाएगा, वहीं बेहतर प्रदर्शन करने वालों को प्रोत्साहन भी दिया जा सकता है। सरकार का मानना है कि अगर तय रणनीति के मुताबिक काम हुआ तो न सिर्फ राजस्व लक्ष्य हासिल होगा, बल्कि राज्य की वित्तीय स्थिति भी मजबूत होगी और विकास योजनाओं के लिए अतिरिक्त संसाधन उपलब्ध हो सकेंगे।

कोडरमा में हाथियों ने 2 को उतारा मौत के घाट, 3 गंभीर रूप से घायल, गांवों में दहशत

ईंट भट्ठा पर पहुंच गया था हाथियों का झुंड, घर में छिपे बच्चे को कुचलकर मार डाला

PHOTON NEWS KODERMA : कोडरमा जिले में हाथियों का कहर थमने का नाम नहीं ले रहा है। ताजा मामला जयनगर थाना क्षेत्र के कंझियाडीह गांव का है, जहां मंगलवार को रात में हाथियों के हमले से दो लोगों की मौत हो गई, जबकि तीन लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। मृतकों की पहचान बिहार के फतेहपुर गांव निवासी राजकुमार मांझी (32) और लवकुश (12) के रूप में हुई है। जानकारी के अनुसार, कंझियाडीह स्थित एक ईंट भट्टे पर काम कर रहे मजदूरों के बीच उस समय अफरा-तफरी मच गई जब हाथियों का झुंड अचानक वहां पहुंच गया और झोपड़ियों को तोड़ना शुरू



इसी ईंट भट्टे पर हाथियों ने किया या हमला

कर दिया। लोग जान बचाने के लिए इधर-उधर भागने लगे। इसी दौरान एक छोटा बच्चा झोपड़ी में फंस गया, जिसे बचाने की कोशिश में परिवार के लोग फिर से वहां पहुंचे। अफरा-तफरी के बीच बच्चा हाथियों के झुंड के पास

चल रहा है। वहीं दूसरी ओर सतगावां थाना क्षेत्र के मौरगंज पंचायत स्थित कानीकेंद गांव में भी हाथियों ने मिट्टी का मकान ध्वस्त कर दिया और उसमें रखे अनाज नष्ट कर दिए। गनीमत रही कि उस समय घर में कोई मौजूद नहीं था, जिससे बड़ा हादसा टल गया। क्षेत्र में हाथियों की लगातार बढ़ती घटनाओं से ग्रामीणों में दहशत का माहौल है। पिछले एक महीने में जिले में हाथियों के हमले से करीब 7 लोगों की मौत हो चुकी है। जयनगर, मरकच्यो, सतगावां समेत कई प्रखंड प्रभावित हैं। वन विभाग की निष्क्रियता को लेकर लोगों में भारी आक्रोश है और जल्द ठोस कार्रवाई की मांग उठ रही है।

शादी में बाइक से जा रहे थे युवक, सड़क पर गिरकर हो गए घायल

PALAMU : पलामू जिले के चैनपुर थाना क्षेत्र अंतर्गत लादी गांव में मंगलवार को रात में एक सड़क दुर्घटना में दो युवक गंभीर रूप से घायल हो गए। घायलों की पहचान शहर थाना क्षेत्र के छोटकी बैरिया निवासी स्वामीय बबुनी भुइयां के पुत्र पुनी भुइयां (35) एवं चैनपुर थाना क्षेत्र के अदनिया गांव निवासी सत्येंद्र भुइयां (25) के रूप में की गई है। जानकारी के अनुसार, मंगलवार की रात करीब 10 बजे दोनो युवक अदनिया गांव से बाइक से गढ़वा जिले के रमकंडा थाना क्षेत्र स्थित चपरी गांव एक शादी समारोह में शामिल होने जा रहे थे। इसी दौरान चैनपुर थाना क्षेत्र के लादी गांव के पास उनकी बाइक अनियंत्रित हो गई, जिससे दोनों सड़क पर गिरकर गंभीर रूप से घायल हो गए। घटना के बाद स्थानीय लोगों की मदद से दोनों घायलों को इलाज के लिए मेदिनीराय मेडिकल कॉलेज-अस्पताल पहुंचाया गया, जहां उनका इलाज चल रहा है। चिकित्सकों के अनुसार दोनों की हालत गंभीर बनी हुई है। घटना की सूचना मिलने पर बुधवार की सुबह परिजन अस्पताल पहुंचे।

जेवर दुकान में डकैती करने वाले गैंग के सभी सदस्यों के नाम हुए उजागर, पुलिस कर रही जांच

रामगढ़ जिले के रजरप्पा थाना क्षेत्र में मंगलवार को दिनदहाड़े हुई थी घटना, बिहार से आए थे कई अपराधी

AGENCY RAMGARH : रजरप्पा थाना क्षेत्र अंतर्गत चितरपुर बाजार में शिव शंकर ज्वेलर्स में मंगलवार को डकैती करने वाले गैंग के सभी सदस्यों को नाम उजागर हो गया है। जेवर दुकानदार विष्णु प्रसाद की सूझबूझ से पकड़े गए दोनों डकैतों ने पूरा राज उगल दिया। पूछताछ के दौरान दोनों ने गैंग के मास्टरमाइंड सहित सभी सदस्यों के बारे में बताया। पकड़े गए अपराधियों में कुजू ओपी क्षेत्र के बरकट्टी गांव निवासी सुभानी अंसारी और रांची जिले के पंडरा थाना क्षेत्र अंतर्गत रेड रोज स्कूल, देवी मंडप रोड, हेसल निवासी आनंद कुमार शामिल है। इन्होंने बताया कि घटना को अंजाम देने में बिहार



सीसीटीवी फुटेज में दिख रहे अपराधी

के नालंदा जिला अंतर्गत नूरसराय थाने के गनपुरा गांव निवासी विभाष पासवान उर्फ मृगेंद्र पासवान, रामगढ़ थाना क्षेत्र के मनुआ फुलसराय गांव निवासी शमशेर आलम और तीन अपराधी शामिल थे। सभी को विभाष पासवान लेकर आया था। लूट को अंजाम देने वाले 5 सदस्य फरार

हैं। उनके हाथ 500 ग्राम सोने और 20 किलो चांदी के जेवर लगे हैं। जिसकी कीमत एक करोड़ 05 लाख रुपये है। इसके अलावा जेवर दुकान के काउंटर में रखा गया एक लाख रुपये नगद भी अपराधियों के हाथ लगे हैं। गिरफ्तार आनंद कुमार लूट की घटना को अंजाम देने के लिए

बेहद नाटकीय ढंग से काम कर रहा था। वह एक ग्राहक की तरह व्यवहार कर रहा था। लेकिन जब उसके साथियों ने लूटपाट शुरू की तो वह भी काउंटर में रखे जेवर। और नगद बैग में समेटने लगा। जब उसके साथी भागने लगे तो उसने फिर अपने आप को ग्राहक की भूमिका में ढाल लिया। लेकिन उसका यह मुखौटा तब हटा जब उसका एक अन्य साथी सुभानी अंसारी दुकानदारों के हाथों पकड़ लिया गया। उसके हाथ से जब दुकानदारों ने पिस्तौल छीन ली तब आनंद के भी होश उड़ गए। उसने उस हथियार को दोबारा छीनने की कोशिश की, लेकिन वह सफल नहीं हो पाया। इसके बाद कई लोग दुकान में घुस गए और उनकी

धुनाई कर दी। रजरप्पा पुलिस ने अपराधियों को पकड़ने के लिए कई टीम बनाई है। बोकारो, रांची, हजारीबाग, रामगढ़ के अलावा बिहार के नवादा, नालंदा, अरवल, जहानाबाद इलाके में भी छापेमारी की जा रही है। लोगों की पिटाई से घायल हुआ डकैत आनंद और सुभानी अंसारी का इलाज रामगढ़ सदर अस्पताल में हुआ। सधे अस्पताल में आनंद ने अपना पता फर्जी लिखवा दिया। उसने अपना नाम आनंद कुमार सिंह लिखवाया। उसने खुद को बिहार राज्य के अरवल जिले के कलेर गांव का निवासी बताया। पुलिस ने जब इस पते का सत्यापन किया तो वह भी फर्जी निकला।

सड़क हादसे में आँटो व वैन चालक की मौत, चार घायल

BOKARO : बोकारो जिला में पेटरवार थाना क्षेत्र के रजरप्पा मोड़ के पास बुधवार को हुए सड़क हादसे में आँटो चालक और मालवाहक चालक की मौके पर ही मौत हो गई। हादसा उस समय हुआ जब बोकारो से रांची जा रही मालवाहक गाड़ी और रांची से बोकारो की ओर आ रहे तेल टैंकर के बीच आमने-सामने जोरदार टक्कर हो गई। टक्कर के बाद मालवाहक के पीछे चल रहा आँटो उसकी चपेट में आ गया, जिससे आँटो चालक की मौके पर ही मौत हो गई। मृतक की पहचान रामगढ़ जिले के गोलाना क्षेत्र अंतर्गत सोसो गांव निवासी रविंद्र करमाली (45) के रूप में हुई है। वहीं, मालवाहक चालक बिहार के शेखपुरा जिला अंतर्गत गोपीचक के जियन बिगहा का रहने वाला कुंदन कुमार यादव (35) शामिल था। कुंदन यादव टक्कर के बाद गाड़ी के स्टेयरिंग में बुरी तरह फंस गया था, जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई। उसे बाहर निकालने में पुलिस को करीब आधा घंटा लग गया। इस हादसे में आँटो पर सवार एक बच्चे समेत चार लोग घायल हो गए हैं। बताया जा रहा है कि सभी लोग एक शादी समारोह में शामिल होने आए थे। घायलों का इलाज जारी है। घटना की सूचना मिलते ही पेटरवार थाना पुलिस मौके पर पहुंची और राहत-बचाव कार्य चलाया।

नवंबर में जारी करें बुकलिस्ट, हर साल नहीं बढ़ाएं फीस : उपायुक्त

DHANBAD : निजी स्कूल अब फीस और पुस्तकों की खरीद में मनमानी नहीं कर सकेंगे। प्रत्येक वर्ष नवंबर में ही स्कूलों को अपनी वेबसाइट पर कक्षावार पुस्तकों की लिस्ट अपलोड करनी होगी। इसके साथ ही किस क्लास में कितनी फीस ले रहे हैं, यह भी अपलोड करना होगा। बुधवार को निजी स्कूलों में फीस, पुस्तकों की मनमानी एवं अन्य मुद्दों को लेकर उपायुक्त आदित्य रंजन की अध्यक्षता में जिलास्तरीय शुल्क समिति की बैठक में कई महत्वपूर्ण लिए गए। इसमें तय हुआ कि स्कूल अब हर वर्ष फीस भी नहीं बढ़ा सकेंगे। दो वर्ष के अंतराल पर 10 प्रतिशत से अधिक फीस नहीं बढ़ेगी। यह भी स्कूल मैनेजमेंट कमेटी और जिला फीस निर्धारण कमेटी के आपसी समन्वय के बाद ही बढ़ा सकेंगे। डीसी ने स्कूलों से पांच वर्ष की ऑडिट रिपोर्ट के साथ प्रत्येक वर्ष लिया जाने वाला एगुअल चार्ज का

स्कूलों के लिए निर्देश

- पुस्तक खरीदारी के लिए अभिभावकों पर दबाव नहीं बनाएंगे, अभिभावक कहीं से भी पुस्तक खरीद सकेंगे।
- स्कूल कम से कम पांच वर्ष इस नहीं बदलेंगे।
- एगुअल चार्ज का ब्रेकअप देंगे। स्कूलों को यह बताना होगा कि एगुअल चार्ज में किस मद में राशि ले रहे हैं।
- स्कूल बसों में सीसीटीवी अिनवॉयर्स रूप से लगाया जाए। स्कूल दैन के ड्राइवरों का पुलिस वॉरिंटिकेशन जरूरी।
- जिला प्रशासन से फॉर्मेट जारी होने के आठ दिन के अंदर स्कूल पांच वर्षों की ऑडिट रिपोर्ट सौंपेंगे।
- सीबीएसई बायलॉज के आधार पर प्रत्येक स्कूल में मैनेजिंग कमेटी का गठन किया जाए।

BRIEF NEWS

पृथ्वी के संरक्षण में आध्यात्मिक सोच की भूमिका अहम : निर्मला

RANCHI : ब्रह्माकुमारी संस्थान के स्थानीय सेवा केंद्र, चौधरी बगान (हरमू रोड) में बुधवार को विश्व पृथ्वी दिवस के अवसर पर जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में केंद्र संचालिका ब्रह्माकुमारी निर्मला बहन ने कहा कि पृथ्वी संरक्षण में आध्यात्मिक सोच की भूमिका अहम होती है। विश्व पृथ्वी दिवस का उद्देश्य केवल पर्यावरण के प्रति जागरूकता बढ़ाना नहीं, बल्कि पृथ्वी को बचाने के लिए सामूहिक संकल्प लेना भी है। वर्तमान समय में मनुष्य और प्रकृति के बीच संतुलन बिगड़ता जा रहा है, जिसे पुनः स्थापित करना अत्यंत आवश्यक है। निर्मला बहन ने कहा कि पर्यावरणीय समस्याओं को केवल भौतिक उपायों से नहीं, बल्कि आध्यात्मिक दृष्टिकोण से भी समझने की जरूरत है। मनुष्य के विचार, भावनाएं और वाइब्रेशन हवा, पानी और मिट्टी को प्रभावित करते हैं। जब मानव चेतना शुद्ध और सकारात्मक होती है, तब प्रकृति भी संतुलित रहती है, जबकि नकारात्मक सोच पर्यावरणीय असंतुलन को बढ़ावा देती है।

अनुदान के लिए 31 मई तक अपील कर सकते हैं वित्त रहित शिक्षण संस्थान

RANCHI : झारखंड के वित्त रहित माध्यमिक स्कूलों, इंटर कॉलेजों, मदरसा और संस्कृत विद्यालयों के लिए राज्य के स्कूली शिक्षा एवं साक्षरता विभाग ने वित्तीय वर्ष 2025-26 के अनुदान को लेकर अपील प्रक्रिया शुरू कर दी है। जिन संस्थानों का अनुदान लंबित है या जो अनुदान समिति के फैसले से असंतुष्ट हैं, वे अपील कर सकते हैं। विभाग के अनुसार, झारखंड राज्य वित्त रहित शैक्षणिक संस्थान (अनुदान) नियमावली के तहत आवेदन करने के बावजूद जिन संस्थानों को अनुदान नहीं मिल पाया, उन्हें ऑनलाइन अपील का अवसर दिया गया है। इसके लिए 31 मई तक की समय-सीमा निर्धारित की गई है। इसके बाद किसी भी आवेदन पर विचार नहीं किया जाएगा।

वेतन के लिए आंदोलन कर रहे कर्मियों की आजसू ने कराई कंपनी से वार्ता

RANCHI : रांची के खेलगांव स्थित ओरिएंट क्राफ्ट में कार्यरत कर्मियों के आंदोलन को आजसू पार्टी के समर्थन के बाद बुधवार को प्रबंधन के साथ वार्ता हुई। इस मौके पर आजसू जिलाध्यक्ष सह जिप सदस्य संजय महतो, चीणा महतो, बबलू महतो, रोशन मुंडा के अलावा श्रम विभाग के अधिकारी मौजूद थे। वार्ता के दौरान कंपनी प्रबंधन की ओर से आश्वासन दिया गया कि कर्मियों का बकाया वेतन एक दिन के भीतर भुगतान कर दिया जाएगा। साथ ही, सरकार की ओर से लेकर कोर्ट के माध्यम से निर्धारित न्यूनतम मजदूरी लागू करने पर भी सहमति बनी।

नीट-जेईई समेत प्रतियोगी परीक्षाओं को लेकर झारखंड पुलिस अलर्ट

PHOTON NEWS RANCHI : राज्य में होने वाली राष्ट्रीय और राज्य स्तरीय प्रतियोगी परीक्षाओं के शांतिपूर्ण और निष्पक्ष आयोजन को लेकर झारखंड पुलिस अलर्ट मोड में है। पुलिस महानिदेशक एवं पुलिस महानिरीक्षक तदशा मिश्रा ने बुधवार को पुलिस मुख्यालय सभागार में वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से उच्चस्तरीय समीक्षा बैठक की। बैठक में नीट-जेईई, सीयूईटी और झारखंड कर्मचारी चयन आयोग द्वारा आयोजित परीक्षाओं की तैयारियों की विस्तृत समीक्षा की गई। डीजीपी ने विशेष रूप से 3 मई 2026 को आयोजित होने वाली नीट (यूजी) परीक्षा को लेकर सभी जिलों को अलर्ट रहने का निर्देश दिया। उन्होंने परीक्षा प्रबंधन को मजबूत बनाने के लिए जिला स्तर पर समन्वय समिति गठित करने तथा निष्पक्ष और

- डीजीपी तदशा मिश्रा ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से की उच्चस्तरीय समीक्षा बैठक
- जिला स्तर पर समन्वय समिति गठित करने, निष्पक्ष और पारदर्शी तरीके से परीक्षा कराने का दिया निर्देश
- होटल, लॉज, धर्मशाला और हॉस्टलों की जांच, सोशल मीडिया पर निगरानी और परीक्षा केंद्रों के आसपास स्थित साइबर कैफे और सदिग्ध स्थानों पर विशेष नजर रखने की हिदायत



अधिकारियों के साथ बैठक करती डीजीपी तदशा मिश्रा

पारदर्शी तरीके से परीक्षा कराने को कहा। बैठक में सभी परीक्षा केंद्रों पर पर्याप्त पुलिस बल तैनात करने, स्ट्रॉंग रूम से प्रश्नपत्रों के सुरक्षित परिवहन, परीक्षा से पहले केंद्रों का निरीक्षण करने और प्रत्येक जिले में नोडल पदाधिकारी नियुक्त करने का निर्देश दिया गया। साथ ही होटल, लॉज, धर्मशाला और हॉस्टलों की जांच, सोशल मीडिया पर निगरानी और परीक्षा केंद्रों के आसपास स्थित साइबर

कैफे और सदिग्ध स्थानों पर विशेष नजर रखने को कहा गया। डीजीपी ने बस स्टैंड, रेलवे स्टेशन और भीड़-भाड़ वाले इलाकों में

भी सुरक्षा बढ़ाने के निर्देश दिए। परीक्षार्थियों को परीक्षा केंद्र तक पहुंचने में किसी तरह की परेशानी न हो, इसके लिए यातायात व्यवस्था सुदृढ़ करने और परीक्षा शुरू होने से पहले केंद्रों की जांच सुनिश्चित करने को कहा गया। बैठक में अपर पुलिस महानिदेशक मनोज कौशिक, पुलिस महानिरीक्षक विशेष शाखा प्रभात कुमार, पुलिस महानिरीक्षक प्रविजन पटेल मयूर कन्हैयालाल, पुलिस अधीक्षक अभियान दीपक कुमार शर्मा सहित सभी प्रक्षेत्रीय आईजी, डीआईजी, वरिय पुलिस अधीक्षक और पुलिस अधीक्षक वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से शामिल हुए।

जनगणना कार्य में धीमी प्रगति पर उपायुक्त मंजूनाथ भजंत्री ने दिखाई सख्ती

काम में शिथिलता बरतने वाले तीन बीडीओ को शो-काँज, वेतन पर रोक

PHOTON NEWS RANCHI : रांची के डीसी-सह-प्रधान जिला जनगणना पदाधिकारी मंजूनाथ भजंत्री ने मंगलवार को जिले में चल रहे जनगणना कार्यों की समीक्षा की। इस दौरान कई प्रखंडों में कार्य की धीमी प्रगति पर उन्होंने कड़ी नाराजगी जताई। डीसी ने स्पष्ट कहा कि जनगणना जैसे राष्ट्रीय महत्व के कार्य में किसी भी स्तर पर लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। कार्य में शिथिलता बरतने वाले अधिकारियों को चेतावनी देते हुए उन्होंने अनगड़ा, सोनाहातू और सिल्ली के प्रखंड विकास पदाधिकारियों के खिलाफ शो-काँज जारी करने तथा उनके वेतन पर रोक लगाने के निर्देश दिए। उन्होंने सभी बीडीओ को निर्देश दिया कि अपने-अपने क्षेत्रों में मकान सूचीकरण एवं गणना कार्य को प्राथमिकता के आधार पर निर्धारित समयसीमा में पूरा कराएं। साथ ही पोर्टल में डेटा एंट्री को नियमित और सतर्क मॉनिटरिंग सुनिश्चित करने को कहा, ताकि आंकड़े पूरी तरह सटीक रहें। डीसी ने कहा कि जनगणना न केवल प्रशासनिक कार्य है, बल्कि विकास योजनाओं की नींव भी है।

अनगड़ा, सोनाहातू और सिल्ली के बीडीओ पर कार्रवाई, समय-सीमा में काम पूरा करने का आदेश



पदाधिकारियों के साथ बैठक करते डीसी-सह-प्रधान जिला जनगणना पदाधिकारी मंजूनाथ भजंत्री

सरकारी कर्मियों के बैंक खातों का कराएं सत्यापन

RANCHI : डीसी ने जनगणना कार्य के अलावा विशेष गहन पुनरीक्षण, विभागीय कार्यों और आगामी कार्यक्रमों की तैयारियों को लेकर समाहाराण्य में बैठक की। इस दौरान उन्होंने सरकारी पदाधिकारियों एवं कर्मियों के बैंक खातों का सत्यापन सुनिश्चित करने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि गाइडलाइन के अनुरूप समयबद्ध और त्रुटिरहित तरीके से संपादित किया जाए। विशेष सूचीकरण एवं मकान गणना से संबंधित आंकड़ों की पोर्टल में शुद्ध और सही प्रविष्टि सुनिश्चित करने पर भी जोर दिया गया। बैठक में मुख्यमंत्री पंचायत प्रोत्साहन पूरकार एवं दक्षिणी प्रमंडल स्तरीय मुख्यमंत्री सम्मेलन की तैयारियों की भी समीक्षा की गई। डीसी ने टंजरी, नजारत, डीआरडीए एवं भू-अर्जन शाखा को निर्देश दिया कि सरकारी पदाधिकारियों, कर्मियों और संबंधित बैंक खातों का सत्यापन सुनिश्चित करें। साथ ही एलडीएम को विभिन्न बैंकों में हो रहे सरकारी लेन-देन की सतत मॉनिटरिंग करने और पारदर्शिता बनाए रखने का निर्देश दिया।

इसलिए सभी संबंधित अधिकारी इसे पूरी गंभीरता, जवाबदेही और समन्वय के साथ समयबद्ध तरीके से पूरा करें। बैठक में प्रभारी उपविकास आयुक्त सह पीडीआईडीए संजय भगत, सदर अनुमंडल पदाधिकारी कुमार रजत, अपर समाहर्ता रामनारायण सिंह, डीआरडीए निदेशक सुदर्शन मुर्मू, जिला सांख्यिकी पदाधिकारी शेषनाथ बैठा, जिला जनसंपर्क पदाधिकारी उर्वशी पांडेय, जिला सूचना पदाधिकारी राजीव कुमार, एडीएसएस रवि कुमार मिश्रा सहित अन्य अधिकारी उपस्थित थे।

गायब हो रही नाबालिग लड़कियां राज्यपाल ने डीजीपी को दिए त्वरित कार्रवाई के निर्देश

PHOTON NEWS RANCHI : लंबित मामलों की जिलावार समीक्षा के आदेश, समय पर कार्रवाई नहीं होने पर जताई चिंता रांची। राज्यपाल संतोष कुमार गंगवार ने राज्य में नाबालिग लड़कियों की बढ़ती गुमशुदगी की घटनाओं पर गंभीर चिंता जताई है। उनके निर्देश पर अपर मुख्य सचिव डॉ॰ नितिन कुलकर्णी ने पुलिस महानिदेशक को पत्र भेजकर ऐसे मामलों में त्वरित और प्रभावी कार्रवाई सुनिश्चित करने को कहा है। जारी पत्र में कहा गया है कि हाल के दिनों में राज्य के विभिन्न जिलों से नाबालिग लड़कियों के लापता होने के मामले लगातार सामने आ रहे हैं। कई मामलों में स्थानीय पुलिस की ओर से समय पर कार्रवाई नहीं होने के कारण गंभीर घटनाएं घटित हो रही हैं, जो बेहद चिंताजनक है। राज्यपाल ने निर्देश दिया है कि सभी जिलों में गुमशुदगी के मामलों की विशेष समीक्षा की जाए और प्राथमिकता के आधार पर जांच जल्द पूरी की जाए। साथ ही, जिलावार लंबित मामलों का अद्यतन विवरण तैयार कर लोक भवन को उपलब्ध कराने को कहा गया है। राज्यपाल ने स्पष्ट किया कि ऐसे अपराधों में शामिल लोगों में कानून का भय होना चाहिए। उन्होंने जोर देते हुए कहा कि राज्य की हर बेटी की सुरक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता है और यह सुनिश्चित किया जाए कि सभी लड़कियां सुरक्षित और निर्भय माहौल में जीवन जी सकें। बताया गया है कि राज्यपाल को इस मुद्दे पर कई ज्ञापन भी प्राप्त हुए हैं, जिसके बाद यह पहल की गई है।

राज्यपाल ने निर्देश दिया है कि सभी जिलों में गुमशुदगी के मामलों की विशेष समीक्षा की जाए और प्राथमिकता के आधार पर जांच जल्द पूरी की जाए। साथ ही, जिलावार लंबित मामलों का अद्यतन विवरण तैयार कर लोक भवन को उपलब्ध कराने को कहा गया है। राज्यपाल ने स्पष्ट किया कि ऐसे अपराधों में शामिल लोगों में कानून का भय होना चाहिए। उन्होंने जोर देते हुए कहा कि राज्य की हर बेटी की सुरक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता है और यह सुनिश्चित किया जाए कि सभी लड़कियां सुरक्षित और निर्भय माहौल में जीवन जी सकें। बताया गया है कि राज्यपाल को इस मुद्दे पर कई ज्ञापन भी प्राप्त हुए हैं, जिसके बाद यह पहल की गई है।

रक्षा राज्य मंत्री ने राज्यपाल से की मुलाकात सांसद सांस्कृतिक उत्सव के लिए किया आमंत्रित

RANCHI : झारखंड के राज्यपाल संतोष कुमार गंगवार से बुधवार को रक्षा राज्य मंत्री संजय सेठ ने लोक भवन में शिरावार भेंट की। इस मुलाकात के दौरान संजय सेठ ने राज्यपाल को आगामी 1 से 3 मई तक ऑइं हाउस, रांची में आयोजित होने वाले सांसद सांस्कृतिक महोत्सव सह स्वदेशी मेला में शामिल होने के लिए आमंत्रित किया। रक्षा राज्य मंत्री ने बताया कि इस आयोजन का मुख्य उद्देश्य स्थानीय कला, संस्कृति और स्वदेशी उत्पादों को बढ़ावा देना है। उन्होंने कहा कि ऐसे कार्यक्रमों के माध्यम से स्थानीय कलाकारों और कारीगरों को अपनी प्रतिभा प्रदर्शित करने का मौक मिलता है, जिससे उनकी पहचान बढ़ती है और उनकी आजीविका को भी मजबूती मिलती है। उन्होंने उम्मीद जताई कि इस महोत्सव के जरिए स्वदेशी उत्पादों को प्रोत्साहन मिलेगा और क्षेत्रीय सांस्कृतिक विरासत को नई पहचान मिलेगी।



राज्यपाल से की मुलाकात

बरियातू जमीन घोटाला मामले में हाईकोर्ट ने खारिज की दिलीप घोष की याचिका

PHOTON NEWS RANCHI : रांची के बरियातू स्थित सेना के कब्जे वाली 4.55 एकड़ जमीन से जुड़े चर्चित घोटाले में आरोपित दिलीप घोष को उच्च न्यायालय से राहत नहीं मिली है। झारखंड उच्च न्यायालय ने उनकी याचिका को खारिज कर दिया है। दिलीप घोष ने निचली अदालत, यानी पीएमएलए की विशेष अदालत द्वारा उनकी डिस्चार्ज याचिका खारिज किए जाने और आरोप गठित किए जाने के आदेश को चुनौती दी थी। इसके साथ ही उन्होंने अपने खिलाफ दर्ज मनी लॉन्ड्रिंग मामले को भी निरस्त

और सौरव कुमार ने पक्ष रखा। उल्लेखनीय है कि बरियातू स्थित सेना के कब्जे वाली 4.55 एकड़ जमीन की कथित अवैध खरीद-बिक्री से जुड़े इस मामले में ईडी ने कई लोगों के खिलाफ चार्जशीट दाखिल की है। इनमें दिलीप घोष के अलावा रांची के पूर्व उपायुक्त छवि रंजन, कारोबारी विष्णु अग्रवाल, राजस्व उप निरीक्षक भानु प्रताप प्रसाद, फर्जी रेयत प्रदीप बागची, जमीन कारोबारी अफसर अली, इमिन्याज खान, तल्हा खान, फैयाज खान, मोहम्मद सद्दाम और अमित अमवाल शामिल हैं।



घोटाले का मामला

बीआईटी के छात्रों ने फूड डिलीवरी केस स्टडी को किया प्रस्तुत

RANCHI : बीआईटी मेसरा के आर एंड डी भवन में आयोजित आईडीई बूटकेप के तहत विद्यार्थियों ने फूड डिलीवरी केस स्टडी और रैपिड बिजनेस मॉडल प्रस्तुत किया। कार्यक्रम का उद्देश्य छात्रों को व्यावसायिक रणनीतियों और स्टार्टअप मॉडल की व्यावहारिक समझ प्रदान करना था। आठवें सत्र में लीन कैनवास और वित्तीय योजना पर विशेष प्रशिक्षण दिया गया, जिसका समन्वय डॉ॰ कोयल मुखर्जी ने किया और विशेषज्ञ ऋषभ गिल ने सत्र का नेतृत्व किया। इस दौरान प्रतिभागियों ने प्रत्यक्ष, अप्रत्यक्ष, पूंजी और परिचालन व्यय को समझते हुए वित्तीय अनुमान तैयार करने का अभ्यास किया।

जेएसएलपीएस व इंडियन बैंक के बीच एमओयू, लेन-देन में होगी पारदर्शिता

PHOTON NEWS RANCHI : मंगलवार को झारखंड स्टेट लाइवलीहुड प्रमोशन सोसाइटी (जेएसएलपीएस) और इंडियन बैंक के बीच क्लस्टर स्तर महासंध (सीएलएफ) के लिए अत्याधुनिक डिजिटल भुगतान प्रणाली के विकास हेतु एक गैर-वित्तीय समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए गए। यह पहल ग्रामीण वित्तीय प्रबंधन व्यवस्था को डिजिटल, सुरक्षित और अधिक जवाबदेह बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। यह पहल देश में अपनी तरह की पहली है। झारखंड राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन पूरे देश में सीएलएफ स्तर पर इस प्रकार की भुगतान प्रणाली लागू

करने वाला पहला राज्य बन गया है। समझौते पर जेएसएलपीएस के मुख्य परिचालन पदाधिकारी विष्णु चरण परिदा तथा इंडियन बैंक के क्षेत्रीय महाप्रबंधक महेंद्र बाजपेयी ने हस्ताक्षर किए। इस व्यवस्था के तहत इंडियन बैंक द्वारा विकसित प्रणाली के माध्यम से सीएलएफ, ग्राम संगठन (वीओ), स्वयं सहायता समूह (एसएचजी), विक्रेताओं और कैडरों के बीच सुरक्षित और त्वरित डिजिटल लेन-देन सुनिश्चित किया जाएगा।

ट्रेड लाइसेंस कैंप में मिले 15 नए आवेदन

RANCHI : फेडरेशन ऑफ झारखंड चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्रीज और रांची नगर निगम के सहयोग से बुधवार को ब्रह्मानन्द रोड, अपर बाजार स्थित श्रीराम मेडिकल एजेंसी में ट्रेड लाइसेंस कैंप का आयोजन किया गया। कैंप में व्यापारियों के लिए नया ट्रेड लाइसेंस बनाने के साथ-साथ पुराने लाइसेंस के नवीनीकरण की सुविधा उपलब्ध कराई गई। इसके अतिरिक्त होलिंग टैक्स जमा करने की भी व्यवस्था की गई, जिसका लोगों ने लाभ उठाया। कैंप के दौरान कुल 15 नए ट्रेड लाइसेंस के आवेदन प्राप्त हुए, 12 लाइसेंस का नवीनीकरण किया गया और 09 होलिंग टैक्स जमा किए गए।

सुविधा

झारखंड स्टेट आरोग्य सोसाइटी व चयनित कंपनी के बीच आज होगा एमओयू

नए प्रावधानों के साथ लागू होगी राज्यकर्मी स्वास्थ्य बीमा योजना

PHOTON NEWS RANCHI : झारखंड के सरकारी कर्मियों को बेहतर स्वास्थ्य सुरक्षा देने के लिए राज्यकर्मी स्वास्थ्य बीमा योजना को नए प्रावधानों के साथ लागू करने की प्रक्रिया तेजी से आगे बढ़ रही है। इसके तहत 23 अप्रैल को झारखंड स्टेट आरोग्य सोसाइटी और चयनित बीमा कंपनी के बीच समझौता पत्र (एमओयू) पर हस्ताक्षर होंगे। कार्यक्रम पूर्वाह्न 11 बजे नामकुम स्थित आरसीएच परिसर के लोक स्वास्थ्य संस्थान सभागार में होगा, जिसमें स्वास्थ्य मंत्री डॉ. इरफान नईरानी मौजूद रहेंगे। नई व्यवस्था के तहत इलाज पूरी तरह कैशलेस होगा। अस्पतालों को भुगतान केंद्र सरकार की

- सामान्य और गंभीर बीमारियों के लिए क्रमशः 5 व 10 लाख रुपये का मिलेगा बीमा कवर
- आवश्यकता पड़ने पर कॉरपस फंड से वहन किया जाएगा अतिरिक्त खर्च
- नई व्यवस्था में अस्पतालों का चयन अब बीमा कंपनी के बजाय खुद करेगी सरकार



प्रतिकालक तस्वीर

500 रुपये का मासिक प्रीमियम

योजना का लाभ राज्य के नियमित एवं सेवानिवृत्त कर्मियों, उनके आश्रितों तथा बोर्ड-निगमों के कर्मचारियों को मिलेगा। पूर्व की तरह प्रति माह 500 रुपये प्रीमियम लिया जाएगा। नई व्यवस्था में अस्पतालों का चयन अब बीमा कंपनी के बजाय सरकार स्वयं करेगी, जिससे बेहतर स्थानों तक पहुंच आसान होगी। साथ ही शिकारत निवारण प्रणाली को मजबूत और रिस्कमैनेजमेंट प्रक्रिया को सरल बनाया गया है। योजना को आयुष्मान भारत एवं मुख्यमंत्री गंभीर बीमारी योजना से भी जोड़ा गया है, जिससे कर्मियों को देशभर में बेहतर और सुलभ इलाज मिल सकेगा।

सवालियों के घेरे में सत्ता शीर्ष पर बैठे लोगों की कार्य संस्कृति पर्यावरण के प्रति नौकरशाहों व मेधावी मस्तिष्कों को जागरूक होना जरूरी : सरयू

PHOTON NEWS RANCHI : जमशेदपुर पश्चिम के विधायक सरयू राय ने कहा है कि सत्ता के शीर्ष पर बैठे लोगों की कार्य संस्कृति आज सवालियों के घेरे में है। धरती और पर्यावरण संरक्षण के बारे में आज आम आदमी से ज्यादा सत्ता के शीर्ष पर बैठे लोगों, मेधावी मस्तिष्क के स्वामियों और नौकरशाहों को जागरूक करने की आवश्यकता है। आम आदमी तो स्वयं भुक्तभोगी है। पुरानी विधानसभा के सभागृह में युगांतर भारती और नेचर फाउंडेशन के संयुक्त तत्वावधान में पृथ्वी दिवस पर आयोजित समारोह में सरयू राय ने कहा कि आज अस्पष्ट डेवलपमेंट के स्थान पर



समारोह में उपस्थित सरयू राय व अन्य

शाश्वत डेवलपमेंट को अपनाने की जरूरत है। देश के विद्वान मान रहे हैं कि हम लोग औद्योगिक क्रांति के चौथे चरण में हैं जो आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस का युग है। इसके तहत हमने जो विकास की दिशा तय की है, उससे विनाश होना प्रायः तय है। सरयू राय ने कहा कि पृथ्वी के पास इतने संसाधन हैं कि वह अपनी जरूरतों को पूरा कर सकती है। हमें टेक्नोलॉजी को उतना ही साधना है, जितना की जरूरत है। टेक्नोलॉजी एक अच्छा सेवक किंतु खराब मालिक है। इस बात को हमें हमेशा ध्यान में रखकर ही आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस का उपयोग करना चाहिए। हम पृथ्वी के कई सौ मीटर अंदर जाकर कॉरेट प्रवाहित कर विभिन्न तरह की परीक्षण कर रहे हैं।

समाचार सार

पृथ्वी दिवस पर हुआ ऑनलाइन विजय



JAMSHEDPUR : विश्व पृथ्वी दिवस पर बुधवार को जमशेदपुर वर्कर्स कॉलेज तथा एलबीएसएम कॉलेज के भूगोल विभाग ने संयुक्त रूप से ऑनलाइन विजय का आयोजन किया। दोपहर 11.45 बजे से 12.45 बजे तक चले विजय में 105 विद्यार्थियों ने भाग लिया। विजय के माध्यम से विद्यार्थियों को पर्यावरण संबंधी ज्ञान के साथ वर्तमान वैश्विक पर्यावरणीय चुनौतियों के प्रति जागरूक किया गया।

पृथ्वी दिवस पर कॉलेज की छात्राओं ने किया वाद-विवाद



JAMSHEDPUR : पृथ्वी दिवस के मौके पर कदमा स्थित डीबीएमएस कॉलेज ऑफ एजुकेशन के ईको क्लब ने बुधवार को विभिन्न कार्यक्रम किए। इसमें शहर के 7 कॉलेजों की छात्राएं शामिल हुईं। कार्यक्रम का मुख्य आकर्षण नाटक एवं वाद-विवाद प्रतियोगिता था। निर्णायक की भूमिका में अन्नी अमृता व पूनम महानंद थीं। नाटक में अंजलि कुमारी व वाद-विवाद में निन्था झा प्रथम रहीं। इस मौके पर कॉलेज की प्राचार्या डॉ. जूही समर्पिता, उप-प्राचार्या डॉ. मोनिका उप्पल, सचिव श्रीप्रिया धर्मराज व सह-सचिव सुधा दिलीप भी उपस्थित थीं।

भारतीय संस्कृति ज्ञान परीक्षा के सफल विद्यार्थी पुरस्कृत



JAMSHEDPUR : जमशेदपुर महिला विश्वविद्यालय में बुधवार को भारतीय संस्कृति ज्ञान परीक्षा का पुरस्कार वितरण समारोह हुआ। इसमें 12वीं की छात्राओं को पुरस्कृत किया गया। इस परीक्षा में प्रिया कुमारी ने पूरे राज्य में प्रथम स्थान प्राप्त किया है, वहीं जिला स्तर पर मरजीना परवीन प्रथम हुईं। इसके अलावा उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वालों में प्रियंका यादव, स्मृति कुमारी, कनक महतो, अनुप्रिया सोरेन और संजना वर्मा को भी मेडल व सर्टिफिकेट दिए गए। सभी प्रतिभागियों को सर्टिफिकेट दिए गए। समारोह में डॉ. किश्वर आरा, डॉ. सुधीर कुमार साहू, डॉ. दीपा शरण, डॉ. मनीषा टाईटस, डॉ. पुष्पा कुमारी, डॉ. नुपुर अन्विता मिंज, डॉ. अमृता कुमारी, डॉ. सोनाली, डॉ. माधुरी प्रियदर्शिनी, डॉ. कामिनी कुमारी व डॉ. रिजवाना परवीन ने भी बच्चों को पुरस्कृत किया। कार्यक्रम का मंच संचालन रवि शंकर नेवार व धन्यवाद ज्ञापन शाश्वती मैती ने किया।

जमशेदपुर वीमेंस यूनिवर्सिटी में मनी अंबेडकर जयंती



JAMSHEDPUR : जमशेदपुर वीमेंस यूनिवर्सिटी में बुधवार को डॉ. भीमराव अंबेडकर जयंती मनाई गई। हिंदी व अंग्रेजी विभाग के संयुक्त तत्वावधान में स्वरचित कविता प्रतियोगिता हुई, जिसमें डॉ. रिजवाना परवीन तथा डॉ. पुष्पा कुमारी ने निर्णायक की भूमिका निभाई। इसी क्रम में राजनीति विज्ञान व अर्थशास्त्र विभाग के सहयोग से विजय भी हुआ। इसके निर्णायक मंडल में रवि नेवार (योगा) व आदिति श्रेया शामिल थे, जबकि शिक्षिकाओं में डॉ. सोनाली सिंह, डॉ. माधुरी प्रियदर्शिनी, डॉ. मनीषा टाईटस, डॉ. नुपुर अन्विता मिंज व डॉ. अमृता कुमारी भी उपस्थित थीं। कार्यक्रम का संचालन कुमारी निशा व आस्था जादोन ने किया।

पूर्व सैनिकों ने मनाई पहलगाम हमले की बरसी

JAMSHEDPUR : जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकी हमले की पहली बरसी पर अखिल भारतीय पूर्व सैनिक सेवा परिषद, जमशेदपुर ने शहीदों को भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की। गोलमुरी स्थित शहीद स्मारक पर बुधवार को संध्या 5.30 बजे आयोजित कार्यक्रम में बड़ी संख्या में पूर्व सैनिक, सामाजिक कार्यकर्ता व स्थानीय नागरिक शामिल हुए। दीप प्रज्वलन व पुष्पांजलि के बाद सभी लोगों ने दो मिनट का मौन रखकर दिवंगत आत्माओं की शांति के लिए प्रार्थना की। इस अवसर पर वक्ताओं ने कहा कि पहलगाम में हुआ हमला न केवल निर्दोष नागरिकों पर, बल्कि मानवता, शांति और सामाजिक सौहार्द पर सीधा प्रहार था। आतंकवादियों ने पर्यटकों सहित 26 लोगों को गोली मार दी थी। इस मौके पर वरुण कुमार व विनय कुमार यादव समेत कई पूर्व सैनिकों ने श्रद्धांजलि अर्पित की।

पर सीधा प्रहार था। आतंकवादियों ने पर्यटकों सहित 26 लोगों को गोली मार दी थी। इस मौके पर वरुण कुमार व विनय कुमार यादव समेत कई पूर्व सैनिकों ने श्रद्धांजलि अर्पित की।

खेलकूद

अंतरजिला महिला अंडर-19 क्रिकेट प्रतियोगिता में गुमला व सिमडेगा को मिली हार

सेमीफाइनल में पहुंच गई जमशेदपुर व देवघर की टीमों

PHOTON NEWS CHAIBASA :

झारखंड राज्य क्रिकेट संघ के तत्वावधान में पश्चिमी सिंहभूम जिला क्रिकेट संघ द्वारा आयोजित अंतर जिला महिला अंडर-19 क्रिकेट प्रतियोगिता के अंतर्गत बुधवार को चाईबासा के बिरसा मुंडा क्रिकेट स्टेडियम में दो क्वार्टर फाइनल मैच खेले गए। पूर्वाह्न 9:00 बजे से खेले गए पहले क्वार्टर फाइनल मैच में जमशेदपुर ने गुमला को एकतरफा मुकाबले में 87 रनों से पराजित कर सेमीफाइनल में अपना स्थान पक्का कर लिया। टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए जमशेदपुर की टीम ने निर्धारित 20 ओवर में 5 विकेट के नुकसान पर 139 रनों का स्कोर खड़ा किया। जमशेदपुर की ओर से पारी की शुरुआत करने आई नादिया अली ने शानदार



जमशेदपुर की टीम

बल्लेबाजी करते हुए 10 चौके एवं 1 छक्के की मदद से नाबाद 79 रनों की पारी खेली। अनन्या वर्मा ने 2 चौके की सहायता से 19 तथा सुरभी कुमारी ने 2 चौके की मदद से 13 रन बनाए। गुमला की ओर से गेंदबाजी करते हुए मेघा तिकी ने 28 रन देकर 2 विकेट हासिल किए। श्वेता कुमारी, सुप्रिया रानी एवं बिदेश्वरी कुमारी को 1-1 सफलता हाथ लगी।

बल्लेबाजी करते हुए 10 चौके एवं 1 छक्के की मदद से नाबाद 79 रनों की पारी खेली। अनन्या वर्मा ने 2 चौके की सहायता से 19 तथा सुरभी कुमारी ने 2 चौके की मदद से 13 रन बनाए। गुमला की ओर से गेंदबाजी करते हुए मेघा तिकी ने 28 रन देकर 2 विकेट हासिल किए। श्वेता कुमारी, सुप्रिया रानी एवं बिदेश्वरी कुमारी को 1-1 सफलता हाथ लगी।

52 रन पर ऑलआउट हो गई गुमला की टीम : जीत के लिए निर्धारित लक्ष्य का पीछा करने उतरी गुमला की पूरी टीम 14.1 ओवर में मात्र 52 रन बनाकर ऑलआउट हो गई। गुमला की ओर से पारी की शुरुआत करने आई मेघा तिकी ने 1 चौके की सहायता से सर्वाधिक 18 रन बनाए। अन्य कोई भी बल्लेबाज दहाई अंक तक नहीं पहुंच पाया।

जमशेदपुर की ओर से इशिका दीपक ने घातक गेंदबाजी करते हुए मात्र 4 रन देकर 5 बल्लेबाजों को पैविलियन की राह दिखाई। प्राची प्रधान ने 7 रन देकर दो तथा रायनीता हप्तगड़ा ने 15 रन देकर 2 विकेट हासिल किए। मैच समाप्ति के बाद आयोजित पुरस्कार वितरण समारोह में जमशेदपुर की इशिका दीपक को उसकी शानदार गेंदबाजी के लिए

प्लेयर ऑफ द मैच के पुरस्कार से नवाजा गया। पुरस्कार स्वरूप उसे 5 हजार रुपये का नकद पुरस्कार मैच पर्यवेक्षक कविता रॉय ने प्रदान किया। इसके बाद दोपहर 1 बजे से खेले गए दूसरे क्वार्टर फाइनल मैच में देवघर की टीम ने सिमडेगा को 46 रनों से पराजित कर सेमीफाइनल में प्रवेश किया। देवघर की टीम ने टॉस जीत कर

प्लेयर ऑफ द मैच के पुरस्कार से नवाजा गया। पुरस्कार स्वरूप उसे 5 हजार रुपये का नकद पुरस्कार मैच पर्यवेक्षक कविता रॉय ने प्रदान किया। इसके बाद दोपहर 1 बजे से खेले गए दूसरे क्वार्टर फाइनल मैच में देवघर की टीम ने सिमडेगा को 46 रनों से पराजित कर सेमीफाइनल में प्रवेश किया। देवघर की टीम ने टॉस जीत कर

प्लेयर ऑफ द मैच के पुरस्कार से नवाजा गया। पुरस्कार स्वरूप उसे 5 हजार रुपये का नकद पुरस्कार मैच पर्यवेक्षक कविता रॉय ने प्रदान किया। इसके बाद दोपहर 1 बजे से खेले गए दूसरे क्वार्टर फाइनल मैच में देवघर की टीम ने सिमडेगा को 46 रनों से पराजित कर सेमीफाइनल में प्रवेश किया। देवघर की टीम ने टॉस जीत कर

प्लेयर ऑफ द मैच के पुरस्कार से नवाजा गया। पुरस्कार स्वरूप उसे 5 हजार रुपये का नकद पुरस्कार मैच पर्यवेक्षक कविता रॉय ने प्रदान किया। इसके बाद दोपहर 1 बजे से खेले गए दूसरे क्वार्टर फाइनल मैच में देवघर की टीम ने सिमडेगा को 46 रनों से पराजित कर सेमीफाइनल में प्रवेश किया। देवघर की टीम ने टॉस जीत कर

प्लेयर ऑफ द मैच के पुरस्कार से नवाजा गया। पुरस्कार स्वरूप उसे 5 हजार रुपये का नकद पुरस्कार मैच पर्यवेक्षक कविता रॉय ने प्रदान किया। इसके बाद दोपहर 1 बजे से खेले गए दूसरे क्वार्टर फाइनल मैच में देवघर की टीम ने सिमडेगा को 46 रनों से पराजित कर सेमीफाइनल में प्रवेश किया। देवघर की टीम ने टॉस जीत कर

तेज धमाके के साथ फटा द्वितीय विश्व युद्ध का विशालकाय अमेरिकी बम

बहरागोड़ा में सेना ने नियंत्रित धमाके से कर दिया 227 किलोग्राम के विस्फोटक को डिस्ट्रॉय

PHOTON NEWS JSR :

पूर्वी सिंहभूम जिले के बहरागोड़ा प्रखंड अंतर्गत पानीपड़ा गांव में द्वितीय विश्व युद्ध का लगभग 227 किलोग्राम वजन का बम सेना ने बुधवार को डिस्ट्रॉय कर दिया। इस बम को नियंत्रित विस्फोट के जरिए नष्ट किया गया है। इसके लिए सेना ने पहले से तैयारी कर ली थी। नदी किनारे एक मैदान में गड्ढा खोदकर उसमें बम रखा गया था और ऊपर चारों तरफ बालू से भरी हुई बोरियां रखी गई थीं।

बुधवार को दोपहर में सेना के विशेषज्ञों ने एक विशेष रणनीति के तहत इस बम को डिस्ट्रॉय किया। सेना के अधिकारियों ने बताया कि यह बम यूएसए एएनएम 64 बम है। इसे अमेरिका में तैयार किया गया था। आमतौर से इसे अमेरिकी नौसेना प्रयोग करती है। अधिकारियों का कहना है कि नियंत्रित विस्फोट



नदी के किनारे धमाके के दौरान उठा युवा

● फोटोन न्यूज

इस तरह से किया गया कि कोई जान-माल का नुकसान ना हो और विस्फोट का असर सीमित रहे। इस पूरे मिशन का नेतृत्व कैप्टन आयुष कुमार सिंह ने किया। इसके

अलावा, मौके पर लेफ्टिनेंट कर्नल धर्मेद सिंह भी मौजूद रहे। नियंत्रित विस्फोट के पहले सेना के जवानों ने बंगाल के कलाईकुंडा एयरबेस से भी तालमेल बनाया।

सरयू समर्थकों ने गोपाल यादव के विरुद्ध साइबर थाना में दर्ज कराई शिकायत

PHOTON NEWS JSR :

जनता दल (यूनाइटेड) के युवा मोर्चा के प्रदेश महासचिव पप्पू सिंह और जनता दल (यूनाइटेड) के युवा मोर्चा के पूर्वी सिंहभूम जिलाध्यक्ष नीरज सिंह ने बुधवार को बिष्टुपुर स्थित साइबर थाना में सहारा सिटी, मानगो निवासी गोपाल यादव के विरुद्ध शिकायत दर्ज कराई। इसमें कहा गया है कि गोपाल यादव ने फेसबुक लाइव टैटो, माध्यम से विधायक सरयू राय की छवि को धूमिल करने, झूठे भ्रष्टाचार के झूठे एवं मनगढ़ंत आरोप लगाने तथा अनर्गल बयानबाजी कर जमशेदपुर का माहौल खराब करने का काम किया है। शिकायत में लिखा गया है कि 21 अप्रैल को गोपाल यादव ने



साइबर थाना के बाहर खड़े विधायक सरयू राय के समर्थक

● फोटोन न्यूज

अपने फेसबुक अकाउंट के माध्यम से लाइव आकर जमशेदपुर पश्चिमी के विधायक सरयू राय के विरुद्ध भ्रष्टाचार में संलिप्त होने तथा जानबूझकर विकास कार्यों में भ्रष्टाचार करने के निराधार, असत्य एवं मनगढ़ंत आरोप लगाए। लगाए गए आरोप पूर्णतः झूठे, आधारहीन एवं

दुर्भावनापूर्ण हैं, जिनका मुख्य उद्देश्य स्पष्ट रूप से विधायक की सामाजिक एवं राजनीतिक छवि को धूमिल करना, उनकी प्रतिष्ठा को नुकसान पहुंचाना तथा आम जनता के बीच उनके प्रति अविश्वास उत्पन्न करने के साथ-साथ भ्रम पैदा कर क्षेत्र का माहौल खराब करना है।

शक में पति ने ले ली थी पत्नी की जान, दोस्त भी गिरफ्तार

CHAIBASA :

पश्चिमी सिंहभूम जिले के टोकलो थाना क्षेत्र स्थित चिचपील में 16 अप्रैल को सीमा महतो नामक महिला की हत्या कर दी गई थी। इस मामले में पुलिस ने पति और उसके दोस्त को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार आरोपियों में खूंटी जिला के अड़की थाना अंतर्गत गीतिलबेड़ा स्थित कडरुडीहा टोला के निवासी रतन मुंडा (20) और मधुसूदन मुंडा (19) शामिल हैं। रतन मुंडा सीमा महतो का पति है। टोकलो के थाना प्रभारी अंकित कुमार ने बताया कि पूछताछ में रतन मुंडा ने कबूल किया कि उसे शक था कि उसकी पत्नी सीमा किसी और से प्रेम करती है। इसी शक के चलते उसने अपने दोस्त मधुसूदन मुंडा के साथ मिलकर हत्या की साजिश रची। इसके बाद सीमा महतो पिछले 16 अप्रैल को दोपहर अपने मायके से



पुलिस गिरफ्तार में आरोपी

यह कहकर निकली थी कि वह झरझरा हाट जा रही है। देर शाम तक घर नहीं लौटने पर परिजनों ने तलाश शुरू की। 17 अप्रैल को दोपहर में उसका शव ग्रामीणों ने रायको नदी के पास देखा। शव पर धारदार हथियार के निशान थे। पुलिस ने बताया कि हत्या के पीछे अन्य कारणों और कांड में शामिल अन्य लोगों की भूमिका की जांच की जा रही है। साक्ष्य मिलने पर आगे कार्रवाई होगी। फिलहाल दोनों आरोपियों को न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया गया है।

टाटानगर स्टेशन के पास अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई टली, रेलवे ने दी 15 दिनों की मोहलत

PHOTON NEWS JSR :

टाटानगर रेलवे के इंजीनियरिंग विभाग द्वारा चलाए जा रहे अतिक्रमण हटाओ अभियान के तहत बुधवार को गुदड़ी बाजार में प्रस्तावित कार्रवाई टाल दी गई। प्रशासनिक टीम और सुरक्षा बल मौके पर मौजूद रहे, लेकिन दुकानदार द्वारा अदालत में याचिका दायर करने की बात कहे जाने के बाद तत्काल तोड़फोड़ नहीं की गई। गौरतलब है कि रेलवे के इंजीनियरिंग विभाग की टीम जिला प्रशासन द्वारा नियुक्त मजिस्ट्रेट सुदीप राज के नेतृत्व में पुलिस बल के साथ गुदड़ी बाजार स्थित मुरारिलाल अग्रवाल की दुकान पर पहुंची थी। विभाग के पास अदालत का आदेश भी मौजूद था और पूर्व में दुकानदार को नोटिस जारी कर दिया गया था। तय कार्यक्रम के अनुसार



दुकान में पहुंचे मजिस्ट्रेट व अन्य

● फोटोन न्यूज

दुखेद प्रशासन ने आगे की कार्रवाई का खाका भी तैयार कर लिया है। जानकारी के अनुसार, 28 अप्रैल को बर्मागाईस क्षेत्र में अतिक्रमण हटाने का अभियान चलाया जाएगा, जिसके लिए संबंधित लोगों को पहले ही नोटिस जारी किया जा चुका है। कुल मिलाकर, गुदड़ी बाजार में कार्रवाई भले ही फिलहाल टल गई हो, लेकिन प्रशासन और रेलवे ने स्पष्ट संकेत दे दिए हैं कि अतिक्रमण के खिलाफ अभियान लगातार जारी रहेगा।

बुधवार को अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई शुरू होनी थी। इसी दौरान दुकानदार मुरारी सेट ने अधिकारियों को बताया कि उन्होंने झारखंड हाई कोर्ट में मामले को लेकर अर्जी



दुखेद प्रशासन ने आगे की कार्रवाई का खाका भी तैयार कर लिया है। जानकारी के अनुसार, 28 अप्रैल को बर्मागाईस क्षेत्र में अतिक्रमण हटाने का अभियान चलाया जाएगा, जिसके लिए संबंधित लोगों को पहले ही नोटिस जारी किया जा चुका है। कुल मिलाकर, गुदड़ी बाजार में कार्रवाई भले ही फिलहाल टल गई हो, लेकिन प्रशासन और रेलवे ने स्पष्ट संकेत दे दिए हैं कि अतिक्रमण के खिलाफ अभियान लगातार जारी रहेगा।

दखिल की है और अपनी बात रखने के लिए समय की मांग की है। उन्होंने प्रशासन से दुकान खाली करने के लिए 15 दिनों की मोहलत देने का अनुरोध किया। स्थिति को

गोविंदपुर व बारीगोड़ा में 193 करोड़ की लागत से बनेगा ओवरब्रिज

JAMSHEDPUR :

जमशेदपुर शहर के लाखों लोगों के लिए बड़ी राहत की खबर है। लंबे समय से जाम की समस्या से जूझ रहे गोविंदपुर और बारीगोड़ा रेलवे फाटक अब इतिहास बनने की ओर है। दक्षिण पूर्व रेलवे के चक्रधरपुर मंडल ने टाटानगर और आसनबनी स्टेशन के बीच तीन प्रमुख स्थानों पर रोड ओवरब्रिज (आरओबी) निर्माण के लिए लगभग 193.38 करोड़ रुपये का टेंडर जारी कर दिया है। इस परियोजना के तहत गोविंदपुर (एलसी-137) और बारीगोड़ा (एलसी-138) में ओवरब्रिज का निर्माण किया जाएगा, जिससे रोजाना लगने वाले कई किलोमीटर लंबे जाम से लोगों को बड़ी राहत मिलेगी। साथ ही हावड़ा-मुंबई मुख्य रेल मार्ग पर ट्रेनों की आवाजाही भी तेज हो सकेगी। रेलवे द्वारा जारी निविदा के

अनुसार, इच्छुक टेकेदार 12 मई तक आवेदन कर सकते हैं। करीब 193.38 करोड़ रुपये की इस परियोजना के लिए लगभग 3.86 करोड़ रुपये की सुरक्षा राशि तय की गई है। खास बात यह है कि इस पूरे प्रोजेक्ट का खर्च अब रेलवे खुद वहन करेगा, जिससे वर्षों से अटक यह काम तेजी से आगे बढ़ेगा। गोविंदपुर में बनने वाला ओवरब्रिज तकनीकी रूप से खास होगा। पहले के डिजाइन में बड़ी संख्या में घर और दुकानें प्रभावित हो रही थीं, लेकिन अब इसे हट्टीह आकार में डिजाइन किया गया है। इस बदलाव के बाद जहां पहले करीब 93 घरों को हटाने की योजना थी, अब यह संख्या घटकर लगभग 30 रह गई है। यह पुल अन्ना चौक से लुआबासा और टेलको की सीधे जोड़ेगा, जिससे यातायात काफी सुगम हो जाएगा।

BRIEF NEWS

बंगाल चुनाव को लेकर सीमावर्ती क्षेत्रों में अलर्ट 49 चेक पोस्ट पर जांच

KISHANGANJ : सीमा से सटे पश्चिम बंगाल में गुरुवार को होने वाले विधानसभा चुनाव को लेकर सीमावर्ती इलाकों में सुरक्षा व्यवस्था कड़ी कर दी गई है। निष्पक्ष एवं शांतिपूर्ण मतदान सुनिश्चित करने के उद्देश्य से बंगाल पुलिस के साथ किशनगंज पुलिस एवं प्रशासन भी पूरी तरह सक्रिय है। भारतीय निर्वाचन आयोग के निर्देश पर सीमावर्ती थाना क्षेत्रों में विशेष चौकसी बरती जा रही है। जानकारी के अनुसार पश्चिम बंगाल के पांच विधानसभा क्षेत्र किशनगंज जिले की सीमा से सटे हुए हैं। इनमें किशनगंज, पोंडिया, पहाड़कट्टा और ठाकुरगंज थाना क्षेत्र सीधे तौर पर प्रभावित माने जा रहे हैं।

ऐसे में इन इलाकों में विशेष निगरानी बढ़ा दी गई है। सीमावर्ती क्षेत्रों में कुल 49 चेक पोस्ट बनाए गए हैं, जबकि 10 मिरर चेक पोस्ट भी स्थापित किए गए हैं। ये मिरर चेक पोस्ट पश्चिम बंगाल की ओर बनाए गए चेक पोस्ट के समानांतर संचालित किए जा रहे हैं।

हत्याकांड का खुलासा रुपये के लेनदेन में रिश्तेदार ने दिया अंजाम

ARARIA : जोकीहाट के कानन टोल प्लाजा समीप मंगलवार को राजमिस्त्री सबुल की गला रेतकर हत्या मामले का पुलिस ने खुलासा कर लिया है। उद्घेदन करने के साथ ही हत्यारोपित को साक्ष्य के साथ गिरफ्तार किया है। एसपी जितेंद्र कुमार के निर्देश पर सदर एसडीपीओ सुशील कुमार ने पत्रकार वार्ता आयोजित कर जानकारी दी। सदर एसडीपीओ सुशील कुमार ने बताया कि यह हत्या महज चंद रुपये के लेन-देन का मामला है। इसमें हत्यारोपित जोकीहाट थाना क्षेत्र के बेरिया निवासी मो एकराम पिता अकबाल ने अपने रिश्तेदार सिकटिया वाटा 04 निवासी मो सबुल पिता जमाल को दो लाख रुपये दिये थे, उसी रुपये की लेन-देन में आरोपित ने मृतक सबुल से राशि की मांग की और अथवा दो डिस्मिल जमीन रखवारी को कहा।

ट्रेक्टर ने साइकिल सवार दो बच्चों को रौंदा, एक की मौके पर हुई मौत

ARARIA : जिले के पलासी के बिहारी गांव के बांस झाड़ी मोड़ पर बुधवार को एक तेज रफ्तार मिट्टी लदे ट्रेक्टर ने साइकिल सवार दो बच्चों को कुचल दिया जिसमें एक बालक की घटनास्थल पर ही मौत हो गई, जबकि दूसरा गंभीर रूप से घायल हो गया। मृतक बालक की पहचान नरगा गांव के वार्ड संख्या 12 निवासी बबलू पासवान के इकलौते पुत्र 12 वर्षीय शिवम कुमार के रूप में हुई है। वहीं, घायल बालक नरगा गांव के राजू कुमार का पुत्र 13 वर्षीय अनंत कुमार है, जिसकी हालत नाजुक बताई जा रही है। दोनों बालक अपने घर से साइकिल पर सवार होकर स्कूल जा रहे थे। जानकारी के अनुसार, दोनों बालक नरगा गांव से बिहारी स्थित विद्यालय जा रहे थे। विद्यालय से महज पांच सौ मीटर दूर बांस झाड़ी मोड़ के पास किसान चौक की ओर से आ रहे मिट्टी लदे ट्रेक्टर ने पीछे से जोरदार टक्कर मार दी। जिसमें शिवम कुमार की मौके पर ही मृत्यु हो गई।

उपलब्धि**राज्य के विभिन्न जिलों से प्राप्त आंकड़ों के अनुसार 39 हजार टन हुआ निर्यात****राष्ट्रीय-अंतरराष्ट्रीय बाजार में बढ़ी मछलियों की डिमांड**

AGENCY PATNA : बिहार मछली उत्पादन में न सिर्फ आत्मनिर्भर हुआ है, बल्कि निर्यात की दिशा में भी तेजी से आगे बढ़ रहा है। राज्य के विभिन्न जिलों से प्राप्त आंकड़ों के अनुसार, राज्य से 39.07 हजार टन मछलियां बाहर भेजी गई हैं, जिसमें नेपाल, सिलीगुड़ी, लुधियाना, अमृतसर, बनारस, गोरखपुर, देवरिया, कप्तानगंज, रांची तथा गोड्डा आदि प्रमुख शहर शामिल हैं।

बिहार में उत्पादित मछलियों की मांग राज्य के बाहर लगातार बढ़ रही है। ऐसे में माना जा रहा है कि आने वाले दिनों में बिहार से होने वाला मछलियों का निर्यात और बढ़ेगा। बिहार सरकार का डेयरी, मत्स्य एवं पशु संसाधन विभाग

मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने दो-दो लाख रुपये अनुग्रह अनुदान देने का दिया निर्देश भागलपुर में सेप्टिक टैंक के अंदर दम घुटने से तीन मजदूरों की मौत

AGENCY BHAGALPUR :

पुलिस जिला नवगछिया के खेरपुर कदवा गांव में बुधवार को सेप्टिक टैंक में दम घुटने से तीन मजदूरों की मौत हो गई। मृतकों में बमबम मंडल, जय नंदन मंडल और श्रीलाल मंडल शामिल हैं। बताया जा रहा है कि श्रीलाल मंडल सबसे पहले सेप्टिक टैंक के अंदर काम करने उतरे थे। इसी दौरान जहरीली गैस या ऑक्सीजन की कमी के कारण उनकी हालत बिगड़ गई। उन्हें बचाने के लिए जय नंदन मंडल टैंक में उतरे, लेकिन वे भी बेहोश हो गए। इसके बाद बमबम मंडल तीसरे व्यक्ति के रूप में नीचे गए, लेकिन वह भी बाहर नहीं लौट सके। स्थिति की गंभीरता को देखते हुए चौथे व्यक्ति को रस्सी बांधकर नीचे उतारने की तैयारी की गई, लेकिन उसकी भी तबीयत बिगड़ने लगी, जिसके बाद प्रयास रोक दिया गया। काफी मशक्कत के बाद स्थानीय लोगों की मदद से तीनों को बाहर निकाला गया, लेकिन तब तक देर हो चुकी थी। अस्पताल ले जाने से पहले ही तीनों ने दम तोड़ दिया। घटना की सूचना मिलते ही कदवा थाना सहित तीन थानों की पुलिस



भागले की जानकारी लेते एसडीपीओ ओम प्रकाश व अन्य

एनएच 327 पर भीषण सड़क हादसा, दो युवकों की मौत, एक गंभीर

SUPAUL : जिले के जदिया थाना क्षेत्र में मंगलवार की रात एक दर्दनाक सड़क हादसा हो गया। एनएच 327 पर पांडवड़ी पंचायत सरकार भवन के समीप कटेनर और बाइक की आमने-सामने की टक्कर में बाइक सवार दो युवकों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि एक अन्य युवक गंभीर रूप से घायल हो गया। बताया जा रहा है कि तीनों युवक एक ही बाइक पर सवार होकर रानीगंज से जदिया की ओर जा रहे थे। इसी दौरान सामने से आ रहे तेज रफ्तार कटेनर ने बाइक को जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि बाइक पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई और मौके पर



अफरा-तफरी मच गई। स्थानीय लोगों के अनुसार तीनों युवक बिना हेलमेट के बाइक चला रहे थे। हादसे के बाद घटनास्थल पर बड़ी संख्या में लोगों की भीड़ जमा हो गई। मृतकों की पहचान मधेपुरा जिले के सिंघेश्वर थाना क्षेत्र निवासी जेबा (19) और

सीएम ने जताया शोक

तीन मजदूरों की मौत की सूचना पर मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने शोक जताया है। मुख्यमंत्री ने शोक संदेश में कहा है कि यह घटना काफी दुखद है और मैं इससे मर्माहत हूँ। मुख्यमंत्री ने मृतकों के आश्रितों को दो-दो लाख रुपये अनुग्रह अनुदान देने का निर्देश दिया है।

मौके पर पहुंची। हालात की गंभीरता को देखते हुए एसडीपीओ ओम प्रकाश और डीसीएलआर भी घटनास्थल पर पहुंचे और परिजन को हर संभव सहायता का आश्वासन दिया। वहीं एक साथ तीन मजदूरों की मौत ने इलाके को झकझोर कर रख दिया है। स्थानीय लोग प्रशासन से पीड़ित परिवारों के लिए मुआवजे और सुरक्षा मानकों के सख्त पालन की मांग कर रहे हैं।

श्रीनगर थाना क्षेत्र निवासी मोहम्मद आलम के पुत्र मोहम्मद अरवाज (21) के रूप में की गई है। वहीं तीसरा युवक गंभीर रूप से घायल हो गया, जिसकी पहचान समाचार लिखे जाने तक नहीं हो सकी थी। घटना की सूचना मिलते ही जदिया थाना पुलिस मौके पर पहुंची और स्थानीय लोगों की मदद से घायल युवक को इलाज के लिए त्रिपुणीगंज अनुमंडलीय अस्पताल भेजा गया, जहां उसका इलाज जारी है। चिकित्सकों के अनुसार उसकी हालत नाजुक बनी हुई है। जदिया थानाध्यक्ष नरेश किशोर ने बताया कि दोनों शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है और मामले की जांच शुरू कर दी गई है।

मौके पर पहुंची। हालात की गंभीरता को देखते हुए एसडीपीओ ओम प्रकाश और डीसीएलआर भी घटनास्थल पर पहुंचे और परिजन को हर संभव सहायता का आश्वासन दिया। वहीं एक साथ तीन मजदूरों की मौत ने इलाके को झकझोर कर रख दिया है। स्थानीय लोग प्रशासन से पीड़ित परिवारों के लिए मुआवजे और सुरक्षा मानकों के सख्त पालन की मांग कर रहे हैं।

जदयू की नई राष्ट्रीय टीम का एलान संजय झा फिर बने कार्यकारी अध्यक्ष**AGENCY PATNA :**

बिहार की प्रमुख राजनीतिक पार्टी जनता दल यूनाइटेड (जदयू) ने अपनी नई राष्ट्रीय टीम की घोषणा कर दी है। पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष नीतीश कुमार के नेतृत्व में संगठन में बड़े स्तर पर बदलाव किए गए हैं। इस फेरबदल को आगामी चुनावों के मद्देनजर महत्वपूर्ण माना जा रहा है। जदयू की नई टीम में संजय झा को एक बार फिर राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष की जिम्मेदारी सौंपी गई है। वहीं, जहानाबाद के पूर्व सांसद चंद्रेश्वर प्रसाद चंद्रवंशी को राष्ट्रीय उपाध्यक्ष बनाया गया है। गोपालगंज से सांसद आलोक कुमार सुमन को पार्टी का राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष नियुक्त किया गया है। पार्टी ने संगठन विस्तार के तहत इस बार 12 नेताओं को राष्ट्रीय महासचिव और 8 नेताओं को सचिव बनाया है। महासचिव बनाए गए नेताओं में मनीष कुमार वर्मा, आफाक अहमद खान,



संजय झा

श्याम रजक, अशोक चौधरी, रोशन सिंह कुशवाहा, राम सेवक सिंह, कविता देवी, कपिल हंसदेव पटेल, राज सिंह मान, सुनील कुमार उर्फ इंजीनियर सुनील, हर्षवर्धन सिंह और मौलाना गुलाम रसूल बलियावी शामिल हैं। इसके अलावा राजीव रंजन प्रसाद को प्रवक्ता सह सचिव बनाया गया है। अन्य सचिवों में रवींद्र प्रसाद सिंह, विद्या सागर निषाद, दयानंद राय, संजय कुमार, मोहम्मद निसार, रूबी नागवंश और निवेदिता कुमारी (कटिहार) को जिम्मेदारी दी गई है।

मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने मंगलवार को दिल्ली का दौरा किया है। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से मुलाकात की और संगठनात्मक स्तर पर भी सक्रिय रहे। मंगलवार को उन्होंने भाजपा के वरिष्ठ नेता जेपी नड्डा समेत कई नेताओं से बातचीत की। वहीं, दिल्ली में उन्होंने आरएसएस

मुख्यमंत्री सम्राट ने दिल्ली से लौटते ही नीतीश कुमार से की शिष्टाचार मुलाकात**AGENCY PATNA :**

मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी बुधवार को दो दिवसीय दिल्ली दौरे से पटना लौट आए हैं। पटना लौटने के बाद मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी सबसे पहले पूर्व मुख्यमंत्री एवं जदयू के राष्ट्रीय अध्यक्ष नीतीश कुमार से मुलाकात की। नीतीश कुमार ने सम्राट का गर्मजोशी से स्वागत किया। दोनों की इस मुलाकात को बेहद खास माना जा रहा है। इसका बड़ा कारण बिहार मंत्रिमंडल का विस्तार है जिस पर सबकी नजर टिकी है। मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने मंगलवार को दिल्ली का दौरा किया है। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से मुलाकात की और संगठनात्मक स्तर पर भी सक्रिय रहे। मंगलवार को उन्होंने भाजपा के वरिष्ठ नेता जेपी नड्डा समेत कई नेताओं से बातचीत की। वहीं, दिल्ली में उन्होंने आरएसएस



मुख्यालय का भी दौरा किया। जानकारी के अनुसार, भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन से भी उनकी दो बार मुलाकात हुई, जिसमें बिहार के राजनीतिक हालात और मंत्रिमंडल विस्तार पर चर्चा हुई। मुख्यमंत्री सम्राट

चौधरी के दिल्ली दौरे के बाद नए मंत्रियों के शपथ को लेकर कोई तारीख तय नहीं होने से मंत्रिमंडल विस्तार अटका हुआ है। सूत्रों के अनुसार भाजपा के शीर्ष नेतृत्व की व्यस्तता इसकी मुख्य वजह मानी जा रही है।

नवादा में पोषण पखवाड़े के तहत स्कूलों में जागरूकता मेला का हुआ आयोजन**AGENCY NAVADA :**

पोषण पखवाड़ा की सफलता को ले बुधवार को नवादा जिले के स्कूलों में जागरूकता मेला आयोजित की गई, जिसके बेहतर परिणाम दिख रहे हैं। नवादा जिले के नरहट प्रखंड में पोषण पखवाड़ा के अंतर्गत विभिन्न स्कूलों में जागरूकता मेला आयोजित किया गया। इस दौरान बच्चों को जंक फूड से दूर रहने और मोबाइल स्क्रीन के अत्यधिक उपयोग से होने वाले नुकसान के बारे में जानकारी दी गई। साथ ही संतुलित आहार और स्वस्थ जीवनशैली अपनाने के लिए प्रेरित किया गया। कार्यक्रम के दौरान महिलाओं को भी पोषण के महत्व के बारे में



पोषण पखवाड़े में भाग लेती महिला पर्यवेक्षिकाएं व अन्य

विस्तार से बताया गया, ताकि वे अपने परिवार, विशेषकर बच्चों के स्वास्थ्य पर ध्यान दे सकें। केंद्रों पर प्रारंभिक बाल्यावस्था देखभाल एवं शिक्षा गतिविधियों के माध्यम से बच्चों के मानसिक और बौद्धिक विकास के लिए विशेष कार्यक्रम का उद्देश्य बच्चों और अभिभावकों में पोषण, स्वास्थ्य और शिक्षा के प्रति जागरूकता बढ़ाना था।

महिला पर्यवेक्षिका माधवी कुमारी के नेतृत्व में गतिविधियां आयोजित की गईं। माधवी कुमारी ने कहा कि जागरूकता के बिना पोषण मुक्त समाज की स्थापना संभव नहीं है इसके लिए समाज के हर वर्ग लोगों को जागृत होना पड़ेगा। कार्यक्रम का उद्देश्य बच्चों और अभिभावकों में पोषण, स्वास्थ्य और शिक्षा के प्रति जागरूकता बढ़ाना था।

गुप्त सूचना के आधार पर 112.5 लीटर देसी चुलाई शराब व बाइक जब्त**SUPAUL :**

जिले के लोकहा थाना क्षेत्र में अवैध शराब के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत पुलिस को एक बड़ी सफलता हाथ लगी है। मंगलवार को गुप्त सूचना के आधार पर की गई कार्रवाई में पुलिस ने कुल 112.5 लीटर देसी चुलाई शराब बरामद की इस दौरान मौके से एक मोटरसाइकिल भी जब्त की गई है, जिसका उपयोग अवैध शराब के परिवहन में किए जाने की शंका जताई जा रही है। पुलिस द्वारा बरामद शराब और मोटरसाइकिल को जब्त कर लिया गया है। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि इस मामले में विधि-सम्मत कार्रवाई की जा रही है और अवैध शराब के कारोबार से जुड़े लोगों की पहचान करने की कोशिश की जा रही है।

भाजपा की विधायकों ने कहा- पूरे देश की महिलाओं से माफी मांगें पप्पू यादव**AGENCY PATNA :**

पूर्णिया सांसद के बयान पर बिहार भाजपा महिला नेताओं ने आक्रोश जताया है। भाजपा कार्यालय में बुधवार को एक संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए भाजपा विधायक श्रेयषी सिंह ने कहा कि पप्पू यादव को भारत के सभी महिलाओं से माफी मांगनी चाहिए। उन्होंने कहा कि पप्पू यादव का यह बयान कौरवों की दुष्ट सोच की तरह उनकी सोच को दर्शाती है। अगर विपक्ष के नेताओं की घर की बेटी आगे बढ़ती है तो उनके लिए भी यह सोच हो सकती है। विधायक मैथिली ठाकुर ने कहा कि मैंने राजनीति की शुरूआत थोड़ी दिन पहले ही किया है, लेकिन इतना बता सकती हूँ कि



प्रेस कॉन्फ्रेंस में अपनी बात रखती भाजपा की महिला विधायक

देश में नारी की पूजा की जाती है। पप्पू यादव की तरफ से जो बात कही गई है तो राहुल गांधी सहित विपक्ष के नेता से कहना चाहती हूँ कि आप लोगों को माफी मांगनी चाहिए। सार्वजनिक रूप से माफी मांगनी होगी, नहीं तो महिलाएं जानती हैं कैसे अपने सम्मान की रक्षा करना है। विधायक अनामिका पटेल ने कहा कि हम महिलाएं जिस वंशज से आते हैं, पूरे देश को पता है।

देश में नारी की पूजा की जाती है। पप्पू यादव की तरफ से जो बात कही गई है तो राहुल गांधी सहित विपक्ष के नेता से कहना चाहती हूँ कि आप लोगों को माफी मांगनी चाहिए। सार्वजनिक रूप से माफी मांगनी होगी, नहीं तो महिलाएं जानती हैं कैसे अपने सम्मान की रक्षा करना है। विधायक अनामिका पटेल ने कहा कि हम महिलाएं जिस वंशज से आते हैं, पूरे देश को पता है।

काला दिवस के रूप में मनाई गई पहलगांम हमले की बरसी**AGENCY BHAGALPUR :**

पहलगांम हमले की बरसी को एनडीए कार्यालय बिहपुर में बुधवार को काला दिवस के रूप में मनाया गया। कार्यक्रम में बिहपुर विस के सभी मंडल भाजपा अध्यक्ष समेत एनडीए चटक दल के नेता और कार्यकर्ता शामिल हुए। कार्यक्रम का संचालन भाजपा जिला उपाध्यक्ष प्र.गोतम ने किया। सोशल मीडिया पर पोस्ट के जरिए बिहपुर विस के भाजपा विधायक सह सत्तारूढ़ दल के सचेतक ई.शैलेंद्र ने कहा कि पहलगांम हमला अमानवीय का कारगरता का काला अध्याय है। जिसने पूरे देश को झकझोर दिया है। विधायक ने कहा कि उस हमले निर्दोष लोगों के जीवन का बलिदान हमें हमेशा याद दिलाता रहेगा कि मानवता के किरूद्ध ऐसे कुकृत्यों के खिलाफ



हमें एकजुट होकर खड़ा रहना होगा। विधायक समेत इधर दिनेश यादव, प्रभुनंदन चौधरी, उत्तम कुमार, ई.कुमार गौरव आदि ने कहा कि पूरा राष्ट्र आज उक्त हमले के पीड़ित के दर्द और वेदना के साथ है। आतंक के विरोध में दृढ़ संकल्प के साथ पूरा देश उनके साथ खड़ा है। मौके पर दिलीप सिंह, बाल्मिकी मंडल, ब्रजेश चौधरी, दिलीप महतो, रंजीत गुप्ता, ब्रजेश शर्मा नागर, कन्हैया झा, सदानंद मंडल, लालमोहन, सिद्ध, अजय उर्फ माटो और कल्याण झा आदि की मौजूदगी थी।

तीर्थ स्थलों पर कुप्रबंधन से खतरे में श्रद्धालुओं की जान

बिहार के नालंदा के देवी मंदिर धर्मस्थल पर भगदड़ में नौ श्रद्धालुओं की मौत का मामला टंडा भी नहीं हुआ था कि उत्तर प्रदेश के बड़े तीर्थ स्थल मथुरा के निकट वृंदावन में नाव हादसे का बेहद दुखदायी हादसा सामने आया है, जिसमें 10 लोगों की मौत हो गई। आए दिन कभी पवित्र नदियों के स्नान पर्व पर कभी मंदिरों में दर्शन अवसर पर तो कभी तीर्थ यात्रा और तीर्थ स्थलों कभी शोभा यात्रा पुरी रथयात्रा रामलीला मेलों या गणेश मूर्ति विसर्जन के मौके पर हो रहे हादसों में सैकड़ों श्रद्धालुओं की जान जा रही है। हर हादसे के बाद जांच की खानापूर्ति की जाती है। हर बार प्रबंधन की खामियां प्रशासन की लापरवाही सामने आती है, लेकिन कोई बदलाव नहीं आता। सिक्के पहले अनाज हादसा हो जाता है। आपको बता दें वृंदावन एक ऐसा तीर्थ स्थल है, जहां लाखों लोग जाते हैं। यहां भगवान कृष्ण जी ने अपना बचपन गुजारा। उनका जन्म मथुरा में हुआ। वृंदावन में सैकड़ों मंदिर हैं। यमुना के किनारे बसा होने के कारण यहां अनेक घाट हैं। यहां भगवान कृष्ण की याद में बना बाँके बिहारी मंदिर लगातार बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं की आस्था का केंद्र बना रहता है। पंजाब से भी कुछ दर्जन श्रद्धालु यहां गए थे और लुधियाना, मुक्तसर एवं जमाराओं के लगभग 37 श्रद्धालु यमुना में एक मोटर बोट पर सवारी कर रहे थे। गहरे पानी में बने पाटून पुल जिसे अब हटाया जा रहा था, से श्रद्धालुओं की नाव टकरा गई, जिस कारण यह हादसा हो गया, परंतु नजदीक के नाव वालों और गोताखोरों ने इनमें से कई व्यक्तियों को बचा लिया। इससे पहले भी देशभर में ज्यादातर धार्मिक स्थलों पर बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं के लिए पूरे प्रबंधन न किए जाने के कारण अक्सर हादसे हो जाते हैं, जिनमें बड़ी संख्या में लोग शिकार हो जाते हैं। इस तरह के प्रत्येक बड़े हादसे के बाद विशेष रूप से मेलों और धार्मिक स्थलों पर एकत्रित हुए श्रद्धालुओं संबंधी पुख्ता प्रबंधन करने की योजनाएं बनाई जाती हैं। इन प्रबंधनों का कुछ प्रभाव भी पड़ता है। फिर भी स्थानीय प्रशासन द्वारा इन प्रबंधों में त्रुटियां रह जाने के कारण या प्रबंधकों की लापरवाही के कारण ऐसे दुखद हादसे घटित हो जाते हैं। ऐसा कुछ न घटित हो, इसकी जिम्मेदारी संबंधित राज्यों पर भी आती है। उनकी यह जिम्मेदारी बनती है कि वे प्रत्येक क्षण से सचेत होकर प्रबंध करें, जिनसे श्रद्धालुओं की बड़ी से बड़ी संख्या को भी नियंत्रित किया जा सके, ताकि सरे हादसे न घटित हों। यमुना नदी की सैर करते हुए अथवा यहां एक से दूसरे स्थान पर नावों द्वारा जाने वाले श्रद्धालुओं की सुरक्षा के लिए प्रशासन को सचेत होने की जरूरत है। जिस समय यह हादसा घटित हुआ, उस समय मोटर बोट में 31 श्रद्धालु थे, जिनमें से किसी ने भी लाइफ जैकेट नहीं पहनी थी। यह बात सुनिश्चित है कि यदि मोटर बोट के प्रबंधकों या प्रशासन की ओर से नाव में बैठने वालों के लिए लाइफ जैकेट पहनना जरूरी किया जाता तो मरने वालों में ज्यादातर का बचाव होने की बड़ी संभावना थी। इस संबंध में सरकार का भी यह कर्तव्य बनता है कि वह किसी भी धार्मिक या अन्य त्योहार पर अथवा यदि किसी स्थान पर भारी जनसमूह जमा होने की संभावना हो, तो वह विशेष प्रबंध किए जाने के निर्देश दे और स्थानीय सरकारों द्वारा किए गए प्रबंधों संबंधी भी केंद्र सरकार से संबंधित अधिकारियों द्वारा संपर्क बनाए रखना जरूरी होना चाहिए। चाहे प्रधानमंत्री द्वारा और पंजाब के मुख्यमंत्री द्वारा भी प्रभावित परिवारों के लिए राहत की घोषणा की गई है, परंतु ऐसे हादसों के कारण लंबी अवधि तक संबंधित परिवारों को बड़ी त्रासदी भोगनी पड़ती है। समाज के सभी वर्गों और प्रशासनों को यह सुनिश्चित बनाना चाहिए कि भविष्य में ऐसा कुछ घटित न हो वहीं श्रद्धालुओं को भी पर्याप्त सावधानी और उत्साह के अतिरिक्त से बचना चाहिए एक ही दिन एक ही अवसर पर क्षमता से अधिक लोगों का एक स्थान पर स्नान पूजा मेला कथा शोभायात्रा में जमावड़ा करना और संयम पूजा कर धक्का मुक्का कर व्यवस्था बिगाड़ना कौन सी धार्मिकता का परिचय देता है। हर आयोजन में दो चार फौसद ऐसे लोगों की मौजूदगी रहती है, जो अनावश्यक टकराव और अराजकता फैलाने का काम करते हैं। ऐसे लोग न भक्त हो सकते हैं, न श्रद्धालु। ये सिर्फ धार्मिक चोला पहन कर उन्माद मचाने का काम करते हैं और सच्चे श्रद्धालुओं के जीवन के लिए खतरा पैदा करने का काम करते हैं। ऐसे ही लोग कांवड़ियों के वेश में शामिल होकर कई बार उपद्रव करने का प्रयास करते हैं। सभी श्रद्धालुओं का कर्तव्य है कि वह व्यवस्था बना रही पुलिस मंदिर कमेट्री के स्वयंसेवकों के निर्देशानुसार संयमित व्यवहार करें। आपाधापी में लाइन तोड़कर आगे बढ़ने की स्वार्थी प्रवृत्ति से बचना चाहिए। वहीं धार्मिक उपदेशक कथावाचक भी अपने अनुयायियों को इन अवसरों पर नैतिकता व संयम बनाने के लिए आगाह कर बड़ी भूमिका निभा सकते हैं। कोई भी हादसा अनेक जीवन खासकर महिलाओं और बच्चों के जीवन को खत्म कर परिवार को न भूलने वाला दुख देता है, इसको टाला जा सकता है।

ANALYSIS



प्रयाग पाण्डे

वैदिक काल में सोने के सिक्के चलते थे, जिन्हें निष्क, शतनाम, सुवर्ण, पाद आदि नामों से जाना जाता था। कालांतर में चांदी के सिक्के प्रचलन में आए। चांदी के सिक्कों को पण, कार्षापण, विशांतिकी त्रिंशतिकी आदि नामों से जाना जाता था। प्राचीनकाल में जब सिक्के का आविर्भाव हुआ, तब सिक्के के धातु का वजन, मूल्य और शुद्धता उसमें निहित थी। राजा इस बात का वचन देता था। सोने के सिक्के स्वयंसिद्ध मुद्रा थे। स्वयंसिद्ध मुद्रा का मूल्य उसके गर्भ में था, जबकि चांदी के सिक्के अर्ध स्वयंसिद्ध मुद्रा थे। पूर्व मध्यकाल में सोने के सिक्के को 'काशु' कहा जाता था। प्रारंभिक सिक्कों की तौल और बनावट, दोनों निराली थी। ठीक नाप-तौल के प्रमाण स्वरूप चांदी-सोने पर कोई विद्द बने सिक्को को मुद्रा कहा जाता था। सिंधु घाटी सभ्यता में भी सिक्कों का प्रचलन था। ईशा पूर्व सातवीं शताब्दी के अंत तक सिक्कों का प्रचलन काफी बढ़ चुका था। भारत में गौतम बुद्ध के कार्यकाल में चांदी के सिक्कों का तौल 40 और 25 रती थी। उस दौर में चांदी के सिक्कों को 'पण' और 'कर्षापण' कहा जाता था। सिक्के में हाथी, कुत्ते या वृक्षों के चिह्न अंकित होते थे। प्राचीनकाल में चांदी और तांबा सोने से कहीं अधिक मूल्यवान माने जाते थे। चांदी के सिक्के अर्ध स्वयंसिद्ध मुद्रा थे। पूर्व मध्यकाल में सोने के सिक्के को 'काशु' कहा जाता था। प्रारंभिक सिक्कों की तौल और बनावट, दोनों निराली थी। ठीक नाप-तौल के प्रमाण स्वरूप चांदी-सोने पर कोई विद्द बने सिक्को को मुद्रा कहा जाता था। सिंधु घाटी सभ्यता में भी सिक्कों का प्रचलन था। ईशा पूर्व सातवीं शताब्दी के अंत तक सिक्कों का प्रचलन काफी बढ़ चुका था।

जितना पुराना मानव सभ्यता का इतिहास है, मुद्रा का भी इतिहास उतना ही पुराना है। मुद्रा का इतिहास मानव जीवन में क्रमशः आए उत्तरोत्तर परिवर्तनों की दिलचस्प कहानी है। आदिम युग से वर्तमान कंयूटर युग तक मनुष्य के जीवन में हुए परिवर्तनों के साथ मुद्रा के रूपों में भी रोचक बदलाव आए हैं। अपनी विकास यात्रा में मुद्रा ने 'पशुधन' एवं 'वस्तु विनिमय प्रणाली' से डिजिटल इकोनॉमिक तक की एक लंबी यात्रा तय की है। रुपये की जितनी अजब करामात है। उतना ही गजब इतिहास भी। प्राचीनकाल में वस्तुओं का मूल्य अनाज और गाय, बैल आदि पशुओं से आंका जाता था। यह व्यवस्था भारत के अलावा ग्रीस में भी प्रचलित थी। उस काल में धनिकों के धन की माप पशुओं से की जाती थी। आज जो स्थान सोने- चांदी या रुपयों के नोट का है, प्राचीनकाल में यही स्थान पशुओं का था। वस्तु विनिमय (अदला-बदली) की व्यवस्था अराजक थी। इसमें आए रोज लड़ाई-झगड़े होते थे। अदला-बदली की व्यवस्था की खामियों से निपटने के लिए हजारों साल पहले सिक्कों का प्रचलन शुरू हुआ। प्राचीनकाल में भारत में सोना, चांदी, तांबा, पत्थर, कौड़ी आदि के सिक्के चलन में आए। वैदिक काल में सोने के सिक्के चलते थे, जिन्हें निष्क, शतनाम, सुवर्ण, पाद आदि नामों से जाना जाता था। कालांतर में चांदी के सिक्के प्रचलन में आए। चांदी के सिक्कों को पण, कार्षापण, विशांतिकी त्रिंशतिकी आदि नामों से जाना जाता था। प्राचीनकाल में जब सिक्के का आविर्भाव हुआ, तब सिक्के के धातु का वजन, मूल्य और शुद्धता उसमें निहित थी। राजा इस बात का वचन देता था। सोने के सिक्के स्वयंसिद्ध मुद्रा थे। स्वयंसिद्ध मुद्रा का मूल्य उसके गर्भ में था, जबकि चांदी के सिक्के अर्ध स्वयंसिद्ध मुद्रा थे। पूर्व मध्यकाल में सोने के सिक्के को 'काशु' कहा जाता था। प्रारंभिक सिक्कों की तौल और बनावट, दोनों निराली थी। ठीक नाप-तौल के प्रमाण स्वरूप चांदी-सोने पर कोई चिह्न बने सिक्कों को मुद्रा कहा जाता था। सिंधु घाटी सभ्यता में भी सिक्कों का प्रचलन था। ईशा पूर्व सातवीं शताब्दी के अंत तक सिक्कों का प्रचलन काफी बढ़ चुका था।



चुका था। भारत में गौतम बुद्ध के कार्यकाल में चांदी के सिक्कों का तौल 40 और 25 रती थी। उस दौर में चांदी के सिक्कों को 'पण' और 'कर्षापण' कहा जाता था। सिक्कों में हाथी, कुत्ते या वृक्षों के चिह्न अंकित होते थे। प्राचीनकाल में चांदी और तांबा सोने से कहीं अधिक मूल्यवान माने जाते थे। चांदी के सिक्के अर्ध स्वयंसिद्ध मुद्रा थे। पूर्व मध्यकाल में सोने के सिक्के को 'काशु' कहा जाता था। प्रारंभिक सिक्कों की तौल और बनावट, दोनों निराली थी। ठीक नाप-तौल के प्रमाण स्वरूप चांदी-सोने पर कोई चिह्न बने सिक्कों को मुद्रा कहा जाता था। सिंधु घाटी सभ्यता में भी सिक्कों का प्रचलन था। ईशा पूर्व सातवीं शताब्दी के अंत तक सिक्कों का प्रचलन काफी बढ़ चुका था।

'शशगानी' नाम का सिक्का चलाया। ब्रिटिश मुद्रा प्रणाली से प्रेरित होकर शेरशाह सूरी (1540-1545) ने पुराने घिसे-पिटे सिक्कों के स्थान पर 180 ग्रेन शुद्ध चांदी का रुपया और 380 ग्रेन शुद्ध तांबे का रुपया चलाया। रुपया संस्कृत के शब्द 'रुप्य' या 'रौप्य' का अपभ्रंश है। संस्कृत में चांदी को 'रुप्य' या 'रौप्य' कहते हैं। शेरशाह सूरी के सिक्कों में कूर्फों के साथ हिंदी में भी लिखा हुआ था। शेरशाह के पुत्र इस्लामशाह के कार्यकाल में सिक्के का पुराना रूप कायम रहा। इस दौर के सिक्कों में भी कूर्फों के साथ हिंदी में लिखा जाता था, लेकिन मुगल बादशाह बाबर, हुमायूँ और अकबर के शासनकाल में चले सिक्कों में बादशाहों ने सिक्कों में सिर्फ श्रमसाध्य था। चांदी को पहले खानों से निकाला जाता था, फिर उसे गलाकर चांदी के पात बनाए जाते थे। इसके बाद टकसालों में चांदी के रुपये ढाले जाते थे। कालांतर में ज्ञान-विज्ञान के क्षेत्र में हुई प्रगति से चांदी को खानों से निकालना सरल हो गया तो चांदी सर्वसुलभ हो गई और सोना दुर्लभ हो गया। तब दक्षिण भारत में सोने के सिक्कों की प्रधानता थी। उत्तर भारत में चांदी के सिक्कों का प्रचलन अधिक था। दिल्ली सल्तनत के दौरान 1329 ई. में चांदी के सिक्कों के स्थान पर कांसे और तांबे के सिक्के चलाए गए। इन्हें सकितिक मुद्रा कहा गया। उस दौर में घर-घर टकसाल बन गए। लोग अपने घरों में खुद ही कांसे और तांबे के सिक्के ढालने लगे थे। सल्तनत को आधिकारिक इन सिक्कों को बंद करना पड़ा। इसके स्थान पर सोने और चांदी के 'तंके' जारी करने पड़े। इसके बाद फिरोजशाह तुगलक (1351-1388) ने

देवनागरी में 'राम-सिया' लिखवाया था। जहांगीर ने 'निसार' नाम का एक सिक्का चलाया, जो रुपये के चौथाई मूल्य के बराबर था। टोपू सुल्तान ने 1787 में अपने नाम के सिक्के जारी किए। सिख साम्राज्य के राजा रणजीत सिंह (1792- 1839) ने नानक और गुरु गोविंद सिंह के नाम से सिक्के चलाए। इन सिक्कों में 'नानक सहाय' और 'गोविंद सहाय' उल्कीर्ण कराया था। दिल्ली में ईस्ट इंडिया कंपनी का आधिपत्य कायम हो जाने के बाद मुगलकालीन सिक्कों का प्रचलन बंद कर दिया गया। मुर्शिदाबाद के जगत सेठ को नवाब ने टकसाल चलाने के लिए अधिकृत किया था। तब भारत के अधिकांश हिस्सों में जगत सेठ का रुपया चलता था। भारत में ईस्ट इंडिया कंपनी का शासन स्थापित हो जाने के बाद कंपनी ने जगत सेठ के मुद्रा बंद करने के अधिकार को बदस्तूर कायम रखा। जिस दौर में ईस्ट इंडिया कंपनी भारत में आई, तब यहां चांदी और सोने के सिक्कों के मान में विविधताएं थीं। बंगाल प्रांत में एक जिले का रुपया दूसरे जिले में नहीं चलता था। अनेक जिलों में विभिन्न मान के रुपये प्रचलन में थे। सोने और चांदी में परस्पर प्रतिस्पर्धा चलती रहती थी। कभी सोना महंगा हो जाता था तो कभी चांदी। फरूखाबाद रुपये फरूखाबाद, बनारस, सागर और कलकत्ता के टकसालों में ढाले जाते थे। मद्रासी रुपये अलग ढलते थे। ईस्ट इंडिया कंपनी की टकसाल कलकत्ता में थी। बंगाल रुपये की ढलाई मशीनों (कल) से होती थी। इसलिए ईस्ट इंडिया कंपनी की टकसाल में ढले रुपये को 'कलदार' कहा जाता था। मुद्रा की इस विभिन्नता से लेन-देन और व्यापार में बहिर्नाइयां आती थीं। ईस्ट इंडिया कंपनी द्वारा कर्ों की वसूली के लिए नियुक्त कलेक्टरों को कर और भूमि की लगान के रूप में जनता से चांदी के साठ और सोने के बहत्तर सिक्के लेने पड़ते थे। अलग-अलग वस्तुओं के लिए अलग-अलग प्रकार के सिक्के थे। अठ्ठारहवीं सदी के प्रारंभ तक भारत वर्ष का अधिकांश भाग ईस्ट इंडिया कंपनी के आधिपत्य में आ चुका था। इसके तुरंत बाद कंपनी के डायरेक्टरों ने भारत में रुपये में एकरूपता लाने की कोशिशें शुरू की थीं।

अमेरिका-ईरान के बीच बातचीत का सवाल

अमेरिका और ईरान के बीच चल रही शांति वार्ता के पहले दौर का असफल होना केवल दो देशों के रिश्तों में दरार पर नहीं है, बल्कि इसका असर पूरे पश्चिम एशिया की स्थिरता, वैश्विक ऊर्जा बाजार और अंतरराष्ट्रीय कूटनीति पर पड़ने वाला है। यह विफलता कई स्तरों पर गंभीर संकेत देती है। यह पश्चिम एशिया की जटिल भू-राजनीति, अविश्वास और क्षेत्रीय शक्तियों की प्रतिस्पर्धा को भी प्रतिबिंब है। ऐसे में यह कहना कि इस विफलता के लिए पाकिस्तान पूरी तरह जिम्मेदार है, एक अतिसरलीकरण होगा। हालांकि उसकी भूमिका को नजरअंदाज भी नहीं किया जा सकता। यह वार्ता ही बेईमानी थी, क्योंकि लेबनान में इजरायल की बमबारी कर रहा था, जिस पर ईरान ने अपना विरोध दर्ज कराया था। वहीं ईरान की दस सूत्री बातें जो कि अमेरिका शुरू से मानने से इनकार कर रहा था। अब ऐसे में वार्ता हुई, जो बलाया जा रहा है पाकिस्तान ने एक दूसरे देश को बातें साझा की जो वार्ता का हल ही

असम्भर कर देती है। पाकिस्तान से जाते समय अमेरिका के उपराष्ट्रपति जेडी बेंस ने भी वार्ता फेल की जानकारी दी। इस शांति वार्ता के फेल होने के कई कारण हैं। सबसे पहले, यह क्षेत्रीय अस्थिरता को बढ़ाने का संकेत है। पहले से ही इजरायल, लेबनान, यमन और खाड़ी क्षेत्र में तनाव मौजूद है। ऐसे में वार्ता का टूटना टकराव की संभावना को और बढ़ा सकता है। ईरान समर्थित समूहों और अमेरिका समर्थित शक्तियों के बीच परोक्ष संघर्ष तेज हो सकता है। दूसरा बड़ा प्रभाव वैश्विक तेल बाजार पर पड़ सकता है। ईरान एक बड़ा तेल उत्पादक देश है, और उस पर लगे प्रतिबंधों में ढील की उम्मीद से बाजार में संतुलन बन सकता था। लेकिन वार्ता विफल होने से तेल की कीमतों में अस्थिरता बढ़ सकती है, जिसका असर भारत जैसे आयातक देशों पर सीधे पड़ेगा। तीसरा, यह अंतरराष्ट्रीय कूटनीति की सीमाओं को उजागर करता है। वर्षों से चल रही बातचीत के बावजूद यदि कोई टोस परिणाम नहीं निकलता, तो यह

दशात है कि आपसी अविश्वास और राजनीतिक हित शांति के रास्ते में बड़ी बाधा बने हुए हैं। इससे भविष्य में अन्य वैश्विक वार्ताओं पर भी नकारात्मक प्रभाव पड़ सकता है। चौथा, परमाणु कार्यक्रम को लेकर चिंताएं और बढ़ेंगी। ईरान के परमाणु कार्यक्रम को सीमित करने का उद्देश्य इस वार्ता का मुख्य आधार था। अब इसके विफल होने से परमाणु हथियारों की होड़ तेज होने का खतरा है, जिससे वैश्विक सुरक्षा पर प्रश्नचिह्न लान सकता है। यह विफलता एक चेतावनी है कि केवल बातचीत की मेज पर बैठना ही पर्याप्त नहीं होता, बल्कि विश्वास निर्माण और टोस राजनीतिक इच्छाशक्ति भी जरूरी है। यदि विश्व शक्तियां समय रहते समाधान नहीं निकाल पातीं, तो इसका खामियाजा पूरी दुनिया को भुगतना पड़ सकता है। वहीं पाकिस्तान की भूमिका की बात की जाये तो पाकिस्तान लंबे समय से अमेरिका और ईरान दोनों के साथ संतुलन साधने की कोशिश करता रहा है। एक ओर वह अमेरिका का

रणनीतिक साझेदार रहा है, वहीं दूसरी ओर ईरान के साथ उसकी भूमिकाल निकटता और ऊर्जा हित जुड़े हुए हैं। हाल के वर्षों में पाकिस्तान ने मध्यस्थ की भूमिका निभाने की इछा तैयार है, लेकिन उसकी आंतरिक अस्थिरता, सीमित कूटनीतिक प्रभाव और सुरक्षा चुनौतियां उसे एक प्रभावी मध्यस्थ बनने से रोकती हैं। इसके अलावा, पाकिस्तान की भूमिका को लेकर संदेह भी बना रहता है। अमेरिका को यह आशंका रही है कि पाकिस्तान में अपने हितों को साधने के लिए ईरान के साथ दोहरी नीति अपनाता है, जबकि ईरान भी पाकिस्तान की सऊदी अरब के साथ निकटता को लेकर सतर्क रहता है। ऐसे में यदि वार्ता के दौरान पाकिस्तान की कोई अप्रत्यक्ष भूमिका रही भी हो, तो वह निर्णायक नहीं कही जा सकती। वास्तव में, अमेरिका और ईरान के बीच अविश्वास की खाई बहुत गहरी है- परमाणु कार्यक्रम, प्रतिबंध और क्षेत्रीय प्रभाव को लेकर दोनों देशों के बीच लंबे समय से टकराव चला

आ रहा है। इन मूल मुद्दों का समाधान किए बिना किसी तीसरे देश को दोष देना वास्तविकता से मुह मोड़ने जैसा होगा। पाकिस्तान इस कूटनीतिक पहलू में एक सीमित और परोक्ष भूमिका निभाता है, लेकिन वार्ता की विफलता का मुख्य कारण नहीं है। यह विफलता अधिकतर अमेरिका और ईरान के बीच गहरे मतभेदों और पारस्परिक अविश्वास का परिणाम है, जिसे किसी एक बाहरी कारक पर थोपना ही तो उचित है और न ही व्यावहारिक। पश्चिम एशिया में बढ़ते तनाव के बीच अमेरिका का ईरान के प्रति रुख एक जटिल रणनीतिक संतुलन पर टिका हुआ दिखाई देता है। एक ओर वह प्रत्यक्ष युद्ध से बचना चाहता है, तो दूसरी ओर ईरान की क्षेत्रीय गतिविधियों और परमाणु महत्वाकांक्षाओं पर सख्त नियंत्रण भी बनाए रखना चाहता है। यही द्वंद्व आने वाले समय में उसकी नीति की दिशा तय करेगा। सबसे पहले, अमेरिका की प्राथमिकता पूर्ण युद्ध से बचाव है। इराक, अफगानिस्तान जैसे लंबे और महंगे

सैन्य अभियानों के अनुभव ने उसे सिखाया है कि मध्य-पूर्व में सीधा युद्ध केवल अस्थिरता बढ़ाता है। इसलिए वह ईरान के साथ सीधे सैन्य टकराव के बजाय निर्वाचित दबाव की नीति अपना रहा है। दूसरा, अमेरिका आर्थिक और कूटनीतिक प्रतिबंधों को और सख्त कर सकता है। ईरान के तेल निर्यात, बैंकिंग प्रणाली और रक्षा सहयोग पर रोक लगाकर वह उसे अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अलग-थलग करने की कोशिश करेगा। साथ ही, वह यूरोपीय देशों और खाड़ी सहयोगियों को भी अपने साथ जोड़कर एक संयुक्त मोर्चा बनाने की दिशा में काम करेगा। तीसरा, अमेरिका की रणनीति में प्रत्यक्ष नहीं, परोक्ष सैन्य उपस्थिति भी महत्वपूर्ण रहेगी। खाड़ी क्षेत्र में अपने सैन्य ठिकानों को मजबूत करना, इजरायल और सऊदी अरब जैसे सहयोगियों को समर्थन देना और जरूरत पड़ने पर सीमित सैन्य कार्रवाई करना ये सभी कदम उसकी डिटेरेंस नीति का हिस्सा होंगे। चौथा, कूटनीति के दरवाजे पूरी तरह बंद नहीं होंगे।

Social Media Corner

सब के हक में...

पहलगाम आतंकी हमले के पीड़ितों को हार्दिक श्रद्धांजलि अर्पित करती हूँ। उस जघन्य कृत्य में निदर्शी की जान जाने का दुखद मजर हम सभी के मन में हमेशा के लिए अंकित है। मैं पीड़ित परिवारों के प्रति अपनी गहरी संवेदना व्यक्त करती हूँ। पूरा देश उनके साथ खड़ा है। आतंकवाद के ऐसे कृत्य शांति और एकता के प्रति हमारी अटूट प्रतिबद्धता को भंग नहीं कर सकते। हम आतंकवाद को उसके हर रूप में पराजित करने के अपने संकल्प पर अडिग हैं।

(राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू का 'एक्स' पर पोस्ट)



देवभूमि उत्तराखंड की पवित्र धरती पर श्री केदारनाथ धाम के कपाट पूरे विशि-विधान के साथ हम सभी श्रद्धालुओं के लिए खोल दिए गए हैं। केदारनाथ धाम और वारधाम की यह यात्रा हमारी आस्था, एकता और समृद्ध परंपराओं का दिव्य उत्सव है। इन यात्राओं से हमें भारत की सनातन संस्कृति के दर्शन भी होते हैं। इस वर्ष वारधाम यात्रा के आरंभ उत्सव पर, उत्तराखंड आने वाले सभी श्रद्धालुओं के लिए मैंने एक पत्र के माध्यम से अपनी भावनाएं व्यक्त की हैं। मेरी कामना है कि बाबा केदार सभी पर अपनी कृपा बनाए रखें और आपकी यात्राओं को शुभ करें।

(प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का 'एक्स' पर पोस्ट)



कार्गिल अख्यक्त मल्लिकार्जुन खड्गे ने मर्वादा और शिलावार की सभी सीमाओं को पार करते हुए देश के निर्वाचित प्रधानमंत्री जी के लिए आतंकवादी जैसे आपत्तिजनक शब्द का इस्तेमाल कर पूरे देश को धर्मसागर कर दिया है। प्रधानमंत्री जी का अग्रगण्य 150 करोड़ देशवासियों का अपमान है। कार्गिल जब-जब मोदी जी के हिलालक आपत्तिजनक भाषा का प्रयोग करती है, तब-तब देश की जनता इसका जवाब देती आई है। इस बार भी जनता ही इसका करारा उत्तर देगी।

(बाबूलाल मराठी का 'एक्स' पर पोस्ट)



मशहूर पार्श्व गायिका आशा भोसले का 12 अप्रैल 2026 को 92 वर्ष की आयु में कार्डियक अरेस्ट के कारण मुंबई के ब्रीच कैंडी अस्पताल में निधन हो गया था। उपलब्ध जानकारी के अनुसार, चेस्ट इंफेक्शन और अत्यधिक थकान के कारण उनकी तबीयत अचानक बिगड़ गई थी। उनके निधन के साथ ही हिंदी सिनेमा का एक स्वर्णिम और सुमन्य अध्याय समाप्त हो गया। उनकी बड़ी पुत्री और लता मंगेशकर, जिन्हें स्वर कोकिला कहा जाता है, का निधन 6 फरवरी 2022 को रविवार के दिन 92 वर्ष की आयु में इसी अस्पताल में हुआ था। एक मार्मिक संयोग रही कि ठीक लगभग चार वर्ष बाद 22 अप्रैल 2026 को रविवार के दिन ही आशा भोसले ने भी 92वें वर्ष में उसी अस्पताल में अंतिम सांस ली। 8 सितंबर 1933 को सांगली (महाराष्ट्र) में जन्में आशा जी महान शास्त्रीय गायक दीनानाथ मंगेशकर की पुत्री और लता मंगेशकर की छोटी बहन थीं। उनके परिवार में उषा मंगेशकर, मीना खाडिंकर और हृदयनाथ मंगेशकर जैसे प्रतिभाशाली सदस्य भी संगीत साधना से जुड़े रहे। पिता के असमय निधन के बाद उन्होंने बहुत कम उम्र में ही परिवार की जिम्मेदारियां संभालीं और परिस्थितिविधायक गायन को अपनाया। इसी कारण वे स्वयं को एक्सपेंडेंटल सिंगर भी कहा करती थीं। बहरहाल, यहां पाठकों को बताता चूं कि

अपने विलक्षण और दीर्घ करियर में आशा भोसले ने 20 से अधिक भाषाओं में लगभग 12 हजार से भी अधिक गीत गाए और 1000 से अधिक फिल्मों में अपनी आवाज दी और इस अद्वितीय, अनूठी व शानदार उपलब्धि के लिए वर्ष 2011 में उनका नाम गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड्स में दर्ज किया गया। शास्त्रीय संगीत की सुहृद् नाँव पर आधारित उनकी गायकी ने गजल, भजन, पॉप, कैबरे और पश्चिमी संगीत तक हर विधा में अपना जादू बिखेरा। उनकी वॉइस मॉड्यूलेशन की अद्भुत क्षमता- भाव, लय और शब्द के अनुरूप आवाज को ढाल लेने की कला उन्हें अपने समय की सबसे बहुमुखी और प्रयोगशील गायिकाओं में स्थापित करती है। उनके निजी जीवन में कई उतार-चढ़ाव आए। उनका पहला विवाह गणपत राव भोसले से हुआ, जो सफल नहीं रहा। बाद में उन्होंने 1980 में प्रसिद्ध संगीतकार आरडी बर्मन (पंचम दा) से विवाह किया। यह तथ्य उल्लेखनीय है कि पंचम दा उनसे लगभग छह वर्ष छोटे थे। वे पहली बार आशा जी से अटोंग्राफ लेने आए थे और बाद में विवाह का प्रस्ताव रखा। प्रारंभ में आशा जी ने इसे अस्वीकार किया, किंतु अंततः यह संबंध जीवन और संगीत-दोनों में अमर सिद्ध हुआ। इस जोड़ी ने हिंदी फिल्म संगीत को अनेक कालजयी गीत दिए। इसके अतिरिक्त, संगीतकार ओपी नैयर के साथ उनकी जोड़ी भी अत्यंत लोकप्रिय रही।

नैयर साहब उनकी आवाज की 'अदा' और 'नमक' के इतने प्रशंसक थे कि उन्होंने कभी लता मंगेशकर से गीत नहीं गवाए। उल्लेखनीय है कि आशा भोसले को फिल्म उमराव जान (1981) की गजलों के लिए अपना पहला राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार प्राप्त हुआ, जिससे यह सिद्ध हो गया कि वे केवल चंचल या कैबरे गीतों तक सीमित नहीं थीं, बल्कि गंभीर और शास्त्रीय विधाओं में भी उत्तनी ही समर्थ थीं। इतना ही नहीं, वर्ष 2000 में उन्हें प्रतिष्ठित दादा साहेब फाल्के पुरस्कार और वर्ष 2008 में पद्म विभूषण से सम्मानित किया गया। उन्होंने एसडी बर्मन, ए.आर रहमान और किशोर कुमार जैसे महान कलाकारों के साथ अहमिगत लोकप्रिय गीत दिए। 62 वर्ष की आयु में फिल्म रंगीला के 'तन्हा तन्हा' और ' रंगीला रे ' जैसे गीतों ने यह सिद्ध कर दिया कि उनकी आवाज में युवाओं जैसी ऊर्जा आजिवन बनी रही। 'आओ हुनूर तुमको' (फिल्म किस्मत) जैसे गीतों में उनका सहज, बिना रिहर्सल का भाव-संयोजन आज भी मिसाल माना जाता है। हाल-फिलहाल, यहां पाठकों को यह भी बताना चूं कि गायन के अतिरिक्त उन्होंने अभिनय (एक्टिंग) में भी रुचि दिखाई और 2013 में फिल्म माई से मुख्य अभिनेत्री के रूप में पदार्पण किया। वे उत्कृष्ट पाक-शैली की शौकीन थीं। उनका कहना था कि यदि वे गायिका न होतीं, तो एक बेहतरीन कुक बनतीं।

Glow hard or go home

Beauty and eternal youth is everything. Even in a world ravaged by war, famine, poverty, global warming, pollution, substance abuse, human trafficking, and dead babies. Good looks command attention and reverence. Talent, merit, a great personality, and the rest of it is important, of course, but these things are recognised and marketable mostly if they come in a glossy package that looks good enough to eat. This is hardly an evil exclusive to the present age. We have always been a superficial lot, fixated on frills, but have become less apologetic and discreet about our shallow ways. You know it is the ugly truth because the tech billionaires are spending their ill-begotten squillions on longevity and looking good ad infinitum. Of course, according to their PR people, the intention is noble and uplifting with an altruistic vision to eliminate disease and improve quality of life for the ancient as well as those who merely look like they don't spend their nights in hyperbaric chambers while availing the benefits of vampire facials and blood transfusions from baby rodents. After all, nobody deserves to suffer through the horrors of aging such as wattle necks, warts, wrinkles, balding, liver spots, menopause, greying, aching joints, recalcitrant bowels, cognitive decline, and the tendency of society to ignore their senior citizens as well as the unfortunate looking or the obese and condemn them to enforced loneliness, irrelevance



and not-so-surreptitious scorn. The second most powerful lobby in the world—the influencers—reinforce this notion by urging people to be the best looking version of themselves and keep squawking about bio-hacking, supplements, fitness routines, cell rejuvenation, and 'legit' beauty products that guarantee a more photographic version of you on the morrow provided you are willing to make the investment today and buy truckloads of fat-free collagen and hyaluronic acid with glutathione pudding available in chocolate, passion fruit, and orange blossom flavours. Their feeds feature ads urging women, men, and children to try botox, dermal fillers, laser skin resurfacing, blepharoplasties, Ozempic, packets of powdered puppies, assorted aids and implements from a serial killer's basement, which the willingly gullible gobble up in the vain hope of looking as ethereal as Aditi Rao Hydari, exquisitely emaciated as Ariana Grande and age-defying as Malaika Arora. A lot of people are buying into the fallacious argument that if you look effortlessly good, skinny and exude an enviable 'glow' you will definitely be treated better and might even make a fortune, meet and keep the love of your life and truly enjoy all that glitters. Most are willing to go to extreme lengths, expend time, money and resources they can scarce afford to look luminous and just wow all the damn time! While a vast majority of cosmetic procedures are performed on women, men are catching up too, both risking invasive and painful surgery that may have damaging, and long-term physical and psychological implications. What emerges is not a pretty picture revealing how we have allowed our insecurities and inanities to get the better of us and degenerated into beastly beings who care only about how strangers view us through filters and refuse to work on how we feel about ourselves or forge real connections that translate into joyful, meaningful ways to experience life with loved ones.

Balanced tourism or we only go downhill

Letters Edwin Lutyens wrote to his wife while designing New Delhi reveal a deeply racist mind. That prejudice shaped how the new imperial capital for British India was built

When Edwin Lutyens—the British architect who designed imperial New Delhi and what is now Rashtrapati Bhavan—wrote about India, he was not always speaking in generalities. In one striking passage from his private letters (1912–14) describing Madras (now Chennai), he calls the people “degenerate—very dark, very naked” with “awful faces”, dismissing them even while noting that Freeman Freeman-Thomas, marquess of Willingdon, “says they are most unusually intelligent”. The evidence does not alter the judgement. It's simply ignored. The extracts cited here are drawn from Lutyens' private correspondence with his wife Emily, held in the archives of the Royal Institute of British Architects in London. While the letters have long been available to scholars, passages such as his remarks on Madras have remained largely overlooked in contemporary debates about his legacy. These letters, written while Lutyens was designing the new imperial capital for British India, now carry renewed relevance. The recent decision to remove his bust from Rashtrapati Bhavan and replace it with that of C Rajagopalachari has reopened questions about how India remembers those who shaped its colonial past. Seen in that context, Lutyens' private views matter. They are not isolated remarks. Across his correspondence, he returns to the same themes with striking consistency. India, for him, is “barbaric”. Its aesthetics are “childishly vulgar”. Its cities repel him with “dirt, filth... stench and hideousness”. Its religion—dismissed as “bull, cow and monkey worship”—is treated as absurdity rather than belief. Its people appear as “every sort of black body doing every sort of thing”. At times, the language is cruder still. He refers to Indians as “niggers” and “blackamoors”, complains that “some fat blacks” have occupied a ladies' carriage, and mocks what he sees as their inability to use basic facilities. Even the sons of Indian princes are reduced to caricature, observed with a mixture of condescension and disdain.

Even in architecture, his judgements follow the same line. The Taj Mahal is “wonderful”, but “not architecture”. Indian buildings are dismissed as “tents in stone”. Indian craftsmen produce “hideous vulgarities”, lacking any real understanding of construction. More revealing still is the theory behind the contempt. Lutyens writes that he does not believe there is “any real Indian architecture or any great tradition”, describing it as “the building style of children”. What is admirable, he suggests, comes from elsewhere—“an Italian or a Chinaman”. India, in this view, must be taught: Western tradition must intervene so that Indians can learn to

“think in three dimensions”. At one point, reflecting on Indian artisans, he goes further. The difficulty, he writes, is finding the right men: “Government ought to breed them... A job for the Eugenic Societies.” This is not casual prejudice. It's a worldview. And it extends into politics. Lutyens describes the nationalist movement as children rebelling

country but in “the people and their minds”—a distance he resolves not by understanding, but by reduction. He was not an observer passing through India. He was designing its imperial capital. The buildings that followed—most notably Rashtrapati Bhavan—were intended to express authority, permanence and control. They were, in effect, architecture as ideology.

Seen in that light, the familiar features of Lutyens' Delhi take on a sharper meaning. The distance from the old city, the elevation of the imperial complex, the strict geometry of its layout—these are not simply aesthetic choices. They reflect a hierarchy the letters articulate openly. For decades, independent India has lived with—and adapted—that inheritance. Lutyens' buildings have been absorbed into the life of a democratic state, their meanings reshaped by use.

But the question of honour is separate from the question of use. The removal of Lutyens' bust from Rashtrapati Bhavan sits within a broader, longer process—visible in the renaming of roads, institutions and public spaces—through which India is reassessing the symbols of colonial authority. This is not erasure, but reordering: deciding who is honoured, and on what terms.

The afterlife of Lutyens' reputation is captured not only in stone but in objects. A caricature bust he kept in his Delhi office—wearing an Indian chhatra like a hat—was later taken back to London and now sits in a museum collection. The symbolism is difficult to ignore. Indian architectural forms are appropriated, stylised and made part of his self-image, even as the culture that produced them is dismissed in his letters. There will be those who argue that Lutyens should be judged in context—a man of his time, reflecting the assumptions of empire. That is true, as far as it goes. But the letters go further. They are explicit, repeated and argued. They reveal not just prejudice, but a coherent racial and civilisational hierarchy—one that spans culture, religion, aesthetics and political authority. And that hierarchy shaped how India was seen, and therefore how it was built. Lutyens' achievement is not in doubt. But neither is the distance he placed between himself and the people he was building for. His letters show a mind that could order space with brilliance, but could not—or would not—grasp the society around it except by diminishing it.



against their nurse. He writes that the “average Indian seems a hopeless creature” and suggests it will be years before Indians are “fit to govern themselves with any sense of justice or fairness”. Representative government, in his view, risks disorder rather than progress. He admits, too, to a deeper distance. “The horror of India has not gripped me at all,” he writes, adding that the real difficulty lies not in the physical

Manipur's woes: Violence poses new threat to stability

India, which will host the 2030 Commonwealth Games and has set its sights on the 2036 Olympics, must go all out to improve its image

THE recurrence of violence in Manipur, just two months after an elected government was reinstated, is an alarming sign that peace in the northeastern state must not be taken for granted. Two persons, including an ex-serviceman, were shot dead by suspected militants in an ambush in Ukhrul district on Saturday, while two kids were killed in a bomb attack at Tronglaobi in Bishnupur district on April 7. Clashes between protesters, who are seeking the arrest of the perpetrators, and security forces have rocked districts of the Imphal valley. The ambush comes amid appeals for dialogue and reconciliation. The fact that renewed calls for peace are being ignored reflects the depth of mistrust and the volatility of the situation. The state government's prompt decision to hand over the Ukhrul and Bishnupur cases to the National Investigation Agency indicates a sense of urgency, but it is not a solution in itself. There is a dire need to



address the underlying causes that continue to trigger cycles of violence. Competing narratives, mutual suspicion among communities and the quick spread of misinformation have created an environment where

even isolated incidents risk triggering wider unrest. Public anger is palpable, but it is also apparently being fuelled by rumours and inflammatory rhetoric.

The government's assertion that the law-and-order situation is “sensitive but under control” seems divorced from the lived reality of people on the ground. Manipur's path forward must rest on sustained dialogue, accountability and community engagement. Security operations are necessary to curb immediate threats, but they must be complemented by efforts to rebuild trust and address grievances. Peace cannot be imposed—it should be negotiated, nurtured and protected by all stakeholders. Until then, each new incident of violence will continue to erode hope, pushing the state further away from lasting stability. Manipur has suffered untold misery over the past three years; the onus is on the “double-engine” government to give the healing touch right now.

Teflon Trump keeps winning the war for attention

Where traditional politicians trade in credibility (fragile or fluctuating), Trump deals in defiance. He pre-bunks every critique, pre-labels every attack, and also pre-loads every scandal into a persecution playlist

It starts, as it so often does, with Teflon Trump as the spectacle. He is the showman supreme, chaos conductor or headline hijacker. The image of POTUS cosplaying Christ isn't just non-biological ego-core AI cocaine; it's message-maxxing. Translation for the timeline: “validation is mid, I'm the main character.” Whether it's a “woke pope” or elite echo chambers clutching pearls, the vibe he's pushing is simple: disapproval equals dopamine. The more his attackers seethe, the more his squad solidifies behind him. What looks cringe to critics reads as courage to his crowd, not absurd but assertive, and not bizarre but based.

Which is why the evergreen take from liberal media that he's “losing his base” feels like pure copcore. Trump's bond with his base isn't policy-pilled or decorum-driven; it's identity-coded, emotion-loaded, and borderline tribal-coded. Every drag is reframed as an attack on them. Every scandal becomes saga, every critique becomes confirmation. Pressure doesn't break the bond—it buffs it, polishes it, turns it into something harder, louder, stickier. History, when it's not busy being aesthetic propaganda, is messy. Take Iran, for instance. Critics dissed ceasefire talks as failure. But from Trump's POV, it's more chessboard than checklist. Control the currents, command the game, especially around chokepoints like the Strait of Hormuz. If energy is power, then disruption isn't defeat. It's leverage. Maritime muscle over multilateral meetings is less “peace process,” and more of “power play.” And here's the core disconnect: where critics see chaos; supporters see strategy. Same soundbite, different subtitles; talk of oil, territory, and force projection seems reckless to some, but refreshingly real to others. That split-screen

perception is the whole story. Then there's the culture war carousel. Trump-bashing isn't just critique—it's community content. Eye-rolls, hot takes, doom threads are all ritual—identity affirmation dressed as analysis. But Trump? He doesn't dodge the discourse, he dominates it. Criticism doesn't sideline him; it spotlights him. Keeps him trending, talking, and top-of-feed. The outrage isn't starving him; instead it's feeding him. History doesn't do copy-paste, but it does rhyme. Julius Caesar knew being branded a threat to the establishment made him the popular alternative. Charles de Gaulle turned exile into epic comeback. Trump taps that same energy, only sped up, scaled up, and meme'd up. Faster backlash, faster bounce-back, faster myth-making is his shtick. The storm doesn't pass; it refreshes. And Trump rides it. So the opposition spirals into satire mode: a content farm of caricature. Unflattering frames, memeified meltdowns, headline hysteria—“unhinged,” “panicked,” “midnight meltdown.” The media montage tries to become myth. They storyboard his downfall, script his exit, poll his extinction. Remember the confident calls about Kamala Harris sweeping him aside? But here's the glitch: the mockery doesn't land lethal. The laughter loops, but he lingers. He respawns. Resets. Rebrands. What should cancel him instead catapults him. In the attention economy, outrage isn't oxygen depletion, it's oxygen delivery. And Trump's got the lungs. Trumpian rhetoric runs like a rollercoaster reel: one day “almost done,” next day “stone age strategy,” destiny-drenched declarations dropping like dramatic trailers. This is not inconsistency; it is suspense as statecraft. It is governance as a form of narrative nudging. Thus Donald Trump fits the glitch-in-the-

matrix lineage, not in a neat category but as a recurring disruption. He is part thunder, part theatre kid, part funhouse mirror nobody ordered from Amazon but everyone's forced to stare into. For a lot of liberal culture, he isn't just wrong, he's shaped all wrong. Don't call him misguided, but as grammatically illegal in the



language of polite public life. Liberalism prides itself on soft-tone signalling, empathy aesthetics, and carefully choreographed caution. But Trump? He's the bull in the brunch café, not just breaking the porcelain but asking why the porcelain mattered. He doesn't just dissent; instead he disdains. And that hits different. Across the Atlantic, the energy shifts but the side-eye stays. European leaders are watching with curated concern.

Where they conduct with batons, Trump bangs the drum. Percussion over precision, leverage over legacy is his philosophy. The real issue about him isn't about disagreement but his unpredictability. In diplomacy, unpredictability is the ultimate plot twist. Still, in a world where power flexes louder than it whispers, his wavelength summed up by visibility, velocity, and victory feels weirdly legible, even when it's not likeable. Therefore the myth, the meme, the mantra: Teflon Trump. Not because nothing hits but because nothing sticks. Where traditional politicians trade in credibility (fragile or fluctuating), Trump deals in defiance. He pre-bunks every critique, pre-labels every attack, and also pre-loads every scandal into a persecution playlist. The Trump trope feels algorithmic: outrage in, allegiance out. There's historical echo energy here: figures who knew that being besieged keeps you boosted, that opposition equals oxygen, that storms aren't survived but surfed. So what you get isn't a clean conclusion but a chaotic collage. A man who's both product and producer of his moment. A walking feedback loop and the reminder that in politics, the most confusing characters are often the most persistent ones.

So we circle back to the enigma: Teflon Trump. Where war becomes theatre, he turns deadlines into drama, and danger into narrative fuel. The spectacle is as real as the stakes. Trump doesn't just play the expected role; he rewrites the script mid-scene. Big strokes, bold edits, constant cliffhangers. And the world watches, wondering: is this the final act, or just another episode drop. But then Donald Trump is no Apprentice at being Donald Trump. Don't you think it trumps everything else?

Housing prices in Bengaluru may further rise up to 40%; THIS is the reason

New Delhi, (Agency)

A report by Colliers has highlighted that the tech hub city's rapid economic and real estate growth, fuelled by the expansion of the technology sector since the 1990s, is set to accelerate further with ongoing infrastructure development. It also highlighted that Bengaluru leads globally in tech talent availability, with nearly twice as many professionals as the next largest city. Along with the presence of multinational firms, startups, and a strong industrial ecosystem, this has positioned the city among India's fastest-growing real estate markets. Infrastructure development, including roads, expressways, Metro connectivity and airport expansion emerged as a major growth driver, particularly in easing congestion and unlocking new real estate corridors. The Metro network, comprising multiple lines at different stages is expected to play a crucial role in shaping future demand. While the Purple and Green Lines have already boosted office, residential and warehousing activity across key corridors, the recently operational Yellow Line and upcoming Pink Line are likely to further transform the city's real estate landscape, according to the report.

The Yellow Line network has improved connectivity to major employment hubs such as Electronic City, while the Pink Line is expected to decongest central and southern parts of the city, enhancing access to key commercial and residential zones.

The report has projected that office space demand in key micro-markets such as CBD, SBD 2 and Electronic City could reach up to 7 million square feet over the next two years, with rentals likely to rise by 5-10 per cent. Residential markets are already witnessing strong traction, with housing prices in key locations projected to rise by up to 40 per cent, driven by improved connectivity and increased developer activity.

Opting for New Tax Regime? Even your Rs 14.65 lakh salary can be tax-free -- Calculation explained

New Delhi, (Agency)

Under the New Tax Regime, individuals with a net taxable income of up to Rs 12 lakh per annum pay zero income tax for the financial year 2025-26. If you are earning a Rs 14.65 lakh salary, it could be tax-free just like someone who is earning Rs 12 lakh. Under the New Income Tax Regime, you can pay zero income tax even with a salary of Rs 14.65 lakh by strategically utilising deductions. A standard deduction of Rs 75,000 is available for salaried individuals under the New Tax Regime. While most taxpayers believe that the new regime only offers a standard deduction of Rs 75,000, they must note that employer contributions and retirement benefits are highly tax-efficient. When a deduction strategy is applied, employees can make their salary of Rs 14.65 lakh tax-free. If you contribute to the National Pension Scheme (NPS) you can deduct up to 14 percent of your basic salary invested in NPS. Employer NPS contributions up to 14 percent of basic salary plus DA are tax-free under Section 80CCD(2) in the new tax regime.

EPF contribution

The employer's contribution to the Employees' Provident Fund (EPF) is also tax-free. 12 percent of the basic salary plus DA contributed by the employer to EPF is tax-exempt.

Crude oil prices near \$100 again as Strait of Hormuz remains constrained

New Delhi, (Agency)

Global crude oil prices edged higher to nearly \$100 a barrel on Wednesday as traders and investors analysed the outlook for US-Iran peace talks following US President Donald Trump's announcement to extend a fragile ceasefire, even as the Strait of Hormuz remained constrained.

International benchmark Brent crude futures traded at \$99.29 per barrel, up 0.82 per cent, while US West Texas Intermediate (WTI) rose 1.15 per cent to \$90.71. Both benchmark contracts had gained around 3 per cent in the previous session. On the Multi Commodity Exchange (MCX), crude oil declined from previous close levels, hitting an intraday low of Rs 8,382, down 0.65 per cent or Rs 55 as of around 10:30 am.

Market sentiment remained cautious after Trump said he would indefinitely extend the ceasefire with Iran to allow more time for negotiations, after initially setting a two-week period. Moreover, the naval blockade continued, with the Strait of Hormuz remaining constrained. In a social media post, Trump claimed that Iran was 'collapsing financially' and 'losing \$500 million a day', adding that Tehran was keen to reopen the Strait of Hormuz. Shipping activity through the Strait of Hormuz -- a critical route for nearly 20 per cent of global energy supplies -- remained largely stalled, with minimal vessel movement reported in the past 24 hours, according to reports. Adding to tensions, Iran has indicated it may attempt to break the blockade.

In equities, markets showed mixed performance globally. Domestic equities traded lower, with both benchmark indices, Sensex and Nifty, declining about 1 per cent each amid selling pressure in IT, banking and auto stocks such as Infosys, HCL Tech, Tech Mahindra, ICICI Bank, HDFC Bank, Eicher Motors and M&A. On the global front, markets traded mixed. In Asia, the Nikkei rose 0.61 per cent, while the Hang Seng declined 1 per cent and the KOSPI traded marginally lower. In the US, Wall Street closed in negative territory, with the S&P 500 falling 0.63 per cent to 7,064 and the Nasdaq ending 0.6 per cent lower at 24,259.96.

RBI changes auto-debit rules: Your Netflix, SIPs and bill payments may get easier

New Delhi, (Agency)

Paying monthly subscriptions, SIPs, insurance premiums, credit card bills and utility charges may soon become less frustrating for many users. That is because the Reserve Bank of India (RBI) has changed its recurring payment rules, allowing many auto-debit transactions of up to Rs 15,000 to go through without asking for a fresh OTP every single time.

In simple terms, if you have already approved an automatic payment once, future monthly payments within the allowed limit can happen more smoothly.

WHAT HAS CHANGED

Recurring payments up to Rs 15,000 can now be processed without fresh authentication each cycle once the mandate is registered. This means many common monthly payments such as subscriptions, SIP instalments, maintenance bills, broadband charges or utility bills may no longer fail just because you missed an OTP message.

For many users, that removes one of the biggest irritations in digital payments.

WHY THIS MATTERS FOR USERS

A lot of recurring payments fail for avoidable reasons. Sometimes the OTP arrives late. Sometimes the phone has no signal. Sometimes users miss the message entirely. In other cases, people are asleep or travelling when the payment request comes through. That can lead to interrupted subscriptions, missed SIP dates, insurance payment delays or credit card penalties. THE FIRST PAYMENT STILL NEEDS APPROVAL

This is important. No company can simply start taking money from your account automatically. When you first set up auto-pay, you still need to approve it using OTP or another authentication method. Only after that first approval can future recurring payments happen automatically within the permitted limits. So customers still remain in control.

BIG RELIEF FOR CREDIT CARD BILLS

AND INSURANCE

RBI has also allowed a higher limit of Rs 1 lakh for certain categories such as insurance premiums, mutual fund



subscriptions and credit card bill payments. This could help users who make large recurring payments and often face payment delays due to repeated authentication requests. For example, someone paying a high insurance

premium or clearing a large monthly card bill may now face fewer hurdles.

YOU WILL STILL GET ALERTS

The rule does not remove warnings. Banks must continue sending pre-debit alerts before money is deducted. That means users should still receive advance notice showing the amount, merchant name and payment timing. You should also receive confirmation after the payment is completed.

So while payments may become smoother, they should not become invisible.

GOOD TIME TO CHECK AUTO-PAY MANDATES

This is a good time to check all active auto-pay mandates linked to your bank account, card or UPI apps. Many people continue paying for subscriptions they forgot about, duplicate services, unused memberships or old cards still linked to recurring charges. The easier auto-pay becomes, the more important it is to track where your money is going.

Infosys declined 2.8%, Tata Consultancy Services slipped 1.9%, while Tech Mahindra dropped 4.2%.

New Delhi, (Agency)

Summer is starting to take full effect, and as temperatures rise, many are reaching for that familiar, chilled silver can of Diet Coke to beat the heat.

But this year, the go-to sugar-free drink may not be as easy to find. Across cities, shelves are running dry just when demand is at its peak, leaving consumers wondering why their usual refreshment is suddenly missing. What looks like a simple stock-out, however, is tied to a much larger global disruption, one that begins with aluminium and stretches all the way to a conflict in the Middle East. SHORTAGE THAT STARTS WITH THE CAN

The problem is not the drink itself, but what it comes in. A shortage of aluminium beverage cans is hitting supplies of Diet Coke and other canned drinks across cities. Unlike other colas that are widely available in plastic bottles or glass, Diet Coke is largely dependent on cans. That makes it more exposed when aluminium supply

tightens. At the same time, demand for sugar-free and low-sugar drinks has surged sharply. Sales in this segment have doubled over the past year,



creating a mismatch where demand is rising just as supply is getting constrained.

THE GLOBAL ALUMINIUM SHOCK

Behind this shortage is a sharp and sustained spike in aluminium prices.

Globally, aluminium has surged to four-year highs on the London Metal Exchange, touching \$3,672 per tonne earlier this month. In India, prices have

climbed to around Rs 375 per kg.

What makes this surge significant is not just the price, but the scale of disruption behind it. The global aluminium market is currently witnessing a "black swan" event, a rare and unpredictable shock, reported news agency Reuters.

Nick Snowdon, head of metals and mining research at commodity trader Mercuria, told Reuters, "The scale of the supply shock we're seeing in the aluminium market is probably the largest single supply shock a base metals market has suffered in the post-2000 era." "We are already in a 'black swan' event. No one could have foreseen something on this scale," he told Reuters.

WHY THE MIDDLE EAST WAR IS TO BLAME

The trigger for this disruption lies in the ongoing conflict involving Iran.

The Middle East accounts for about 7 million metric tonnes of aluminium smelting capacity — roughly 9% of global supply.

RBI updates e-mandate rules for transactions over Rs 15,000. Check details

New Delhi, (Agency)

The Reserve Bank of India has tightened and clarified rules around recurring payments, introducing a clearer framework for auto-debits under its e-mandate system. The move aims to make digital payments smoother while ensuring stronger customer protection across platforms such as UPI, cards and prepaid instruments. Under the new guidelines, recurring payments of up to Rs 15,000 will not require a one-time password (OTP). However, transactions above this threshold will need additional authentication, marking a key shift in how automatic payments are processed. WHAT HAS CHANGED The biggest takeaway from the new framework is the Rs 15,000 limit.

Payments up to Rs 15,000 can be processed automatically without OTP. Payments above Rs 15,000 will

require additional factor authentication. There is, however, a key exception.

Payments such as insurance premiums, mutual fund subscriptions and credit card bills between Rs 15,000 and Rs 1



lakh can still go through without OTP under specific conditions. The new rules apply across:

UPI auto-pay Debit and credit cards Prepaid payment instruments MANDATORY ALERTS BEFORE AND AFTER PAYMENT

To strengthen customer control, RBI has made alerts compulsory.

Customers must receive a pre-debit notification at least 24 hours before the transaction, clearly mentioning:

Merchant name, amount, and date of debit Users will also have the option to cancel or opt out before the money is deducted. In addition, post-debit alerts are also mandatory, ensuring customers are informed after every transaction along with details on grievance redressal. NO CHARGES FOR E-MANDATE

The central bank has also clarified that no charges can be levied on customers for setting up or using e-mandates. For card users, existing mandates can be mapped to reissued cards, ensuring continuity. Banks and payment service providers have been tasked with ensuring merchants comply with these rules.

NSE nears IPO after Sebi panel clears Rs 1,800 crore settlement

The Securities and Exchange Board of India (Sebi) expert panel has approved NSE's proposal to settle long-pending cases by paying around Rs 1,800 crore.

New Delhi, (Agency)

After nearly a decade of delays, India's largest stock exchange may finally be inching towards its long-awaited public listing. The National Stock Exchange's (NSE) IPO, first proposed in 2016, is back in focus after a key regulatory hurdle appears to have been cleared.

The Securities and Exchange Board of India (Sebi) expert panel has approved NSE's proposal to settle long-pending cases by paying around Rs 1,800 crore, reported The Economic Times. The move is seen as a significant step towards resolving issues that have held up the IPO for years. The approval comes from a four-member



expert committee on settlement orders, chaired by former Calcutta High Court Chief Justice Jai Narayan Patel. The panel has cleared NSE's applications related to the colocation and dark fibre cases, which have been among the biggest regulatory concerns.

The recommendations will now be placed before Sebi's whole-time members for final approval. If cleared, it could pave the way for NSE to revive its IPO plans.

WHY NSE'S IPO WAS STUCK

The NSE IPO has been one of India's most closely watched yet repeatedly delayed public offerings. Since filing its draft papers in 2016, the exchange has faced multiple roadblocks, including: Allegations in the colocation case Governance lapses Concerns around technology infrastructure These issues led Sebi to withhold approval, keeping the IPO in limbo for years.

The proposed settlement is being seen as a turning point. As per the report, NSE has offered to pay about Rs 1,800 crore to settle the cases — one of the largest such payments in India's regulatory history. The settlement mechanism allows entities to resolve disputes by paying a penalty without admitting or denying wrongdoing. WHAT THIS MEANS FOR THE IPO

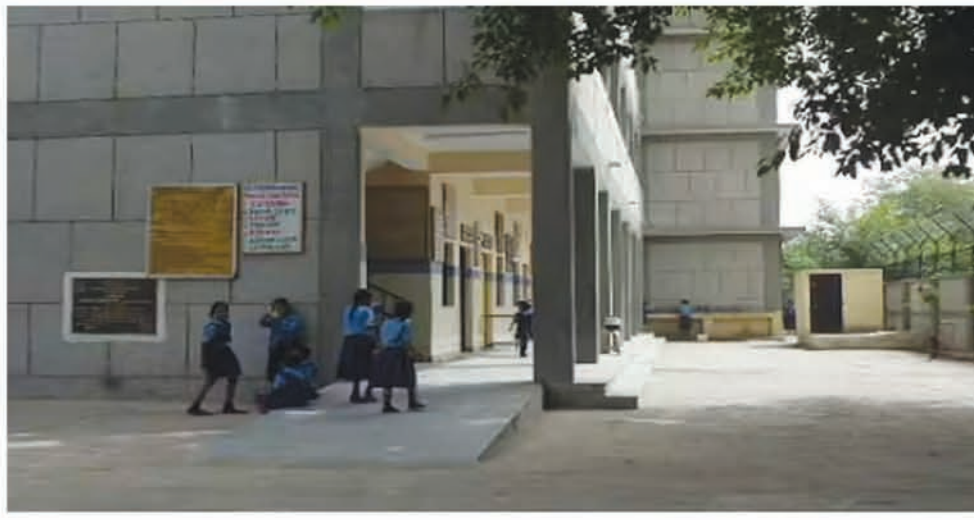
The development is being viewed as a major positive for NSE's listing ambitions.

With regulatory uncertainty easing, the path for the IPO could become smoother. The exchange has made multiple attempts over the years to get approval, including filing fresh settlement applications in 2024 and 2025. Earlier, NSE had also paid Rs 643 crore to settle a related case, signalling its intent to resolve legacy issues and move forward. The final decision now rests with Sebi's whole-time members. If they approve the settlement, it could clear one of the last major hurdles for the IPO. For investors and the broader market, this could mark the revival of one of India's most anticipated listings.

18 inspectors posted to strengthen infrastructure oversight in MCD schools

School inspectors, appointed zone-wise, are tasked with monitoring schools in terms of performance, activities, quality of education, and infrastructure.

New Delhi.(Agency)
The Municipal Corporation of Delhi has posted 18 School Inspectors (LACs) across several zones, signalling a recalibration of monitoring within its education department. School inspectors, appointed zone-wise, are tasked with monitoring schools in terms of performance, activities, quality of education, and infrastructure. Each inspector typically oversees 30-35 schools in a zone and plays a critical role in ensuring attendance and compliance with academic and administrative standards. Of the 81 sanctioned the inspectors posts, 18 have now been filled through this order, with more postings expected in the coming days to strengthen ground-level monitoring and checks. According to an office order issued by the MCD's Central Establishment Department on April 20, officials have been posted in zones including West,



Keshavpuram, Shahdara (North and South), Rohini, Civil Lines, Karol Bagh, Narela, and Central. The order directs all officers to report to their respective Zonal Deputy Directors of Education with immediate effect. "Efforts were made to fill vacancies by issuing orders for 63 positions, but many declined,

resulting in a low uptake, with only 18 officials agreeing to take up the role," an official said. "In order to address this, the department also maintains a reserve list and is continuing to persuade more candidates," the official added, noting that despite reluctance, more inspectors to be posted soon. "The inspectors act as a key link between school principals and higher authorities and are responsible for inspecting schools, identifying operational and academic issues, and monitoring teaching and implementation on the ground," the official further said. **Shortage hits inspection** "Ideally, each inspector is expected to oversee around 30-35 schools, but due to the shortage, this ratio has been difficult to maintain. The postings are part of an effort to strengthen zonal infrastructure," official said.

Fake antacid powder and coffee products syndicate busted, four men arrested

New Delhi.(Agency)
Delhi Police have arrested four men busting a racket involved in illegal manufacturing, stocking, and distribution of spurious antacid powder and counterfeit coffee products in the Madhu Vihar area. These fake products were being supplied through wholesale and retail channels across the country. The accused have been identified as Uttam Das (23), Papai Das Baragya alias Pankaj (19), Nitin Bhardwaj (38), and Sanjay Bansal (50), all residents of Delhi. Police have recovered three single-track filling machines with compressors, around one lakh antacid sachets, approximately 50,000 coffee sachets (both ready for distribution), raw materials, including around 500 kg of coffee powder and two drums of acids, two hot guns and other tools, and packaging materials such as foil paper rolls, stickers, boxes, cartons, and gunny bags. Acting on a tip-off, police conducted raids in Madhu Vihar, where two illegal manufacturing units were found operational. The units were active under the supervision of Uttam, with assistance from labourer Papai, Deputy Commissioner of Police (crime) Rahul Alwal said.



Uttam and Papai revealed that the units had been operational for the past two months in two rented 2-BHK flats under the direction of Bhardwaj. Bhardwaj was nabbed from Dehradun in Uttarakhand. He disclosed his association with Bansal, who was also apprehended near Kashmere Gate, while attempting to leave the city, the DCP said.

India signs Rs 975 crore deal to boost minefield breaching capability

New Delhi.(Agency)
India has taken a significant step to strengthen its battlefield mobility, with the Ministry of Defence signing contracts worth Rs 975 crore for the procurement of TRAWL assemblies for T-72 and T-90 tanks. The agreements were inked on April 21, 2026, in New Delhi in the presence of Defence Secretary Rajesh Kumar Singh, with Bharat Earth Movers Limited and Electro Pneumatics and Hydraulics (India) Private Limited tasked with supplying the equipment. The TRAWL system, developed by the Defence Research and Development Organisation, is designed to enhance



the Indian Army's ability to breach minefields. It enables the creation of safe lanes for armoured vehicles, particularly in areas with anti-tank mines equipped with proximity magnetic fuses, thereby improving operational effectiveness in combat scenarios. Officials said the procurement falls under the "Buy (Indian-Indigenously Designed, Developed and Manufactured)" category, underscoring the government's push for self-reliance in defence manufacturing under the Aatmanirbhar Bharat initiative. Beyond military capability, the project is also expected to provide a boost to domestic industry, with potential for significant direct and indirect employment generation, particularly through the MSME sector involved in component manufacturing.

CBSE three-language policy sparks anxiety, confusion among parents

New Delhi.(Agency)
As the Central Board of Secondary Education (CBSE) pushes forward with its revised three-language policy, parents across India are grappling with uncertainty, frustration, and, in some cases, difficult personal decisions regarding their children's education.

In conversations across parent groups—both online and within school communities—the dominant concern is not the idea of multilingual learning, but the manner of its implementation. Many parents believe the policy feels rushed and poorly planned.

"We are not against languages," said a parent from Delhi and a member of the Educators Federation. He questioned, "But

In conversations across parent groups—both online and within school communities—the dominant concern is not the idea of multilingual learning, but the manner of its implementation.



how do you introduce a new subject when there are no textbooks, no trained teachers, and no clarity on assessment?"

A recurring worry is what parents call the "English dilemma." While the policy encourages two Indian languages, parents argue that English remains essential for higher education and careers. "In reality, English becomes compulsory anyway," another parent noted. "So where is the choice?"

Families with transferable jobs, particularly those in central government services, are among the most distressed. Frequent relocations across states mean children may have to restart learning a new regional language every few years. "My child has already studied three different languages in five years," said a government employee. "Now we're being told to add another. It's not learning, it's disruption," she added.

Delhi HC pulls up authorities over 'security' of judicial officers

New Delhi.(Agency)
The Delhi High Court on Tuesday pulled up Delhi Police and government authorities over the lack of proper security for judicial officers, saying their approach was "affecting judicial independence". The judge noted that the district court judges deal with heavy case-loads and are "exposed to risks".

Justice Manoj Jain, while hearing a plea seeking Personal Security Officers (PSOs) and proper safety arrangements for district court judges, said that authorities cannot wait for an untoward incident before acting. "You are affecting judicial independence," the judge said and asked the authorities why protection was not provided "despite clear risks", adding that the demand for round-the-clock security appeared justified and deserved proper consideration. The court also expressed unhappiness with the response of the authorities concerned for their lack of seriousness, terming it

"insensitive" after noting that the earlier meeting on the issue failed to address key concerns and did not include some important officials.

During the hearing on Tuesday, the court also declined to take the minutes of the earlier meeting on record and directed that a fresh meeting be convened within seven days.

"Return with concrete and workable suggestions," the judge asked the authorities concerned. The matter is now listed for hearing on May 12. The judge made the observation after senior advocate Kirti Uppal, appearing for the Judicial Service Association, informed the court that several states have already provided security to judicial officers, but similar steps have not been effectively taken in Delhi. The bench also noted that restricting security to a limited number of officers or specific categories was not justified. It had earlier directed senior the Union Home Ministry, Delhi government, and Delhi Police to examine the issue of security for district court judges.



Operation Sindoor one year on reshapes India's military doctrine

One year after Operation Sindoor, India has strengthened its defence doctrine, accelerated indigenous procurement, expanded drone capabilities and enhanced tri-service coordination, marking a decisive shift towards technological self-reliance and a faster, more integrated military response to emerging security threats.

New Delhi.(Agency)
One year after Operation Sindoor, India's armed forces have undergone a significant transformation marked by a new military doctrine, rapid technological upgrades and expanded defence capabilities. The operation, launched in response to the Pahalgam terror attack in April 2025, has emerged as a defining moment in shaping India's security strategy.

The government's updated doctrine makes it clear that dialogue and terrorism cannot coexist, signalling a firm commitment to decisive retaliation against any act of terror. Over the past year, this approach has translated into aggressive procurement, enhanced operational readiness and a strong push toward self-reliance in defence technology. The Ministry of Defence has accelerated acquisitions across critical areas such as drone



warfare, layered air defence systems and electronic warfare. Hundreds of drones, including kamikaze and FPV variants, have been inducted into the Indian Army, significantly boosting battlefield capabilities. Structural reforms within the Army have also been introduced under the leadership of Chief of Army Staff General Upendra Dwivedi. New tactical formations such as Rudra Brigades, Divyastra Batteries, Bhairav

Battalions and specialised drone units known as Ashni Platoons have been established to act as force multipliers, particularly along the northern borders. Infrastructure and connectivity in these regions have also seen notable improvements. Operation Sindoor also underscored the importance of joint military operations. Enhanced coordination between the Army, Navy and Air Force has since been reinforced through multiple tri-service exercises, including Exercise Trishul, validating India's integrated warfare approach. Prime Minister Narendra Modi further announced Mission Sudarshan Chakra, an ambitious initiative aimed at strengthening offensive capabilities and countering enemy threats with speed and precision. The mission envisions a comprehensive national security shield covering public spaces by 2035.

Pink Saheli Smart Card catering to more than 5 lakh users: Government data

Chief Minister Rekha Gupta said the achievement reflects not only the success of the scheme but also the growing confidence and participation of women in the capital's public transport system.



New Delhi.(Agency)
More than 5 lakh women have availed the Delhi government's 'Pink Saheli Smart Card' scheme so far, according to the latest data. All 5.3 lakh cards are currently in active use. Chief Minister Rekha Gupta said the achievement reflects not only the success of the scheme but also the growing confidence and participation of women in the capital's public transport system.

She said that when public transport is safe and accessible, it naturally opens up greater opportunities in education, employment and overall progress. "This initiative is helping women become more independent, which is central to the vision of a developed Delhi," she added.

The card operates on a 'tap-and-go' system using the National Common Mobility Card (NCMC) framework, eliminating the need for paper tickets. Women can simply tap the card on electronic ticketing machines (ETMs) and board buses with ease.

It enables free travel for women and transgender persons on buses, while also allowing paid use across the Metro and other modes of public transport, making it a truly integrated mobility solution. The scheme is available to all women and transgender residents of Delhi aged five and above.

The card can be recharged online, and users can track their travel history, ensuring transparency and efficiency. The digital system has also improved transport data management, enabling authorities to further enhance service delivery.

NEWS BOX

"China's Client": Former US NSA Questions Pak's Role In Iran Talks

VIENNA. (Agency)

Former US National Security Advisor (NSA) H.R. McMaster has cast doubt on Pakistan's role in Iran-related diplomacy, describing it as a "client" of China and warning of "ulterior motives" in its mediation efforts. "I think what you have to do is consider Pakistan as certainly a client of the Chinese Communist Party," McMaster told IANS in an exclusive interview when asked about the role of Pakistan in mediating between the US and Iran. The second round of talks between Iran and the US in Islamabad was called off by President Donald Trump on Tuesday afternoon (local time). McMaster, in response to a question, argued that Beijing has a vested interest in preserving the current Iranian regime. "The Chinese Communist Party... is desperate to keep the Islamic Republic... in power in Iran," said McMaster, who served as the national security advisor to President Trump in his first term. Given that context, McMaster suggested Pakistan's offer to broker talks may not be neutral. "There is probably an ulterior motive here in offering their good offices to broker these talks," he said.

Drawing on his experience, McMaster delivered a blunt assessment of Pakistan's security establishment. "My experience with the Pakistani army has been one of great disappointment," he said. He accused Pakistan of pursuing a dual-track approach in security cooperation. "Pakistan often offers to be your friend and to assist... in counter-terrorism efforts... while at the same time... they're supporting your enemies," he said. Referring to long-standing concerns raised by India, he added that such behaviour is not new. "They've been using terrorist organisations as an arm of their foreign policy since the late 1940s," he said.

US Sanctions Target Iranian Weapons, UAV Procurement Networks

TEHRAN. (Agency)

The United States has imposed sanctions on 14 individuals, entities, and aircraft linked to Iran, targeting networks involved in procuring and transporting weapons and components for the Iranian regime, as per the release by the US Department of the Treasury. The action was announced by the US Department of the Treasury Office of Foreign Assets Control, which said those designated are based in Iran, Turkey, and the United Arab Emirates. The sanctions aim to disrupt supply chains supporting Iran's military capabilities. According to the Treasury, the move comes as the United States continues efforts to deplete Iran's ballistic missile stockpiles, while Tehran is attempting to rebuild its production capacity. Officials said Iran has increasingly relied on Shahed-series one-way attack drones to target US interests and allies, including critical energy infrastructure in the region.

"The Iranian regime must be held accountable for its extortion of global energy markets and indiscriminate targeting of civilians with missiles and drones," said Secretary of the Treasury Scott Bessent. "Under President Trump's leadership, as part of Economic Fury, Treasury will continue to follow the money and target the Iranian regime's recklessness and those who enable it," he said. The action builds on the implementation of National Security Presidential Memorandum 2, under which Washington has directed agencies to restrict Iran's ballistic missile programme, counter its development of both asymmetric and conventional weapons, and prevent it from acquiring a nuclear weapon.

2 CIA Officers Killed In Mexico Vehicle Crash After Anti-Drug Op: Report

Washington. (Agency)

Two US officials killed in a vehicle crash as they returned from destroying a clandestine drug lab in a rugged region of Mexico over the weekend were working for the CIA, according to a US official and two other people familiar with matter. Two Mexican investigators also were killed in the crash, which Mexican authorities said occurred while the officials were returning from an operation to destroy drug labs of criminal groups.

The CIA's involvement was confirmed on Tuesday by a US official and two people with knowledge of the crash who spoke on the condition of anonymity to discuss sensitive intelligence matters. The identity of the two Americans as CIA officers was earlier reported by The Washington Post. Confirmation of the CIA's involvement comes after days of contradictions from Mexican and US authorities about the role US officials played in an operation to bust a narco-laboratory in northern Chihuahua. The lack of clarity by authorities reignited a debate over the extent of US involvement in Mexican security operations at a moment when Mexican President Claudia Sheinbaum has come under extreme pressure by President Donald Trump's administration to crack down on cartels. The US Embassy has declined to identify who the officials were or which entity of the US government they worked for but said the officials were "supporting Chihuahua state authorities' efforts to combat cartel operations." On Tuesday, it did not comment on reports that the officials were with the CIA. The CIA also declined to comment on the identities of the Americans killed in the crash.

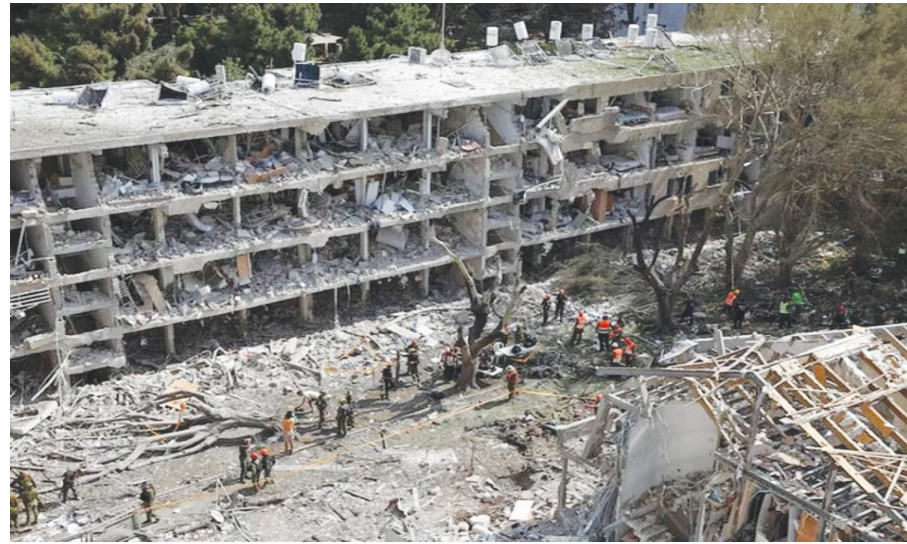
Local Mexican officials originally claimed that they were working together with US officials, then walked those comments back. Sheinbaum said she knew nothing of a joint operation between Chihuahua's government and the US, despite reports that the Mexican army was also involved in the raid on the lab. On Tuesday, the president maintained in her morning press briefing that she didn't know if the officials were part of the CIA, but she admitted that state officials and the US "were working together."

Hezbollah says attacked north Israel in response to Israeli truce violations

Hezbollah said in a statement that its fighters launched rockets and attack drones at a site in northern Israel that it said was the source of artillery shelling towards a south Lebanon town.

BEIRUT. (Agency)

Hezbollah said it launched an attack on northern Israel on Tuesday in retaliation for what it said were Israeli violations of a 10-day ceasefire, the first such claim since the truce began. Hezbollah said in a statement that its fighters launched rockets and attack drones at a site in northern Israel that it said was the source of artillery shelling towards a south Lebanon town. It said the move came "in defence of Lebanon and its people, and in response to the blatant" Israeli



ceasefire violations including "attacks on civilians and the destruction of their homes and villages". The Israeli military said Tuesday that Hezbollah "launched several rockets" towards soldiers stationed in south

Lebanon and that the military struck the launcher in response. It also said sirens had sounded in two northern Israeli communities after a drone fired from Lebanon was intercepted before crossing

into Israeli territory. Lebanon's official National News Agency (NNA) reported Israeli artillery shelling in several locations in the country's south on Tuesday.

It also said the Israeli army was continuing to blow up homes and infrastructure in several villages near the border, after reporting similar destruction in previous days. On Monday, the NNA said an Israeli drone strike hit a town in the country's south, with the health ministry saying six people were wounded.

Israel conducted huge strikes across Lebanon and invaded the south after Hezbollah entered the Middle East war in support of its backer Iran on March 2.

Despite the truce which began on Friday, Israeli soldiers are still active in south Lebanon, with Israeli Defence Minister Israel Katz saying on Sunday that troops would use "full force" if threatened.

Under the truce terms, Israel reserves the right to act against "planned, imminent or ongoing attacks".

'Every mum hopes to take her kids home': Giving birth in Lebanon's cramped shelters amid war

According to the UNFPA, an estimated 620,000 women and girls are displaced, including some 13,500 pregnant women, of whom 1,500 are expected to give birth within the next 30 days.

BEIRUT. (Agency)

Mariam Zein cradled her 11-week-old son on a mattress on the floor where she and her family have sheltered near Beirut since the Israel-Hezbollah war upended her young family's life. "I was really excited when I was in my ninth month of pregnancy... I never thought he'd be born and there'd be war," said Zein, 26, clutching baby Hussein. "I haven't been able to enjoy my son -- my first child... to see him getting bigger in his own bed, in his own home." "I was very sad, and I'm still sad," she told AFP, nappies and baby

formula wedged near a photocopier, clothes hanging on an improvised line in a training institute. Zein fled with



her husband, their baby and other relatives when war erupted between Israel and Hezbollah on March 2, drawing Lebanon into the Middle East conflict. She does not know if her home in south Lebanon is still standing. Lebanese authorities say more than 2,450 people have been killed in the war and more than one million displaced. A 10-day ceasefire came into effect Friday. Some 140,000 people had been squeezed into

overcrowded shelters like the centre in Beirut's suburbs housing Zein's family and around 500 other people, among them five pregnant women and others with young babies. Zein said she stopped breastfeeding because there was no privacy, and now struggles to buy baby formula, while Hussein is outgrowing his clothes. "Whatever happens I just want my son near me," she said. According to the United Nations Population Fund (UNFPA), an estimated 620,000 women and girls are displaced, including some 13,500 pregnant women, of whom 1,500 are expected to give birth within the next 30 days". The agency and other organisations have sought to support women as the authorities struggled to cope. In a small tent containing a portable ultrasound, obstetrician and gynaecologist Theresia Nassar has checked on women including Zein as part of a mobile health clinic run by charity Caritas Lebanon with support from UNFPA.

Pak PM thanks Trump as he cites Islamabad's request for Iran ceasefire extension; Vance visit called off

JERUSALEM. (Agency)

Pakistan Prime Minister Shehbaz Sharif on Wednesday thanked US President Donald Trump for extending the ceasefire with Iran, after Washington said the move was made at Pakistan's request amid stalled diplomatic efforts.

Sharif, in a post on X, said: "On my personal behalf and on behalf of Field Marshal Syed Asim Munir, I sincerely thank President Trump for graciously accepting our request to extend the ceasefire to allow ongoing diplomatic efforts to take their course." He added that Pakistan would continue its efforts for a negotiated settlement of the conflict and expressed hope that both sides would respect the truce and move towards a "comprehensive 'Peace Deal'" during a proposed second round of talks in Islamabad. US President Donald Trump had earlier

confirmed that the extension of the ceasefire was made following a request from Pakistan's leadership. He



said he had agreed to prolong the truce while awaiting a "unified proposal" from Tehran, and until discussions were concluded one way or the other. Trump also said the US military would maintain a blockade of Iranian ports and remain on standby during the extended ceasefire period.

The White House, earlier had said in a statement following Trump's announcement to extend the truce that Vice President JD Vance and the US negotiating delegation would not be travelling to Pakistan on Tuesday for the next round of talks. The White House did not provide details on whether in-person negotiations would be rescheduled. The ceasefire extension comes as diplomatic efforts to restart US-Iran talks remain uncertain. The two-week truce was set to expire on Wednesday, with both sides previously indicating they were prepared to resume hostilities if no agreement was reached. Iran has not yet confirmed participation in the proposed negotiations in Pakistan. A Foreign Ministry spokesperson said Tehran would only join talks if it believed they would produce results.

US puts negotiations with Iran on hold as ceasefire deadline nears

ISLAMABAD. (Agency)

Last-minute ceasefire talks between the United States and Iran looked uncertain Tuesday as a two-week truce was set to expire and both countries warned that, without a deal, they were prepared to resume fighting. U.S. Vice President JD Vance, expected to lead U.S. negotiators if talks continue, called off a trip to Pakistan, a U.S. official said. And Iran said it hadn't decided whether to participate. Pakistani leaders, including Prime Minister Shehbaz Sharif, worked intensively late Tuesday to get both sides to agree to a second round of ceasefire talks, according to two officials who spoke on condition of anonymity because they were not authorized to speak to the media. The ceasefire was set to expire Wednesday.

Iranian Foreign Ministry spokesman Esmail Baghaei told Iran's state TV there has been "no final decision" on whether to attend because of "unacceptable actions" by the U.S., apparently referencing its recent blockade in the Strait of Hormuz. As Vance put on hold traveling for more ceasefire

talks, President Donald Trump's special envoy Steve Witkoff and son-in-law Jared Kushner were expected in Washington on Tuesday afternoon for consultations about how to proceed, said an official, who spoke on condition of anonymity to discuss internal administration deliberations. The official cautioned that Trump could change his mind on negotiating with Iran at any minute, and declined to predict what would happen if the current ceasefire expires without another meeting in Islamabad but noted that Trump retains options short of restarting airstrikes.

Trump says he doesn't favor extending ceasefire. Both sides remain dug in rhetorically. Trump has warned that "lots of bombs" will "start going off" if there's no agreement before the ceasefire deadline, and Iran's chief negotiator said that Tehran has "new cards on the battlefield" that haven't yet been revealed.

An aerospace commander in Iran's Islamic Revolutionary Guard Corps threatened to destroy the region's oil industry if war with the United States resumes. Gen. Majid

Mousavi told an Iranian news site that "if southern neighbors allow the enemy to use their facilities to attack Iran, they should say goodbye to oil production in the



Middle East region." The ceasefire, which began April 8, could be extended if talks resume, though Trump said in an interview Tuesday with CNBC: "Well, I don't want to do that." "We don't have that much tie," Trump said, adding that Iran "had a choice" and "they have to negotiate."

White House officials have said that Vance

would lead the American delegation, but Iran hasn't said who it might send. Iranian state television on Tuesday broadcast a message saying that "no delegation from Iran has visited Islamabad... so far." US says its forces board sanctioned oil tanker

On Tuesday, the U.S. said its forces boarded an oil tanker previously sanctioned for smuggling Iranian crude oil in Asia. The Pentagon said in a social media post that U.S. forces boarded the M/T Tifani "without incident."

The U.S. military did not say where the vessel had been boarded, though ship-tracking data showed the Tifani in the Indian Ocean between Sri Lanka and Indonesia on Tuesday. The Pentagon statement added that "international waters are not a refuge for sanctioned vessels." The U.S. military on Sunday seized an Iranian container ship, the first interception under a blockade of Iranian ports. Iran's joint military command called the armed boarding an act of piracy and a violation of the ceasefire.

US court rules Texas public schools can display Ten Commandments in classrooms

DALLAS. (Agency)

Texas can require the Ten Commandments to be displayed in public schools, a US appeals court ruled Tuesday in a victory for conservatives who have long sought to incorporate more religion into classrooms. The 9-8 decision by the 5th US Circuit Court of Appeals delivered a boost to backers of similar laws in Arkansas and Louisiana. Opponents have argued that hanging the Ten Commandments in classrooms proselytizes to students and amounts to religious indoctrination by the government. In a lengthy majority opinion, the conservative-leaning appeals court in New Orleans rejected those arguments in Texas, saying the requirement does not step on the rights of parents or students. "No child is made to recite the Commandments, believe them, or affirm their divine origin," the ruling says.

The American Civil Liberties Union and other groups that challenged the Texas law on behalf of parents said in a statement that they anticipate appealing the ruling to the US Supreme Court. "The First Amendment safeguards the separation of church and state, and the freedom of families to choose how, when and if to provide their children with religious instruction. This decision tramples those rights," they said in the statement. The mandate is one of several fronts in Texas that opponents have fought over religion in classrooms. In 2024, the state approved optional Bible-infused curriculum for elementary schools, and a proposal set for a vote in June would add Bible stories to required reading lists in Texas classrooms.

The decision over the Ten Commandments law reverses a lower federal court ruling that had blocked about a dozen Texas school districts — including some of the state's largest — from putting up the posters. The Texas law signed by Republican Gov. Greg Abbott took effect in September, marking the largest attempt in the nation to hang the Ten Commandments in public schools. From the start, the law was met almost immediately by a mix of embrace and hesitation in Texas classrooms that educate the state's 5.5 million public school students. The mandate animated school board meetings, spun up guidance about what to say when students ask questions, and led to boxes of donated posters being dropped on the doorsteps of campuses statewide. Although the law only requires schools to hang the posters if donated, one suburban Dallas school district spent nearly \$1,800 to print roughly 5,000 posters. Texas Attorney General Ken Paxton, a Republican, called the ruling "a major victory for Texas and our moral values." The Ten Commandments have had a profound impact on our nation, and it's important that students learn from them every single day," he said.

NEWS BOX

Next demi-god of cricket? Srikanth urges BCCI to act fast on Vaibhav Sooryavanshi



Mumbai. (Agency)

Former India captain and legendary opener Kris Srikanth has thrown his weight behind 15-year-old sensation Vaibhav Sooryavanshi, calling him the potential "next demi-god of cricket." Drawing bold parallels to Sachin Tendulkar's 1989 debut, Srikanth has issued a passionate plea to Chief Selector Ajit Agarkar to fast-track the teenager into the senior national setup immediately.

The endorsement comes as Sooryavanshi continues to dismantle professional bowling attacks in the ongoing IPL 2026 season, sparking a nationwide debate on whether age should be a barrier to international honors.

Fast-Track Him Into National Side

Speaking on The Week's podcast, Srikanth did not mince words regarding the youngster's readiness. He insisted that Sooryavanshi should not only be in the next series squad but should have been part of the T20 World Cup plans. "I'm telling you today, fast-track him. Next series, he should be playing," Srikanth urged. "He should be in the T20 World Cup team, in the 15. Let him understand and get the feel of what international cricket is." Srikanth, who captained Tendulkar during his debut tour of Pakistan, sees a similar spark in the way Sooryavanshi handles world-class pace. "Imagine. First ball, Jasprit Bumrah, six. Josh Hazlewood, he hammers him. He's not bothered at all. Similarly, this boy could be the next demi-god of cricket." Record-breaking Statistical Run Continues

The hype surrounding the 15-year-old is backed by staggering numbers. Sooryavanshi is currently a frontrunner for the Orange Cap, having amassed 246 runs in just six games this season. His performance is characterized by an extraordinary average of 41.00 and a strike rate of 236.53, a figure that has left even seasoned veterans in awe. This isn't a flash-in-the-pan performance. Sooryavanshi already has a maiden IPL century to his name from his debut season and was the architect of India's U19 World Cup glory, where he smashed a mammoth 175 in the final against England. With reports suggesting the BCCI is considering him for the upcoming tour of Ireland, Sooryavanshi stands on the cusp of becoming the youngest player ever to represent the Indian senior team.

LSG vs RR: Vaibhav Sooryavanshi in town as Lucknow hope to escape their backyard trap

NEW DELHI. (Agency)

The local autowallahs already think they've seen the script. "Chaar over se zyada Vaibhav khel gaya toh match wahi jee take dega," says one driver, an avid enthusiast, eyes lighting up at the mention of the 15-year-old wunderkind. The buzz around Vaibhav Sooryavanshi is inescapable, but on Wednesday, his presence at the Ekana Stadium carries a more haunting weight for the hosts. Rajasthan Royals arrive in Lucknow seeking to snap a two-match skid after their initial four-game burst. They face a Lucknow Super Giants side currently rooted to ninth place, having lost three on the bounce and looking thoroughly demoralised. The IPL 2026 match will get underway on Wednesday at Bharat Ratna Shri Atal Bihari Vajpayee Ekana Stadium at



7:30 pm IST. Star Sports will telecast the match in India. Livestreaming will be on JioHostar.

In the heart of the city lies the Bara Imambara, famous for its Bhoor Bhalaiya—a labyrinth where guides warn that "four paths are ghosts (bhoor) and only one is the truth." In 2026, the Ekana has become LSG's own private maze. Six successive defeats at home—including two to start this season—have turned the stadium into a venue that is 'home' only on paper. They return to the Ekana on Wednesday, desperate to stop the rot and find their way out of the dark. They've experimented with combinations and toyed with surface prep, yet they remain lost in their own backyard.

None of their big guns have found a way out. The bowling attack, formidable on paper, has begun to wilt—a decline laid bare on Sunday when the Punjab Kings plundered 254 runs in Mullanpur. Senior campaigner Aiden Markram, speaking to the press in Lucknow on Tuesday, acknowledged the rarity of their predicament.

Premier League winners in 2016, Leicester City relegated to England's third-division

Leicester City have been relegated to League One after a draw against Hull City. The 2016 Premier League champions complete a stunning fall, dropping to England's third tier after back-to-back relegations and a troubled campaign.

NEW DELHI. (Agency)

Leicester City's fall is now complete. Just ten years after scripting one of football's greatest underdog stories, the former Premier League champions have been relegated to England's third tier following a 2-2 draw against Hull City. The result confirmed what had been looming for weeks. Leicester needed a win to stay alive, but the draw left them seven points adrift of safety with only two games remaining, sealing their drop to League One. It marked a brutal reality check for a club that once redefined belief. Leicester

showed flashes of fight in a tense contest, even managing to respond after falling behind, but a late equaliser from Hull ensured there would be no escape. This is not a sudden collapse, but the end of a prolonged decline. A six-point deduction for breaching financial rules played a decisive role, leaving them constantly chasing the pack in the Championship standings. More worrying is the pattern. This is Leicester's second successive relegation, having dropped from the Premier League last season. From champions of England to the third tier in under a decade, the fall has been both rapid and stark. The contrast with their past is impossible to ignore. Under Claudio Ranieri, Leicester stunned the world by winning the 2015/16 Premier League title at 5000-1 odds, powered by stars like Jamie Vardy, Riyad Mahrez and N'Golo Kante. That fairytale, along with their FA Cup triumph in 2021, turned Leicester into a global symbol of belief. Today, however, the club faces a completely different challenge—rebuilding from one of the

lowest points in its modern history. Club chairman Aiyawatt Srivaddhanaprabha accepted responsibility in a statement to fans. "There are no excuses. We have experienced the highest highs and now the

respond strongly and compete to move this club forward again," he added.

WHAT LED TO LEICESTER CITY'S FALL Leicester's relegation is the result of multiple issues that built up over time rather than a single failure. The most immediate blow came with a six-point deduction for breaching financial rules, which left them battling from behind throughout the season. But the deeper problems lie in decisions made over the past few years. A lack of sustained investment and planning saw the squad gradually weaken after their FA Cup success, even as other teams continued to evolve. Managerial instability has also played a key role. Since the departure of Brendan Rodgers in 2023, the club has cycled through several managers, including Dean Smith and Ruud van Nistelrooy, without establishing a clear identity. Former defender Robert Huth, who was part of the title-winning side, highlighted the importance of leadership at the club. "He was so influential. He had a 'get stuff done' attitude," Huth said, referring to late owner Vichai Srivaddhanaprabha.



lowest lows, and the pain is shared by all of us. I am truly sorry for the disappointment we have caused," he said.

"Our focus now is on what comes next. We will take the necessary decisions to move the club forward, working together to rebuild, improve, and restore the standards expected of Leicester City. Our objective is clear—to

World body revokes India Volleyball Federation recognition after players' protest

FIVB has revoked recognition of Volleyball Federation of India after governance breaches. The move comes days after player protests exposed deeper issues around facilities, selection politics and athlete welfare in Indian volleyball.

Manchester. (Agency)

World volleyball body FIVB on Tuesday revoked Volleyball Federation of India's recognition with immediate effect for breach of "legal and administrative requirements", days after two senior players quit the national camp over "poor and unscientific facilities" and "politics" in selection. The FIVB constituted a steering committee made up of representatives from the world body and the Indian Olympic Association to safeguard the sport in the country and look after athlete welfare. In accordance with Articles 1.5.3 and 1.9.1 of the FIVB General Regulations, the FIVB Board of Administration has determined that the legal and administrative requirements established by the FIVB have not been respected by the interim leadership of the Volleyball Federation of India (VFI), the world body said in a statement. "As such, the VFI's provisional recognition has been

revoked with immediate effect, granting temporary administrative competence to a Steering Committee – comprising representatives from the FIVB and the Indian Olympic Association – to ensure the uninterrupted continuation of volleyball



activities in India." The FIVB said the welfare and support of athletes remains its top priority, and to this end, the Steering Committee has been mandated to ensure continuity, stability and proper governance

during the transitional period.

"Their responsibility spans the following court-mandated areas: establishment of the Athletes' Commission; conduct of State Association elections, and the alignment of the VFI Constitution with applicable legal and governance frameworks." Further, the Steering Committee will work to implement a transparent, merit-based national team selection, coordinate upcoming international and national competitions, and provide technical and high-performance support through the FIVB Volleyball Empowerment programme, including the deployment of international coaching expertise. "Under this Programme, the FIVB will contribute USD 258,000 in 2026 toward athlete support and national team development across both genders and disciplines in India, reaffirming its commitment to a stronger, more transparent future for Indian volleyball.

What makes Sakib Hussain stand out? Aaron hails SRH pacer after crucial DC spell

BEIJING. (Agency)

Sunrisers Hyderabad's resurgence with the ball took centre stage in their clash against Delhi Capitals, but beyond the result, it was Varun Aaron's assessment of Sakib Hussain that stood out. The SRH bowling coach pointed to a key trait that has made the young pacer such a valuable asset in their recent turnaround. Defending a massive 243, SRH once again relied on discipline and variation rather than just pace. While Eshan Malinga grabbed the spotlight with a four-wicket haul, Hussain quietly delivered another impactful spell, returning figures of 1/29 in his four overs and ensuring Delhi never truly got control of the chase. It was a collective bowling effort on a batting-friendly surface, with SRH using slower balls and clever changes of pace to disrupt rhythm. Hussain's role in that plan has



become increasingly important, especially in the middle overs where control often dictates the game. Aaron, speaking after the match, highlighted exactly what makes the youngster stand out

in modern T20 cricket.

"With Sakib, that slower ball is just brilliant. He's almost getting as much turn as an off-spinner on it. Same arm speed, executes his yorkers, and can bowl 140-plus as well. In today's game, you need that variation — to go from 140-145 down to almost 107," Aaron said. SRH's bowling story, however, wasn't always this controlled. Earlier in the season, they struggled badly, most notably against Punjab Kings, where they failed to defend 220. That game forced a rethink, leading to the axing of experienced names like Jaydev Unadkat and Harshal Patel, and opening the door for younger options like Hussain.

Since that shift, SRH have found rhythm, and their bowling has started to complement their already explosive batting, helping them stitch together a strong run of results.

SRH vs DC: Delhi Capitals reflect on Nitish Rana ploy that ultimately backfired

Delhi Capitals' Venugopal Rao addresses the controversial decision to bowl Nitish Rana for his full quota and the tactical middle-order collapse that handed SRH a 47-run victory in Hyderabad.

Hyderabad. (Agency)

The tactical landscape of IPL 2026 was pushed to its limits on Tuesday night as the Delhi Capitals' (DC) coaching staff faced a wave of criticism following their 47-run defeat to Sunrisers Hyderabad. At the centre of the debate was the decision to bowl part-timer Nitish Rana for his full four-over quota while elite spinners Axar Patel and Kuldeep Yadav remained underutilized. Following Abhishek Sharma's explosive 135 off 68 balls*, DC's Director of Cricket, Venugopal Rao, was left

to explain the rationale behind a move that many baffled.

The "Match-up" That Backfired

DC entered the contest with a clear plan: use Rana's off-spin to counter SRH's left-handed heavy top order. However, the theory dissolved in the face of Abhishek Sharma's carnage. Rana was dispatched for half a dozen sixes, finishing with figures of 0/55. Surprisingly, frontline weapons Axar and Kuldeep bowled just two overs apiece, seemingly held back as the scoreboard spiraled out of control. Whatever happens, happens on the field," Rao noted during the post-match press conference. At the end of the day, we can point out things like Nitish Rana bowling four overs. See, these are instant decisions. Sometimes they click, sometimes they don't. That's how it is in this format. "While Rao defended the "instant" nature of the decision, the statistics painted a grim picture. DC

leaked 116 runs during the middle overs (7-15), a phase where the failure to trust their premier spinners allowed SRH to mount a



mammoth 242/2.

Cluster Collapses and Strike-Rate Woes The tactical errors weren't confined to the bowling. In the chase, DC found themselves in a strong position at 107/1 before a trademark "cluster collapse" saw them lose three wickets for zero runs. Sri Lankan pacer

commercially expansive edition of the tournament. However, the latest developments have raised concerns over whether it is becoming increasingly inaccessible to fans. WHY FANS SLAMMED WORLD CUP 2026 TICKET PRICES

Fan frustration has largely centred around the sudden introduction of higher-priced categories and the lack of communication around these changes. Many supporters took to social media to question why premium seats appeared to be reclassified and sold later at inflated rates.



commercially expansive edition of the tournament. However, the latest developments have raised concerns over whether it is becoming increasingly inaccessible to fans. WHY FANS SLAMMED WORLD CUP 2026 TICKET PRICES

Fan frustration has largely centred around the sudden introduction of higher-priced categories and the lack of communication around these changes. Many supporters took to social media to question why premium seats appeared to be reclassified and sold later at inflated rates.

'Bas Karo Yaar': Akshay Kumar Reacts To

Wamiqa Gabbi's

Poor Jokes In Latest Viral Video



Akshay Kumar and Wamiqa Gabbi are currently enjoying the success of Bhooth Bangla. The film is entertaining everyone. Amid this, the actress shared a lighthearted moment with Akshay Kumar. The actress shared a video in which she is seen entertaining Akshay by cracking a series of poor jokes. But the actor's reaction is going viral. Taking to her Instagram handle, Wamiqa shared a video in which she is seen saying jokes to Akshay Kumar. He is looking pissed off because of her bad jokes. "Premiqa ke PJ pe hasi hui faraar, Akshay sir bole, "Bas karo yaar! BHOOTH BANGLA in cinemas now! Book your tickets now!! (Please aise aur joke ho toh bhejo, I am reading all comments", read the caption. Fans also reacted laughing emojis. One of the fans wrote, "Seeing AK Paaji cooked for the first time well done Wamiqa."

About Bhooth Bangla

Bhooth Bangla has opened to a roaring response. It dominated the box office on its very first day, collecting ₹21.60 crore in India. Bhooth Bangla has certainly exceeded expectations with its whopping box office collection. Backed by strong buzz and excellent word of mouth, the film has amassed ₹21.60 crore at the Indian box office. Meanwhile, Bhooth Bangla also stars Tabu, Wamiqa Gabbi, Rajpal Yadav, Paresh Rawal, and the late actor Asrani. A part of News18's review read, "In flashes, Bhooth Bangla taps into a certain nostalgic absurdity, particularly in its more playful, slapstick stretches. It also has a Bhool Bhulaiyaa hangover. There's an Aami Je Tomar-esque song capturing classical love. The interval block of Bhooth Bangla will remind you of a brand of comedy Bollywood once thrived on, but if you overstay, you'll realise that much like yourself, the film is also struggling to not zone off."



The film marks Akshay Kumar's reunion with director Priyadarshan after 15 years. The duo has previously worked on several hit comedies, including Hera Pheri, Garam Masala, Bhool Bhulaiyaa and Bhagam Bhag. Their last collaboration was Khatta Meetha in 2010. Akshay is also set to work with Priyadarshan again in the upcoming film Haiwaan, which will also star Saif Ali Khan.

About Wamiqa Gabbi's work front:

The actress will be next seen in Pati Patni Aur Who. Recently, the makers of the film have dropped the teaser of the comedy-drama, promising a rollercoaster of laughter, confusion, and full-blown chaos. The video comes as a wave of nostalgia, revisiting the classic drama of the 'pati-patni-aur-woh' dynamic. The teaser of Pati Patni Aur Woh Do serves as a nostalgic dive into the universe of "patis", a.k.a. the "pativerse", leading to the introduction of the latest film with a new twist. Ayushmann Khurrana leads the madness as the hilariously flustered Prajapati Pandey, whose life quickly unravels when he finds himself caught between not one, not two, but three women, played by Sara Ali Khan, Wamiqa Gabbi, and Rakul Preet Singh. As the confusion snowballs into an all-out comedy of errors, Vijay Raaz enters as a cop, dialling up the chaos even further.

Has AI Been Used In Varun Dhawan's Hai Jawaani Toh Ishq Hona Hai? David Dhawan Reveals



When the teaser of Varun Dhawan's upcoming movie Hai Jawaani Toh Ishq Hona Hai was released recently, the use of AI toddlers in the clip left many disappointed and initiated a quiz online. However, amid the controversy, the film's director, David Dhawan, has also opened up about the use of AI in the teaser. Recently, the filmmaker was speaking to the news agency ANI when he clarified that AI has not been used in his film but only in the teaser. "AI has not been used in the film at all... It has only been used in the teaser," David Dhawan said. "We decided to do something different and made it. It is just a teaser. Once songs are out, you'll know that the film has nothing to do with AI," he added.

Hai Jawaani Toh Ishq Hona Hai Postponed

Meanwhile, Varun Dhawan, Mrunal Thakur, and Pooja Hegde's Hai Jawaani Toh Ishq Hona Hai has been postponed.

The film, which was earlier scheduled to release on June 5, will now hit theatres on June 12. The move came after Yash's Toxic changed its release date. The action drama has also shifted from March 19 to June 4.

In an official statement, Ramesh Taurani, Managing Director of Tips Films, shared, "We would like to clarify that our film – Hai Jawaani Toh Ishq Hona Hai was originally scheduled for release on June 5, a date we had announced several months ago. However, after recent developments and considering the prevailing situation, we felt it would be more appropriate to shift our release."

He further added, "We strongly believe that it is always healthier for the industry when filmmakers support one another rather than compete unnecessarily on the same date. In that spirit of solidarity, we have decided to move the release of Hai Jawaani Toh Ishq Hona Hai to June 12 and bring our film to audiences a week later."

However, the film will now clash at the box office with Imtiaz Ali's Main Vaapas Aaunga, starring Diljit Dosanjh, Sharvari and Vedang Raina.

It's Official! Sooraj Barjatya And Ayushmann Khurrana's Yeh Prem Mol Liya To Release On THIS Date



Yeh Prem Mol Liya, starring Ayushmann Khurrana and Sharvari, has been making headlines, but what fans awaited was an official announcement—and it looks like the time has come. Rajshri Productions, in association with Mahaveer Jain Films, has finally made the announcement. Sooraj Barjatya is all set to light up the big screen post Diwali with Yeh Prem Mol Liya. After winning the National Award for Best Director for his critically acclaimed 2022 film Uunchai, Sooraj Barjatya is back with a quintessential family entertainer.

With Yeh Prem Mol Liya, Rajshri's beloved character Prem makes a return to the big screen after 12 years. Ayushmann Khurrana steps in to play the iconic character for the first time. Paired opposite Ayushmann in the film is Sharvari. The pair comes together on screen for the first time, and the movie is all set to hit theatres on November 27, 2026.

Also reuniting after 12 years are Sooraj Barjatya and Himesh Reshammiya. Their last outing together was Prem Ratan Dhan Payo. The album gave memorable, viral hits that broke records. Music is an essential building block of a Sooraj Barjatya film. With Himesh Reshammiya composing the music for Yeh Prem Mol Liya, expectations for a blockbuster album are at an all-time high.

Earlier, while speaking exclusively to News18 Showsha, Ayushmann Khurrana expressed his excitement about collaborating with the Maine Pyar Kiya and Hum Aapke Hain Koun...! director for the first time. "It was a part of my bucket list to work with sir," he told us. "He's a very noble man. I touch his feet whenever I meet him. He gives that kind of a vibe, and I want to give that energy back to him as a student of cinema. The best part is that he's a master of cinema, but he still believes that he's a student, which is really beautiful. He's away from this circus around us," he added.



Aishwarya Rai

Celebrates 19th Anniversary With Abhishek Bachchan, Shares Photos From Celebration

Aishwarya Rai and Abhishek Bachchan celebrated their 19th wedding anniversary on Monday, April 20. The two had tied the knot in a dreamy and intimate ceremony at the Bachchan residence, Prateeksha, in Juhu, Mumbai. Aishwarya Rai has now taken to Instagram to share glimpses of her celebration, which also included their daughter, Aaradhya. Aishwarya Rai shared selfies that she took with Abhishek and Aishwarya. The family was seen holding a beautiful bouquet as they posed together. Aishwarya looked stunning in a white ensemble and her signature red lip. She wore her hair down, framing her face perfectly. Abhishek Bachchan looked dapper in blue ethnic wear, and Aaradhya smiled radiantly.

Fans couldn't stop gushing over the couple. One person wrote, "Happy Anniversary ❤️". Another added, "Happy 19th Anniversary wedding Our Queen ❤️". A comment read, "God bless." Another mentioned, "Beautiful family." A fan wrote, "Love is divine and ultimate ❤️". Another added, "So good to see you all together and happy." Recently, Abhishek Bachchan had opened up about how he and Aishwarya are a balanced couple without gender roles. Abhishek Bachchan told Lily Singh, "In my home, as parents, both of us try to be the best example for Aaradhya instead of telling her what is right and what is wrong. We believe in showing what to do by being that ourselves. It's never been like, 'Okay, I'll teach her self-defence.' If you've seen my wife, she can take care of herself. It's never been divided like, 'I'll teach her self-defence, you teach her to be empathetic.' No, it's not that."



"It's simply about leading a good, responsible life with your values and morals. Your child sees that, emulates it, and in that way, you've equipped them. So there's no competition at home about who has to be the man or who has to be the woman. When it comes to children, we both believe you have to lead by example, not try to teach them what is right and wrong. Because what's right for us might not be right for them. Generations change. Our world is very different, and our children's world is going to be even more different," he had said.